नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 35

सोमवार, 13 से 19 अक्टूबर 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करने का किया आग्रह 03

फ्रांस में सियासी संकट : बाल-बाल बची मैक्रों की सरकार 08

NCR समाचार

पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हराया 10

खुशियों की दपावली मन की अंधिकारी दूर करने का समय 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

कंगना रनौत ने खुद को बताया शहरुख से ज्यादा मेहनती 12

मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई की कार्रवाई, 1.2 किलो सोना जब्त

दो एयरपोर्ट कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग की खुफिया एजेंसी डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। 'ऑपरेशन गोल्डन स्वीप' के तहत कार्रवाई करते हुए मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विदेश का 1.2 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। इस सोने की कीमत करीब 1.60 करोड़ रुपए बताई जा रही है।डीआरआई की मुंबई जोनल यूनिट (एमजेडयू) को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ अंतरराष्ट्रीय यात्री और हवाई अड्डे के अंदरूनी कर्मचारी मिलकर विदेशी सोने की तस्करी कर रहे हैं। सूचना के अनुसार, सोना विमान के अंदर छिपाया जाता था और बाद में एयरपोर्ट सर्विस स्टाफ द्वारा उसे निकालकर बाहर पहुंचाया जाता था। जानकारी के बाद डीआरआई अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर डिस्क्रीट सर्विलांस (गुप्त निगरानी) शुरू की। यात्रियों के उतरने के बाद जब सफाई कर्मचारी विमान की सफाई कर रहे थे, तभी डीआरआई अधिकारियों ने कुछ कर्मचारियों की व्यक्तिगत तलाशी शुरू की। इस दौरान, एक सफाईकर्मी घबराहट में एयरोब्रिज की सीढ़ियों पर चढ़ गया और एक पैकेट को कोने में छिपाकर वापस समूह में शामिल हो गया। डीआरआई टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सीढ़ियों के उस हिस्से की तलाशी ली, जहां से सफेद कपड़े में लिपटी मोम जैसी परत में छिपा सोने का पाउडर बरामद हुआ। जांच में पाया गया कि यह काम एयरपोर्ट की एक सेवा कंपनी के क्लीनिंग स्टाफ के टीम लीडर ने किया था। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने कबूल किया कि उसने तलाशी से बचने के लिए सोना छिपाया था। उसने आगे बताया कि विमान से सोना निकालने का काम उसके सुपरवाइजर ने किया था, जिसने उसे पैकेट सौंपा था। डीआरआई ने आरोपी की पहचान के आधार पर सुपरवाइजर को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों को पूछताछ के बाद कस्टम्स एक्ट 1962 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

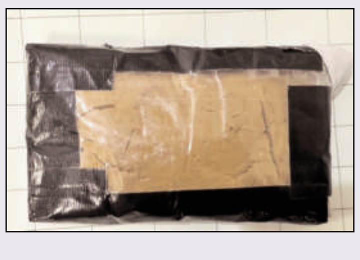

इस वर्ष रिकॉर्ड यात्रियों ने आदि कैलाश के किए दर्शन

देहरादून।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश जाने के बाद श्रद्धालुओं का आदि कैलाश यात्रा को लेकर रुझान बढ़ा है। आदि कैलाश की इस वर्ष यात्रा ने पिछले वर्षों का रिकार्ड तोड़ा है। इस साल 31 हजार 5 सौ 98 यात्री आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन कर चुके हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड में अध्यात्मिक सुख और शांति की तलाश में श्रद्धालुओं के कदम तेजी से बढ़ रहे हैं। आदि कैलाश यात्रा को और अधिक व्यवस्थित किया जाएगा ताकि यात्रियों को यात्रा मार्ग पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हों। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यात्रा सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया है।

पटियाला के पूर्व मेयर संजीव शर्मा बिट्टू की कांग्रेस में वापसी, वेणुगोपाल और बघेल ने दिलाई सदस्यता

नई दिल्ली। पंजाब में पटियाला के पूर्व मेयर संजीव शर्मा (बिट्टू) रविवार को कांग्रेस पार्टी में फिर से शामिल हो गए। उन्हें कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने यहां आयोजित एक

कार्यक्रम में उन्हें पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल कराया। उल्लेखनीय है कि बिट्टू साल 2018 से 2021 तक पटियाला नगर निगम के मेयर रहे। वह पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के करीबी समर्थक के रूप में जाने जाते हैं। तीन बार काउंसलर रह चुके बिट्टू 2021 में कांग्रेस छोड़कर अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) में शामिल हुए थे। उनकी वापसी को कांग्रेस की पंजाब इकाई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव: महागठबंधन में अब भी सीटों को लेकर नहीं सुलझी गांठ

दोस्ताना संघर्ष की बढ़ी उमीद

एनसीआर समाचार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में छह नवम्बर को 18 जिलों के 121 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले मतदान के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया समाप्त हो गई। लेकिन विपक्षी दलों के महागठबंधन में अब तक सीटों को लेकर अंतिम फैसला नहीं हो सका है। ऐसी स्थिति में कुछ सीटों में दोस्ताना संघर्ष की उम्मीद बढ़ गई है।महागठबंधन में शामिल दल कई ऐसी सीटें हैं, जहां से अपने-अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। इधर, झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की है तथा छह सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। वैसे, गठबंधन के नेताओं का कहना है कि अभी भी कुछ सीटों

को लेकर बातचीत चल रही है। दूसरे चरण के चुनाव के लिए आज से नामांकन भरने की प्रक्रिया तेज हो गई है। अब नामांकन भरने के कुछ दिन शेष बचे हैं, लेकिन महागठबंधन में शामिल सबसे प्रमुख दल राजद ने अब तक उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है। दीगर बात है कि टिकट बांटे जा रहे हैं। उम्मीदवारों द्वारा नामांकन भी भरे जा रहे हैं। लालगंज से राजद और कांग्रेस के उम्मीदवार मैदान में नजर आ रहे हैं तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के विरुद्ध भी कुटुंबा से राजद ने सुरेश पासवान को अपना प्रत्याशी बनाकर भेज दिया है। सिकंदरा में भी राजद और कांग्रेस के उम्मीदवारों को लेकर पेंच फंस गया है जबकि वारसलीगंज में राजद ने अनिता देवी को और कांग्रेस ने सतीश कुमार सिंह को सिंबल दे दिया है। बताया जा रहा है कि करीब दस ऐसी सीटें हैं, जहां अब तक महागठबंधन के दलों के बीच गांठ अब तक नहीं खुली है। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी और वामपंथी दल शामिल हैं। बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। इस बीच, राजद ने हालांकि अपने सोशल मीडिया के जरिए यह कहा है कि कुछ लोग राष्ट्रीय जनता दल इस सीट पर भी और इस सीट पर भी उम्मीदवार दे रहा है या फलाने की सीट पर भी उम्मीदवार दे रहा है। इस तरह की खबरें सच्चाई से मीलों दूर हैं। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेतृत्व वाले एनडीए और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महागठबंधन के बीच माना जा रहा है। हालांकि कई अन्य पार्टियां भी चुनावी मैदान में उतरी हैं।

करूर भगदड़ में मरने वाले 39 लोगों के परिजनों को विजय की पार्टी टीवीके की तरफ से 20-20 लाख की आर्थिक मदद

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने करूर भगदड़ के शिकार हुए 39 लोगों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी है।

पार्टी ने यह राशि संबंधित परिवारों के बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी है। टीवीके की तरफ से सोशल मीडिया एक्स पर इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया है कि हमने 28 सितंबर को की गई घोषणा के मुताबिक 18 अक्टूबर को बैंक आरटीजीएस के ज़रिए परिवार कल्याण निधि के रूप में 20 लाख रुपये भेज दिए हैं। पार्टी ने प्रभावित परिवारों से यह मदद स्वीकार करने का अनुरोध किया है। पार्टी के मुताबिक 39 परिवारों को 20-20 लाख रुपए भेजे गए हैं, जो कुल 7.8 करोड़ रुपए की सहायता राशि है।

कर्तव्य पथ पर आस्था और आधुनिकता का अद्भुत संगम: सीएम रेखा गुप्ता

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में देश की राजधानी दिल्ली में एक नया इतिहास लिखा गया। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या की तरह देश की राजधानी में पहली बार कर्तव्य पथ कल दीपोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि आज का दीपोत्सव केवल दीपों का उत्सव नहीं, बल्कि नई क्रांति की आहट है। दिल्ली एक नया इतिहास लिखने जा रही है, जहां आस्था और आधुनिकता का संगम अद्भुत रूप में सामने आया है। राजधानी ने यह दिखा दिया कि दिल्ली अब केवल शासन की राजधानी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना की धड़कन भी है। श्रीराम के जीवन चरित का ड्रोन प्रदर्शन और दीपों का महासागर इस बात का प्रतीक है कि राजधानी दिल्ली अब सनातन परंपरा, देश की सांस्कृतिक समझ के साथ आगे बढ़ रही है। आजादी के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब कर्तव्य पथ पर सामूहिक रूप से दीपावली का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में मुख्यमंत्री के साथ उनके मंत्रिमंडल के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी तो साथ थे ही, दिल्ली के हजारों लोगों का जुड़ाव भी देखने को मिला। कर्तव्य

पथ पर आयोजित इस दीपोत्सव में भव्य ड्रोन शो, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और रामायण थीम आधारित लाइट कार्यक्रम ने उपस्थित हजारों दर्शकों को अभिभूत कर दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी इस कार्यक्रम में भावविह्वल व श्रीराम की भक्ति से प्रेरित दिखीं। उन्होंने कहा कि वर्षों बाद दिल्ली का हृदय इस तरह दीपों की आभा से जगमगा उठा है। यह केवल रोशनी का उत्सव नहीं, बल्कि दिल्ली की नई ऊर्जा, नई उम्मीद और नई दिशा का प्रतीक है। इस बार की दिवाली दिल्ली के हर वर्ग तक पहु ची है । मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से आज दिल्ली का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हो रहा है । उन्हों ने कहा कि इस दिवाली बच्चों के चेहरों पर मुस्कान है, महिलाओं के घर में बचत है, युवाओं को नए अवसर हैं, बुजुर्गों को स्वास्थ्य का भरोसा है, और हर नागरिक को अपने शहर पर गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्र भु श्रीराम की कृपा से दिल्ली में रामराज्य की स्थापना हो, जहां हर नागरिक को समान अवसर, सुरक्षा और सम्मान मिले। दिल्ली की सरकार जनता की सरकार है, और हम जनता के सेवक हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार सीएम रेखा गुप्ता का यह भी कहना है कि कर्तव्य पथ पर आयोजित इस दीपोत्सव की सबसे विशेष बात यह रही कि पहली बार ड्रोन शो के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन चरित को आकाश में प्रदर्शित किया गया।

शेष पृष्ठ 3 पर

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव और आठ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए पर्यवेक्षक तैनात किए

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव और आठ विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनावों से पहले चुनाव आयोग ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। आयोग ने बताया कि पर्यवेक्षक चुनावी प्रक्रिया पर नजदीकी नजर रख रहे हैं, ताकि सभी दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित हो सके। आयोग के अनुसार पहले चरण के लिए 121 सामान्य पर्यवेक्षक और 18 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं, जबकि दूसरे चरण के लिए 122 सामान्य और 20 पुलिस पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा आठ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनावों के लिए 8 सामान्य और 8 पुलिस पर्यवेक्षक भी भेजे गए हैं। सभी पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों का पहला दौरा पूरा कर लिया है और अब वे वहीं पर तैनात हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें निर्देश दिया है कि वे चुनाव प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी करें और पारदर्शी, स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करें। साथ ही, पर्यवेक्षकों को राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों

और मतदाताओं के लिए सुलभ रहने और उनकी शिकायतों के त्वरित निपटारे के निर्देश भी दिए गए हैं। आयोग ने कहा कि पर्यवेक्षक मतदान केंद्रों का दौरा करें और मतदाताओं की सुविधा के लिए हाल में शुरू की गई पहल का पालन सुनिश्चित करें।

टिकट कटने पर राबड़ी आवास के बाहर फूट-फूटकर रोए आरजेडी नेता

फाड़ा कुर्ता, यह बड़ा आरोप भी लगाया

एजेंसी

पटना। पूर्वी चंपारण जिले की मधुबन विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जतना दल के पूर्व प्रत्याशी मदन साह का दर्द रविवार को राबड़ी आवास के बाहर फूट पड़ा। उन्होंने पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर अपना कुर्ता फाड़ लिया और फूट-फूटकर रोने लगे। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव के राजनीतिक सलाहकार संजय यादव पर टिकट बेचने का गंभीर आरोप लगाया। मदन साह का आरोप है कि कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के करीबी व राज्यसभा सांसद संजय यादव ने मुझसे दो करोड़ सत्तर लाख रुपये की मांग की थी। पैसे नहीं देने पर मेरा टिकट काट दिया गया। मैं बर्बाद हो गया हूं। बेटा-बेटी की शादी तक टाल दी थी चुनाव के लिए। लालू यादव ने खुद कहा था कि तैयारी करो, पिछली बार कम वोटों से हारे थे। इधर, पार्टी की ओर से इस पूरे मामले पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मधुबन से लड़े से विधानसभा चुनाव

बता दें कि मदन साह 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद के टिकट पर मधुबन से चुनाव लड़े थे, जहां उन्हें भारतीय जनता पार्टी के राणा रणधीर सिंह ने मात्र 5,878 वोटों के अंतर से हराया था। उस हार के बाद पार्टी ने उन्हें प्रोत्साहित किया और अगली बार मौका देने का भरोसा दिया था। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान मदन साह पर यह आरोप लगा कि उन्होंने राजद उम्मीदवार

की जगह हृष्ठ प्रत्याशी को अंदरखाने से मदद की। आरोप है कि उनकी भूमिका के चलते ही जदयू की लवली आनंद ने राजद उम्मीदवार ऋतु जयसवाल को करीब 30,000 वोटों से हरा दिया। इसी वजह से पार्टी नेतृत्व उनसे नाराज चल रहा था।

आईटीबीपी के 13 सदस्यीय दल ने काला नाग चोटी पर फहराया तिरंगा

एजेंसी

उत्तरकाशी। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के 13 सदस्यीय पर्वतारोही दल ने बंदरपूंछ पर्वत शृंखला की सबसे ऊंची चोटी काला नाग पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी तिरंगा फहरा दिया है।

पर्यटन विभाग की ओर से चयनित पर्वतारोहियों और भारत तिब्बत सीमा के 13 हिम वीरों ने समुद्रतल से लगभग 6378 मीटर ऊंची चोटी का 12 अक्तूबर को सफल आरोहण किया था। बता दें कि विश्व पर्यटन दिवस पर उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से 17 सदस्यीय दल को जनपद की काला नाग चोटी के आरोहण के लिए हरी झंडी देकर रवाना किया गया था। दल में प्रदेश के सभी जनपदों से 12 पर्वतारोहियों का चयन किया गया था। इसमें चार लोग उत्तरकाशी के और पांच जवान आईटीबीपी के भी शामिल थे। दल ने अक्तूबर प्रथम सप्ताह में काला नाग चोटी के आरोहण के लिए अभियान शुरू किया। इस दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और बर्फीले तूफान के बीच दल ने अपने साहस का परिचय देते हुए काला नाग चोटी का सफल आरोहण किया। 17 सदस्यीय दल में से 13 सदस्यों ने 12 अक्तूबर की सुबह करीब सात से आठ बजे के बीच चोटी का सफल आरोहण कर वहां पर तिरंगा फहराया कर दल सकुशल वापस लौट आया है।जिला साहसिक पर्यटन अधिकारी मोहम्मद अली खान ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से साहसिक खेलों और पर्वतारोहण को बढ़ावा देने के लिए अभियान का आयोजन किया गया था। काला नाग चोटी यमुनोत्री धाम, मोरी से हिमाचल प्रदेश चल फैली बंदरपूंछ पर्वत शृंखला की सबसे ऊंची चोटी है। वहीं यह गोविंद पशु वन्य जीव विहार के क्षेत्र के तहत आता है।

केंद्र सरकार ने गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान और नागालैंड में नोटरी की संख्या बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चार राज्यों में नोटरी पब्लिक की संख्या बढ़ा दी है। विधि और न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग ने नोटरीज(संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। यह अधिसूचना 17 अक्तूबर को जी.एस.आर. 763(ई)के रूप में जारी की गई। नए नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू हो गए हैं। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान और नागालैंड में नोटरी की अधिकतम संख्या बढ़ाने का फैसला लिया है। गुजरात में 2900 से बढ़ाकर 6000 तमिलनाडु में 2500 से बढ़ाकर 3500 राजस्थान में 2000 से बढ़ाकर 3000 और नागालैंड में 200 से बढ़ाकर 400 नोटरी की संख्या की गई है।

मोदी ने देशवासियों से गर्व के साथ दीपावली मनाने, स्वदेशी भावना अपनाने का किया आग्रह

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से दीपावली को न केवल रोशनी एवं खुशी के साथ मनाने का आह्वान किया बल्कि देश की रचनात्मकता, कड़ी मेहनत एवं नवाचार पर गर्व की गहरी भावना के साथ मनाने का भी आह्वान किया।

एक्स पर पोस्ट किए गए एक संदेश में, श्री मोदी ने सभी 140 करोड़ भारतीयों से आग्रह किया कि वे सचेत रूप से भारतीय निर्मित

उत्पादों का चयन करें और गर्व से घोषणा करें, "गर्व से कहो यह स्वदेशी है!"

प्रधानमंत्री की यह अपील स्थानीय उद्योगों एवं कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए चल रहे राष्ट्रव्यापी आंदोलन की निरंतरता है जो आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण के संदेश को और मजबूत करता है। श्री मोदी ने अपने पोस्ट में नागरिकों को सोशल मीडिया के माध्यम से स्वदेशी आंदोलन का दूत बनने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, "आइए भारतीय उत्पाद खरीदें और कहें गर्व से कहें कि ये स्वदेशी है! आपने जो खरीदा है उसे सोशल मीडिया पर भी साझा करें। इस तरह आप दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

इस पहल का समर्थन करते हुए, सरकार की वेबसाइट ने "दिवाली मनाएं और स्वदेशी को सशक्त बनाएं" शीर्षक से एक विशेष अभियान शुरू किया, जिसमें नागरिकों से इस त्योहारी सीजन में केवल स्वदेशी उत्पाद खरीदने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। इस अभियान में स्थानीय कारीगरों को समर्थन देने के महत्व पर जोर दिया गया, जिनकी कारीगरी और आजीविका भारत के सांस्कृतिक और आर्थिक ताने-बाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय : 12/276, संगम विहार नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार के जुर्म में दो लोगों को 20 साल की जेल

गुरुग्राम. (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के जुर्म में दो लोगों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा दी है। आरोपियों को 13 अक्टूबर को दोषी करार दिया गया तथा सजा गुरुवार को सुनाई गई। पुलिस ने बताया कि प्रत्येक आरोपी पर 52,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर उन्हें अतिरिक्त कारावास की सजा भी भुगतनी होगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. आशु संजीव तिंजन ने यह फैसला सुनाया। दोषियों की पहचान साहिल उर्फ ?काला और रिसाल उर्फ ?सुस्सा के रूप में हुई है, जो नूंह जिले के औथा गांव के निवासी हैं। यह मामला तीन सितंबर 2021 का है।

एनआईए अदालत ने जासूसी के जुर्म में दो लोगों को सजा सुनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अदालत ने विशाखापत्तनम नौसेना जासूसी मामले में दो और आरोपियों को सजा सुनाई है, जिससे मामले में अब तक कुल चार लोगों को दोषी ठहराया गया है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अदालत ने गुरुवार को मुंबई के मोहम्मद हारून हाजी अब्दुल रहमान लकड़ावाला और गुजरात के गोधरा के इमरान याकूब गितेली को क्रमश: साढ़े पांच साल और छह साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई। एनआईए के बयान में कहा गया है कि अदालत ने अपराधियों पर 5,000-5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसे अदा न करने पर उन्हें जेल में एक साल अतिरिक्त बिताना होगा। यह मामला देश में सक्रिय विदेशी जासूसों/एजेंटों द्वारा महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और भारतीय नौसेना के प्रतिष्ठानों में की गई जासूसी गतिविधियों से संबंधित है। यह मामला 2019 का है।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में पिकअप गहरी खाई में गिरी... 8 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले से सड़क हादसे की दुखद खबर सामने आ रही है। जहां चांदशैली घाट पर पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के मुताबिक, पिकअप सवार सभी लोग अस्तंबा देवी यात्रा से लौट रहे थे। इसी दौरान घाट मोड़ पर ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिसके चलते गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। यह हादसा इतना भयावह था कि पिकअप वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पिकअप में सवार श्रद्धालु वाहन से बाहर जा गिरे। घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। यह घटना नंदुरबार जिले के चांदशैली घाट के पास हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। जहां कई की हालत नाजुक है। बता दें कि श्रद्धालु अस्तंबा देवी का दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि कई श्रद्धालु पिकअप के नीचे दब गए और कुछ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

हजरत निजामुद्दीन दरगाह में 'जश्न-ए-चरागा' पर विवाद, आरएसएस की मुस्लिम विंग और दरगाह कमेटी आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ऐतिहासिक हजरत निजामुद्दीन औलिया दरगाह में इस बार 'जश्न-ए-चरागा' यानी दिवाली के दिए जलाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने दरगाह परिसर में दिवाली के दिए जलाने का कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। मंच का कहना है कि इसका उद्देश्य 'गंगा-जमुनी तहज़ीब' और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। हालांकि, दरगाह कमेटी ने इस कार्यक्रम का विरोध करते हुए निजामुद्दीन थाने में तहरीर दी है। कमेटी का कहना है कि दरगाह एक धार्मिक स्थल है, जहाँ इस तरह के आयोजन परंपरागत रूप से नहीं किए जाते और बिना अनुमति ऐसा कार्यक्रम धार्मिक शांति भंग कर सकता है। वहीं, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का दावा है कि यह परंपरा नई नहीं है, वे कई वर्षों से दरगाह में दिए जलाकर दिवाली मनाते आए हैं। संगठन ने स्पष्ट कहा है कि वे इस बार भी दिए जरूर जलाएंगे। इस कार्यक्रम में आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार के शामिल होने की भी संभावना है। विवाद को देखते हुए पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मंच के कार्यकर्ता दरगाह क्षेत्र में दीए बांटते हुए 'एकता में शक्ति' का संदेश दे रहे हैं।

मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका कहा- सड़क का चौड़ीकरण करना जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद की 4 सौ साल पुरानी मांचा मस्जिद सड़क चौड़ीकरण के रास्ते में आ रही है। इसका आंशिक हिस्सा प्रभावित हो सकता है। इस मामले में लगाई गई याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया और कहा कि यातायात की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सड़का का चौड़ीकरण करना बेहद जरुरी है। बता दे कि मस्जिद करीब 400 साल पुरानी है और लोग इसमें किसी भी तरह की तोड़फोड़ का विरोध कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नगर निगम जनहित में काम कर रहा है और इस परियोजना के तहत मंदिर के साथ-साथ कॉमर्शियल और रेजिडेंशियल संपत्तियों को भी तोड़ा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने मांचा मस्जिद ट्रस्ट के वकील द्वारा मस्जिद की इबादतगाह को बचाने की लगातार की जा रही मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अहमदाबाद नगर निगम ने आस्था मेहता के माध्यम से कहा कि नगर निगम ने हाईकोर्ट के समक्ष स्पष्ट रूप से कहा था कि ट्रैफिक की भीड़भाड़ कम करने के लिए सड़क चौड़ीकरण परियोजना से केवल खाली पड़ी जमीन का एक टुकड़ा और मस्जिद के चबूतरे का एक हिस्सा ही प्रभावित होगा।

दिल्ली की हवा हुई जहरीली... अभी पटाखे और फसलों की कटाई भी शुरु नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को लगातार चौथे दिन खराब श्रेणी में रही, दिवाली से पहले प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने शाम 4 बजे शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 254 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी के अंदर है। धुंध की चादर आसमान में छाई रही और प्रमुख इलाकों में दृश्यता कम रही।

एक्यूआईसीएन के अनुसार, शनिवार सुबह वज़ीराबाद में एक्यूआई 323 था। जहाँगीरपुरी में यह 248 रहा। इसी तरह, बुराड़ी में एक्यूआई 218, पंजाबी बाग में 212, सत्यवती कॉलेज में 213, सोनिया विहार में 198, मुंडका में 197, आरके पुरम में 195, नरेला में 194, आईटीओ में 192 और अलीपुर में 187 रहा।

इस बीच,भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान गिरकर 18.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो मौसम के सामान्य से 1.2 डिग्री कम था। इस बीच, अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि सापेक्ष आर्द्रता 74 प्रतिशत दर्ज की गई।

वहीं दिल्ली के पड़ोसी जिले गाजियाबाद के लोनी में एक्यूआई 293 रहा। वहीं, संजय नगर में यह 284, इंदिरापुरम में 226 और वसुंधरा में 219 दर्ज किया गया। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में यह 214 रहा, जबकि नोएडा के सेक्टर 116 में एक्यूआई 213 और सेक्टर 124 में 193 रहा। एक्यूआईसीएन के अनुसार, गुरुग्राम के सेक्टर 51 और ग्वाल पहाड़ी में एक्यूआई क्रमशः 185 और 167 दर्ज किया गया। वहीं सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है।

वहीं दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई के बिगड़ते स्तर को देखकर ग्रैप पर सीएमक्यूएम उप-समिति ने चरण-1 के तहत उल्लिखित 27-सूत्रीय कार्य योजना को सक्रिय करने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बढ़ते कण पदार्थ (पार्टिकुलेट मैटर) से जुड़े बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शरद जोशी ने बताया, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके कारण फसल जलने, वाहनों से निकलने वाले धुएं और आतिशबाजी जैसे स्रोतों से कण प्रदूषकों का स्तर बढ़ गया है। इससे सीओपीडी, अस्थमा जैसी पहले से मौजूद बीमारियों और तपेदिक से पीड़ित लोगों में श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिससे खांसी, बुखार, सांस फूलना और सीने में दर्द जैसे लक्षण बढ़ जाते हैं... यहाँ तक कि जिन लोगों को पहले से श्वसन संबंधी कोई समस्या नहीं है, खासकर बच्चे और बुजुर्ग, कमजोर प्रतिरक्षा के कारण जोखिम में हैं।

डॉ. जोशी ने आगे कहा, दिवाली के दौरान ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल से पारंपरिक आतिशबाज़ी की तुलना में कम प्रदूषक निकलते हैं, लेकिन ये पूरी तरह से हानिरहित नहीं हैं... वाहनों से निकलने वाला धुआँ साल भर प्रदूषण बढ़ाता है, लेकिन अक्टूबर और नवंबर के दौरान यह समस्या और भी बदतर हो जाती है... प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए, कारपूलिंग के ज़रिए वाहनों का इस्तेमाल कम करने, वाहनों के प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने, घर के अंदर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करने, रसोई में उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करने, धूपबत्ती जैसे घर के अंदर प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों से बचने और सांस की समस्याओं वाले लोगों को नियमित दवा लेते रहने और निवारक टीकों पर विचार करने का सुझाव दिया जाता है।

शामली में एक लाख का इनामी बदमाश नफीस एनकाउंटर में ढेर, 34 मामले थे दर्ज

शामली (एजेंसी)। यूपी के शामली में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से 1 लाख रुपये के इनामी नफीस की मौत हो गई। नफीस पर हत्या, लूट और जानलेवा हमलों जैसे 34 से अधिक मामले दर्ज थे। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं नफीस के फरार साथी की तलाश के लिए कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस मुठभेड़ में घायल बदलमाश को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने इसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ कांधला थाना क्षेत्र के भाभीसा गांव के पास हुई। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बदमाश इलाके में घूम रहे हैं। इस पर कांधला पुलिस ने नाकाबंदी की। जैसे ही पुलिस ने बदमाशों को रुकने का इशारा किया, उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और इसी दौरान नफीस गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान 1 लाख के इनामी व हिस्ट्रीशीटर अपराधी नफीस पुत्र मूदा निवासी मोहल्ला खेल थाना कांधला को गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से एक .32 बोर पिस्टल, एक 315 बोर तमंचा, दो खोखा कारतूस, पांच जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की है। बताया जा रहा है कि नफीस के साथ उसका एक साथी भी मौजूद था, जो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। नफीस का आपराधिक नेटवर्क पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में फैला हुआ था। वह कई बार जेल जा चुका था और हाल ही में जमानत पर बाहर आने के बाद फिर से सक्रिय हो गया था। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी। मुठभेड़ के बाद मौके पर पहुंचे एसपी एनपी सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। नफीस पर हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और जानलेवा हमलों जैसे गंभीर अपराधों के कुल 34 मामले दर्ज थे। तीन मामलों में वह लंबे समय से वांछित चल रहा था। उस पर पुलिस ने 1 लाख का इनाम घोषित किया था।

सांसद यूसुफ पठान ने प्राचीन मस्जिद का किया दौरा, बीजेपी ने बताया मंदिर

-बंगाल में इलियास वंश के दूसरे शासक सिकंदर शाह ने बनवाई थी मस्जिद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने बंगाल में एक प्राचीन मस्जिद का दौरा किया, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने एक्स पर पुरातात्विक स्मारक की तस्वीरों के साथ लिखा- मालदा में स्थित अदीना मस्जिद को 14वीं शताब्दी में इलियास शाही वंश के दूसरे शासक सुल्तान सिकंदर शाह ने बनवाया था। इसे 1373-1375 ईस्वी में बनाया था, जो अपने समय में भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी मस्जिद थी। यह क्षेत्र की वास्तुशिल्प कला का प्रदर्शन करती है। टीएमसी सांसद के पोस्ट का जवाब देते हुए बीजेपी की बंगाल यूनिट ने दावा किया और इसे आदिनाथ मंदिर कहा। आधिकारिक एएसआई वेबसाइट के मुताबिक अदिना मस्जिद 1369 ईस्वी से मुस्लिम वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। इसे बंगाल सल्तनत के इलियास वंश के दूसरे शासक सिकंदर शाह की ओर से बनवाया गया था। इसमें उनकी कब्र भी है। यूजर्स ने भी इस मामले पर प्रतिक्रियाएं दी हैं। उन्होंने सांसद को बताया कि जिस स्मारक की वह बात कर रहे हैं, उसे मंदिर पर बनाया गया था। इसके लिए कई ऐतिहासिक घटनाक्रमों का हवाला दिया जा रहा है। एक पुजारी हिरण्मय गोस्वामी ने हिंदू देवी-देवताओं को देखने का दावा किया और कहा था कि मस्जिद एक मंदिर पर बनाई गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक हिरण्मय गोस्वामी और दूसरे पुजारियों ने प्रार्थना सभा भी आयोजित की थी। हालांकि स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और उन्हें रोक दिया। बाद में, पुरातत्व सर्वेक्षण ऑफ इंडिया ने गोस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस घटना के कारण मस्जिद को बंद कर दिया गया।

पीएम मोदी के आरोप पर भड़के प्रमोद तिवारी, कहा- कांग्रेस ने माओवादियों से हमेशा लड़ाई लड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी माओवादी और नक्सली खतरों सहित सभी प्रकार की हिंसा और उग्रवाद के खिलाफ लगातार मजबूती से खड़ी रही है। समिट को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान के प्रति सार्वजनिक रूप से निष्ठा प्रदर्शित करते हुए, माओवादी उग्रवाद को पनाह दी है। उन्होंने कहा, 'जो लोग संविधान की प्रतियों का दिखावा करते हैं, वे माओवादी आतंक को पनाह देते रहते हैं।'

प्रधानमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, तिवारी ने एएनआई को बताया कि कांग्रेस पार्टी हिंसा के सामने पीछे नहीं हटी है। उन्होंने माओवादी हमलों में छत्तीसगढ़ के लगभग पूरे नेतृत्व को खोने की याद दिलाई। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और कई बलिदान दिए। आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की शहादत देखी और अनगिनत कांग्रेस नेताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी। माओवादियों और नक्सलवादियों के कारण हमने छत्तीसगढ़ का लगभग पूरा नेतृत्व खो दिया... हमने उनके सामने आत्मसमर्पण नहीं किया और न ही झुके। हम उनके खिलाफ लड़ते हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते थे कि देश में जो भी हिंसा का इस्तेमाल करेगा, हम हमेशा उसके खिलाफ खड़े रहेंगे।' शुक्रवार को, पिछले 75 घंटों में 303 नक्सलियों के आत्मसमर्पण का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश पूरी तरह से नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और माओवादी आतंकवाद से मुक्त क्षेत्रों में दिवाली का उत्सव वाकई खास होने वाला है।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने नक्सलवाद का इस्तेमाल लापरवाही से किया है, लेकिन वास्तव में, यह माओवादी आतंकवाद है। उन्होंने कहा कि माओवादी आतंकवाद 'हमारे देश के युवाओं के साथ एक बड़ा अन्याय, एक गंभीर पाप' है और वह इस देश के युवाओं को ऐसी स्थिति में नहीं छोड़ सकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें अंदर से गहरी बेचैनी महसूस होती थी, लेकिन वह लंबे समय तक चुप रहे। उन्होंने कहा, 'आज पहली बार मैं अपना दर्द आपके साथ साझा कर रहा हूँ।'

बिहार चुनाव: कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची जारी, राहुल-प्रियंका करेंगे तूफानी दौरे

-प्रथम चरण के लिए 40 स्टार प्रचारक, कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी इसमें शामिल हैं। इनके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी बिहार में प्रचार करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को भी इस चुनाव प्रचार सूची में जगह दी है। इनके अलावा कन्हैया कुमार, अखिलेश प्रसाद सिंह, रंजीता रंजन, राजेश राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, कृष्णा अल्लावरु के भी नाम शामिल हैं। वहीं केसी वेणुगोपाल, सुखविंदर सिंह सुखु, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, दिग्विजय सिंह, अधीर रंजन चौधरी, मीरा कुमार, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, चरणजीत सिंह चन्नी, गौरव गगोई, तारिक अनवर, मोहम्मद जावेद, मनोज राम, अलका लांबा, पवन खेड़ा, इमरान प्रतापगढ़ी, शकील अहमद, जीतू पटवारी, सुखदेव भगत, राजेश कुमार राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, अजय राय, जिग्नेश मेवानी, अनिल जयहिंद, राजेंद्र पाल गौतम, फुरकान अंसारी, उदय भानु चिब, सुबोध कांत सहाय का नाम भी स्टार प्रचारकों में है।

बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना है। 6 नवंबर को पहला चरण जबकि दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। इसमें महागठबंधन के किस पार्टी के कितने उम्मीदार मैदान में उतरेंगे इस पर पिक्चर अभी तक साफ नहीं हो पाई है। कई सीटों पर दोस्ताना संघर्ष है। दरअसल महागठबंध में सीट का पेंच फंसा है। शनिवार को पटना में कांग्रेस की अहम बैठक होना है। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बाद बिहार में कांग्रेस की ताकत बढ़ी है। इसके मद्देनजर पार्टी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन आरजेडी कांग्रेस की मांग पर सहमत नहीं है। वैशाली की दो सीटों पर कांग्रेस और राजद ने अपने उम्मीदवारों को टिकट देकर नामांकन भी करवा दिया है।

अवैध धर्मांतरण मामला : कुलपति पर चल रहे 5 मामले सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किए

लखनऊ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि आपराधिक कानून का उपयोग निर्दोष लोगों को परेशान करने के लिए नहीं किया जा सकता है। अदालत ने उत्तर प्रदेश के सम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में दर्ज की गई पांच एफआईआर को रद्द कर दिया है। बता दें कि कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल और विनोद लाल पर विदेश से अवैध चंदा लेकर भारत में धर्म परिवर्तन का रैकेट चलाने, गरीब और कम आय वाले लोगों को लालच देकर या डरा कर उनका धर्म परिवर्तन करने, मारपीट, गैर इरादतन हत्या, गैंगरेप समेत कई आरोप हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध धर्मांतरण से जुड़े 5 मामलों में उन्हें राहत दी है। लेकिन आईपीसी की धारा 304, 306 और 504 के तहत दर्ज एक केस को जारी रखने के लिए कहा है।

न्यायमूर्ति जे बी पारडीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने साफ किया है कि फिलहाल इस मामले में भी उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। न्यायमूर्ति जेबी पारडीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जांच के दौरान ऐसे कोई ठोस सबूत नहीं मिले जिनसे पता चले कि धर्मांतरण दबाव या प्रलोभन के माध्यम से कराया गया था। अदालत ने विशेष रूप से यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2021 की धारा 4 के अनुसार, शिकायत केवल पीड़ित व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्य की ओर से ही दर्ज की जा सकती है, न कि किसी बाहरी या तीसरे व्यक्ति के जरिए। दरअसल, इनमें से एक एफआईआर विश्व हिंदू परिषद के नेता की शिकायत पर दर्ज की गई थी, जिसमें अप्रैल 2022 में फतेहपुर में हुए कथित सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम का आरोप था। अदालत ने कहा कि अगर बाहरी लोगों को शिकायत दर्ज कराने की छूट दी जाती है तो यह संबंधित व्यक्ति के अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप होगा। सुप्रीम कोर्ट ने आगे स्पष्ट किया कि धार्मिक स्वतंत्रता संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार है और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे ऐसे मामलों में शिकायतों की निष्पक्ष और संवैधानिक रूप से जांच करें, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मामलों में न फँसाया जाए।

टूटेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड: 26 लाख दीपक से सजेगी अयोध्या और 2100 लोग करेंगे महाआरती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में दीपोत्सव की भव्य तैयारियां जोरों पर हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम लगभग 150 सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंच चुकी है और इस बार इतिहास दोहराने से आगे बढ़कर, नया इतिहास रचने का लक्ष्य है। इस बार अयोध्या में एक साथ तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जाएंगे। 26 लाख,11 हजार 101 दीपक जलाकर कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी में अवध विश्वविद्यालय के 35,000 वालंटियर जुटे हैं। वहीं, 2,100 लोगों द्वारा सामूहिक आरती का रिकॉर्ड भी बनाने की योजना है, जिसके लिए गिनीज बुक की टीम मौजूद है। अब सवाल उठता है कि गिनीज टीम एक-एक दीपक की गिनती कैसे करती है और क्या इसमें तकनीक का इस्तेमाल होता है।

गिनीज टीम के एडवाइजर निश्चल बारूल के मुताबिक, इस बार काउंटिंग के लिए तीन अलग-अलग पद्धतियों का इस्तेमाल किया जाएगा। हाई-टेक सॉफ्टवेयर, ड्रोन और डिजिटल अकाउंटिंग के ज़रिए दीपों की गिनती की जाएगी, ताकि हर एक दीये का सटीक आंकड़ा सामने आ सके गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के सदस्य निश्चल ने बताया कि पिछले वर्ष लगभग 25 लाख 12000 दीपक जलाए गए थे इस वर्ष लक्ष्य 26,11,101 दीपक जलने का है और राम की पैड़ी के तटों पर 29 लाख दीपक बिछाए जाएंगे।

2100 लोग करेंगे सरयू की महाआरती

इस भव्य आयोजन के लिए 190 लोगों की टीम दिन-रात काम में जुटी है और सिर्फ दीप ही नहीं, बल्कि सरयू की महाआरती भी इस साल इतिहास रचने वाली है। 2100 लोग एक साथ सरयू की महाआरती करेंगे और इसका भी रिकॉर्ड दर्ज कराने की तैयारी हो रही है। ड्राई रन के लिए विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जो हर मूवमेंट और संख्या पर पैनी नजर रखेगा। गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के सदस्य निश्चल ने बताया कि हम तीन तरह की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं- ड्राई रन, ड्रोन, और डिजिटल अकाउंटिंग, ताकि रिकॉर्ड एकदम पारदर्शी और प्रमाणिक हो।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करने का किया आग्रह

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नरक चतुर्दशी एवं छोटी दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सालों बाद दिल्ली में दिवाली का उत्सव फिर से अपने पूरे रंग और रोशनी के साथ मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह शुभ पर्व हमारे जीवन से अज्ञान, नकारात्मकता और अहंकार रूपी अंधकार को दूर कर सत्य, सद्भाव और प्रकाश की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपों की यह पावन ज्योति सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और अपार खुशियां लेकर आए। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि वे हम सबके जीवन में शांति, समृद्धि और मंगल का प्रकाश सदा बनाए रखें।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने नरक चतुर्दशी व छोटी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जैसे नरकासुर का विनाश किया, वैसे ही आपके जीवन से सभी दुःखों का नाश हो। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए समस्त देशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बढ़े, जीवन का हर क्षण आनंदमय हो, यही कामना है।

शिक्षा मंत्री ने कि इस दिवाली स्वदेशी की भावना को सशक्त बनाकर प्रकाश के इस उत्सव का जश्न मनाएं।

उन्होंने कहा कि हर बार जब हम स्थानीय रूप से निर्मित उत्पाद चुनते हैं, तो हम भारत के कारीगरों, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को मजबूत करते हैं - जो हमारी अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ हैं। आशीष सूद ने कहा कि आइए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने और उन्हें उपहार में देने में गर्व महसूस करें, और यह सुनिश्चित करें कि समृद्धि का प्रकाश हमारे देश के हर घर तक पहुंचे।

पहले से अधिक भव्य, सुरक्षित होगा छठ पर्व : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कश्मीरी गेट स्थित यमुना नदी के वासुदेव घाट पहुंचकर छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थल पर चल रहे सफाई, समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार छठ पर्व को पहले से कहीं अधिक भव्य, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ इस निरीक्षण में दिल्ली सरकार के विकास व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यमुना का जल पहले से अधिक स्वच्छ और निर्मल हो गया है। इसमें झाग या अन्य प्रकार के प्रदूषण की कोई समस्या नहीं है। यमुना के विभिन्न घाटों की सफाई और समतलीकरण के लिए जेसीबी मशीनों द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, भाजपा विधायक और अधिकारी स्वयं मैदान में उतरकर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। सरकार पल्ला से कालिंदी कुंज तक सभी घाटों पर सफाई, समतलीकरण और स्वच्छता के कार्य युद्धस्तर पर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार कांवड़ यात्रा, रामलीला, दुर्गा पूजा और दीवाली जैसे आयोजन भव्य रूप से हुए हैं। इसी तरह इस बार छठ पर्व पर भी दिल्लीवासी 'बदली हुई दिल्ली का अनुभव करेंगे।

राजधानी दिल्ली की हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 273 तक पहुंचा, कई इलाकों में अत्यधिक खराब स्थिति

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह 7 बजे तक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 273 अंक दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों जैसे इंडिया गेट, कर्तव्य पथ, लाल किला और कनॉट प्लेस में भी हवा की गुणवत्ता चिंताजनक स्तर पर है। राजधानी दिल्ली के 9 इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी की ओर इशारा करता है।

इनमें बवाना (303), वजीरपुर (361), विवेक विहार (358), अशोक विहार (304), जहांगीरपुरी (314), नेहरू नगर (310), द्वारका (327), सीरी फोर्ट (317) और आरके पुरम (322) शामिल हैं। दिल्ली के अधिकांश अन्य इलाकों में एक्यूआई 200 से 300 के बीच रहा, जो 'खराब' श्रेणी में आता है।

दिल्ली-एनसीआर के अन्य शहरों में भी स्थिति बेहतर नहीं है। फरीदाबाद में एक्यूआई 158, गाजियाबाद में 173, ग्रेटर नोएडा में 172, गुरुग्राम में 187 और नोएडा में 158 अंक दर्ज किया गया।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। 0-50 एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 तक एक्यूआई संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम प्रदूषण, 201 से 300 तक खराब, 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 तक एक्यूआई को गंभीर माना जाता है। फिलहाल, प्रदूषण के इस बढ़ते स्तर के पीछे वाहनों का धुआं, निर्माण कार्य, पराली जलाना और मौसमी बदलाव जैसे कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं।

कपिल मिश्रा ने श्रमिक परिवारों के साथ मिलकर मनाई दिवाली, मिठाइयां और पटाखे बांटे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने राष्ट्रीय राजधानी के श्रमिकों और उनके परिजनों के साथ खास अंदाज में त्योहार मनाया। श्रम मंत्रालय और निर्माण श्रमिक बोर्ड की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मजदूर परिवार शामिल हुए। मंत्री ने सभी को मिठाइयां, कंबल और बच्चों को पटाखे भेंट किए। कपिल मिश्रा ने कहा, 'दिवाली खुशियों का त्योहार है। इसे सभी को एक साथ मनाना चाहिए। हमारे श्रमिक भाई-बहन शहर के विकास में सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसलिए हमने तय किया कि इस बार दिवाली उनके साथ मनाई जाए।' उन्होंने बताया कि बहुत से श्रमिक अपने गांव लौट चुके हैं, लेकिन जो दिल्ली में हैं, उनके साथ दिवाली का उत्सव मनाने से बड़ा सुख कोई नहीं हो सकता।

कपिल मिश्रा ने कहा कि इस बार सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद दिल्लीवासी पटाखों के साथ दिवाली मना पाएंगे। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में दिल्ली में त्योहारों पर कई तरह के प्रतिबंध लग गए थे, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हो रही थीं।

उन्होंने कहा, 'पहले दीपावली पर पटाखों पर रोक थी और छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में पूजा करने की भी मनाही थी। पिछली सरकारों का रवैया आस्था और त्योहारों के खिलाफ रहा है। कुछ लोग सिर्फ त्योहारों पर ही पाबंदी लगाने में विश्वास रखते हैं, जबकि त्योहार समाज को जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार रात दिल्ली सरकार ने इंडिया गेट पर लाखों दीये जलाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। इस मौके पर लेजर शो के माध्यम से प्रभु श्रीराम की लीलाओं का सुंदर चित्रण किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। कपिल मिश्रा ने कहा कि यह दिवाली सिर्फ प्रकाश का नहीं, बल्कि आस्था और एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रमिकों के साथ दीप जलाकर समाज को संदेश दिया कि विकास और खुशी में हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। कपिल मिश्रा ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'दिवाली का उत्सव दिल्ली के श्रमिक बहनों और भाइयों के साथ। दिल्ली सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा पहली बार एक अनूठा दीवाली मिलन आयोजित किया गया।'

विहिप ने दिल्ली का नाम बदलकर 'इंद्रप्रस्थ' करने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मांग की है कि राष्ट्रीय राजधानी को उसके प्राचीन इतिहास और संस्कृति से जोड़ने के लिए दिल्ली का नाम बदलकर 'इंद्रप्रस्थ' कर दिया जाए।

दिल्ली सरकार के संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा को रविवार को लिखे एक पत्र में विहिप की दिल्ली इकाई ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा करने की भी मांग की है।

इसके अलावा विहिप ने दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ रेलवे स्टेशन और शाहजहानाबाद विकास बोर्ड का नाम इंद्रप्रस्थ विकास बोर्ड करने की भी मांग की है।

विहिप के दिल्ली प्रांत के सचिव सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने पत्र में कहा, 'दिल्ली का नाम बदलकर पुनः इंद्रप्रस्थ कर दिया जाना चाहिए ताकि राजधानी का नाम उसके प्राचीन इतिहास और संस्कृति से जुड़ सके।'

उन्होंने कहा, 'नाम सिर्फ. बदलाव नहीं होते; वे एक राष्ट्र की चेतना का प्रतिबिंब होते हैं। जब हम दिल्ली कहते हैं, तो हम केवल 2,000 वर्षों की अवधि देखते हैं। लेकिन जब हम इंद्रप्रस्थ कहते हैं, तो हम 5,000 वर्षों के गौरवशाली इतिहास से जुड़ते हैं।'

विहिप के पदाधिकारी ने मांग की कि दिल्ली के हेरिटेज वॉक में किले, मंदिर और हिंदू राजाओं के स्मारक शामिल होने चाहिए ताकि शहर के समग्र इतिहास की 'संतुलित प्रस्तुति' सुनिश्चित हो सके।

गुप्ता ने कहा, 'जहां कहीं भी मुस्लिम आक्रमणकारियों के स्मारक हैं, वहां पांडव काल के हिंदू वीरों, ऋषियों और स्थलों को भी शामिल किया जाना चाहिए और उनके निकट स्मारक बनाए जाने चाहिए।'

उन्होंने कहा कि दिल्ली में राजा हेमचंद्र विक्रमादित्य के नाम पर एक भव्य स्मारक और राजा हेमचंद्र विक्रमादित्य सैन्य स्कूल की स्थापना की जानी चाहिए।

गुप्ता ने कहा कि हेमचंद्र विक्रमादित्य और पांडव काल के इंद्रप्रस्थ के इतिहास को दिल्ली के शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

पत्नी को साझा घर में रहने का अधिकार है, भले ही सास-ससुर ने पति को त्याग दिया हो : अदालत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक मामले में कहा है कि विवाह के बाद घर में रहने वाली पत्नी परिवार की सदस्य होती है और पति को बाद में उसके माता-पिता द्वारा त्याग दिए जाने के बावजूद भी वह उस घर में रहने की हकदार है।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने महिला की सास और दिवंगत ससुर की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। 16 अक्टूबर को पारित आदेश में, न्यायाधीश ने कहा कि उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना बहू को बेदखल नहीं किया जा सकता।

अधिवक्ता संवेदना वर्मा ने बहू का अदालत में पक्ष रखा जबकि सास-ससुर का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता काजल चंद्रा ने किया।

याचिका के अनुसार, एक दशक से अधिक समय से चल रहा यह विवाद 2010 में याचिकाकर्ता के बेटे से बहू की शादी और उसके बाद उसके ससुराल वालों के साथ आवास में रहने के बाद उत्पन्न हुआ।

महिला के 2011 में वैवाहिक संबंध खराब हो गए थे, जिसके कारण दोनों पक्षों के बीच कई दीवानी और आपराधिक मुकदमें चले।

याचिकाकताओं ने दलील दी कि यह संपत्ति स्वर्गीय दलजीत सिंह की स्व-अर्जित संपत्ति थी, इसलिए इसे घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम के तहत साझा घर नहीं माना जा सकता।

पूर्व सहजीवन साथी ने गर्भवती महिला की चाकू घोंपकर हत्या की; पति ने हमलावर को मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नबी करीम इलाके में एक गर्भवती महिला की उसके पूर्व सहजीवन साथी (लिवइन पार्टनर) ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी, जिसके बाद उसके पति ने हमलावर को पकड़ लिया और उसे मार डाला। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान आकाश की पत्नी शालिनी (22) और आशु उर्फ शैलेंद्र (34) के रूप में हुई है। शालिनी दो बच्चों की मां थी। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने एक बयान में कहा कि अपनी पत्नी को बचाते हुए 23 वर्षीय आकाश घायल हो गया। उन्होंने बताया कि आकाश पर चाकू से कई बार किए गए और उसका यहां एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'यह घटना शनिवार रात करीब सवा 10 बजे हुई जब आकाश और शालिनी कुतुब रोड पर उसकी (शालिनी की) मां शीला से मिलने जा रहे थे। आशु अचानक वहां पहुंचा और उसने आकाश पर चाकू से हमला कर दिया।'

पुलिस ने बताया कि आकाश पहले वार से बच गया लेकिन आशु ने ई-रिक्शा में बैठी शालिनी की ओर मुड़कर उस पर कई बार चाकू से वार किए। डीसीपी ने कहा, 'आकाश उसे बचाने दौड़ा लेकिन उसने उसे भी चाकू मार दिया गया। वह हालांकि, आशु पर काबू पाने में कामयाब रहा और उसका चाकू छीन लिया। इस बीच हाथापाई के दौरान आकाश ने उसे (आशु को) चाकू मार दिया।' पुलिस ने बताया कि शालिनी का भाई रोहित और कुछ स्थानीय निवासी तीनों को अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने शालिनी और आशु को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा, 'जांच के दौरान पता चला कि शालिनी अपनी मौत के समय गर्भवती थी।'

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना कुतुब रोड के पास एक व्यस्त इलाके में सरेआम हुई जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

शालिनी की मां के अनुसार कुछ साल पहले दंपति के बीच तनाव था और इस दौरान शालिनी आशु के साथ रहने लगी थी। डीसीपी ने बताया कि बाद में उसकी आकाश के साथ सुलह हो गई और वह अपने दोनों बच्चों सहित आकाश के साथ रहने लगी। पुलिस ने बताया कि इससे आशु क्रोधित हो गया और उसने शालिनी के अजन्मे बच्चे का पिता होने का भी दावा किया। उन्होंने कहा, 'आशु का नाम नबी करीम थाने में अपराधी के रूप में दर्ज था और उसका पिछला आपराधिक रिकॉर्ड था।'

अगर यमुना सच में साफ है तो एक लीटर पानी पीकर दिखाइए : आप

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय नेता परवेश वर्मा को खुला चुनौती देते हुए कहा है कि यदि यमुना वास्तव में स्वच्छ हो गई है तो वे दोनों साथ मिलकर यमुना का एक लीटर पानी पीकर दिखाएँ। भारद्वाज ने यह प्रतिक्रिया तब दी जब मुख्यमंत्री ने छठ पर्व से पहले कालिंदी कुंज घाट का दौरा कर यमुना की साफ-सफाई का दावा किया।

भारद्वाज ने अपने बयान में यह भी कहा कि नदी के ऊपर दिखने वाले झाग को हटाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे रासायनिक छिड़काव से झाग कम दिख सकता है, परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि प्रदूषण समाप्त हो गया है। उन्होंने सवाल उठाए कि क्या दिल्ली सरकार ने हरियाणा या अन्य स्रोतों से आ रहे नालों को बंद किया है, या क्या किसी बड़े समझौते के कारण नदी के वास्तविक प्रदूषण में कमी आई है – उनका तर्क था कि ऐसा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कालिंदी कुंज घाट पर निरीक्षण के दौरान छठ व्रतियों के लिए यमुना को झागमुक्त और सुरक्षित बताने का आश्वासन दिया था और प्रशासन द्वारा घाटों की सफाई व सुरक्षा की तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया था। सरकार ने कहा कि नालों और सीवेज प्रबंधन में सुधार तथा तलछट हटाने जैसे उपाय किए गए हैं, जिनके कारण नदी की स्थिति में सुधार दिख रहा है।

विपक्ष ने, विशेषकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने, सरकार पर यह आरोप लगाया है कि प्रशासन झाग को हटाने के लिए ह्यएंटी-फोमह्न या डिफोमर नामक रासायनिक का प्रयोग कर रहा है – जबकि विशेषज्ञ और विपक्षी दल कहते हैं कि ऐसे रसायन केवल झाग को तोड़ते हैं या बनने से रोकते हैं; वे नदी के वास्तविक रासायनिक प्रदूषण और सीवेज प्रवाह को समाप्त नहीं करते। सोशल मीडिया और समाचार एजेंसियों पर साझा वीडियो में कुछ स्थानों पर झाग दिखने तथा कुछ स्थानों पर छिड़काव होते संदेश भी प्रसारित हुए हैं, जिससे विवाद और गहरा गया है।

आप के नेता भारद्वाज ने यह भी आरोप लगाया कि वही प्रकार का रासायनिक छिड़काव जिसे पहले लागू किया जाता था, वर्तमान सरकार भी कर रही है – और पहले परवेश वर्मा ने इन्हीं रसायनों को नुकसानदायक बताया था; अब स्थिति में आए इस विपर्यास पर उन्होंने तंज भी कसा। भारद्वाज ने मीडिया से कहा कि यदि मुख्यमंत्री और परवेश वर्मा सार्वजनिक रूप से यमुना का एक लीटर पानी पीकर दिखाएँ तो वह स्वीकार कर लेंगें कि नदी सचमुच साफ हो गई है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि नदी के स्वास्थ्य का निर्णय केवल झाग की अनुपस्थिति से नहीं किया जा सकता; जल की रासायनिक और जैविक गुणवत्ता, नाइट्रोजन-फॉस्फोरस का स्तर, सीओडी/बीओडी मान तथा जल में घुले हुए विषैले घटक ही असली संकेतक हैं। यदि केवल झाग को तोड़ने वाले रसायन प्रयोग कर दिए जाएँ तो तात्कालिक दृश्य प्रभाव तो मिल सकता है, पर नदी के सम्पूर्ण पुनरुद्धार के लिए नालों का रुकना, सीवेज ट्रीटमेंट का सुदृढ़ीकरण और लम्बी अवधि के निगरानी उपाय आवश्यक हैं – यह बात कई प्रकाशित रिपोर्टों में भी बताई जा रही है। राजनीतिक मोर्चे पर यह मुद्दा नगर निगम, राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच आगामी सार्वजनिक बहस का विषय बनता दिख रहा है। छठ पर्व से ठीक पहले यह विवाद नगरवासी और श्रद्धालुओं के बीच भी चिंता का कारण बन गया है कि पर्व की पवित्रता और सुरक्षा किस हद तक सुनिश्चित होगी।

एक नजर

प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली में प्रतिबंधित पटाखों की खुली बिक्री का आरोप लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि रेखा गुप्ता सरकार हरित पटाखों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में विफल रही है, जिसकी आड़ में राजधानी के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित पटाखों की खुलेआम बिक्री हो रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के बावजूद सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे दीपावली के बाद दिल्लीवासियों को गंभीर वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ सकता है। देवेंद्र यादव ने कहा कि ग्रीन पटाखों की अनुमति मिलने के बाद दीपावली के दौरान पटाखों के उपयोग में लगभग 40 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है। इसके चलते न केवल प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा, बल्कि एनसीआर के शहरों गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और फरीदाबाद से प्रतिबंधित पटाखों की अवैध आपूर्ति भी दिल्ली में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस पर निगरानी के लिए सरकार के पास कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूवार्नुमान के अनुसार, अधिक पटाखे जलाए जाने की स्थिति में 21 अक्टूबर को वायु गुणवत्ता ह्यगंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। यादव ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण में असफलता के लिए दिल्ली सरकार पूर्णतः जिम्मेदार है।

दिल्ली की अदालत ने पॉक्सो मामले में जमानत याचिका को 'बहुत लंबी' बताकर खारिज किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) मामले में एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि लगभग 500 पृष्ठों का आवेदन पत्र 'बहुत लंबा और विस्तृत' है और इसे पढ़ने में 'न्यायपालिका के कीमती समय की बबार्दी होगी।' विशेष न्यायाधीश राकेश कुमार ने एक ऐसे अभियुक्त की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की जिसके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने 17 अक्टूबर के आदेश में कहा कि अभियुक्त के वकील ने अनुलग्नकों समेत लगभग 500 पृष्ठों की एक 'बहुत लंबी' जमानत याचिका तैयार की थी और न्यायाधीश 'पुराने मामलों के निपटारे के बोझ तले दबे हुए हैं।' अदालत ने कहा, 'यह याचिका बहुत लंबी और विस्तृत होने के कारण खारिज की जाती है और (क्योंकि) इस पर विचार करने में न्यायिक समय की बबार्दी होगी।' अदालत ने अभियुक्त के वकील को याचिका संक्षिप्त करने की सलाह देते हुए कहा कि वह एक नई याचिका दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं।

महिला व उसके कथित प्रेमी की चाकू गोदकर हत्या, पति घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले के नबी करीम इलाके में शनिवार देर रात प्रेम प्रसंग के विवाद में एक महिला और उसके कथित प्रेमी की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले में हत्या व हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान अमरपुरी, नबी करीम निवासी आशू उर्फ शैलेन्द्र (34) और प्रताप नगर निवासी शालिनी (22) के रूप में हुई है। शालिनी का घायल पति आकाश (23) अस्पताल में भर्ती है। शालिनी गर्भवती थी, घटना में गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात करीब 10:15 बजे, आकाश अपनी पत्नी शालिनी के साथ शालिनी की मां शीला से मिलने कुतुब रोड, नबी करीम पहुंचा था। उसी दौरान आशू वहां आया और आकाश पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। आकाश किसी तरह बच गया लेकिन आशू ने ई-रिक्शा में बैठी शालिनी पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। पत्नी पर हमला देख आकाश उसे बचाने दौड़ा तो आशू ने उस पर भी चाकू से वार किया। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान आकाश ने आशू को काबू में कर लिया और उसी चाकू से उस पर पलटवार कर दिया। घायल अवस्था में तीनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने शालिनी और आशू को मृत घोषित कर दिया। आकाश का इलाज जारी है। शालिनी की मां शीला के मुताबिक, शालिनी और आकाश की शादी हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। शालिनी गर्भवती थी। कुछ समय पहले शालिनी का संबंध आशू से था और वह उससे लिव-इन में भी रही थी। बाद में उसने आशू को छोड़कर दोबारा पति आकाश के साथ रहना शुरू किया था जिससे आशू नाराज था। आशू खुद को शालिनी के गर्भ का पिता बताता था, जिससे दोनों पुरुषों के बीच तनाव चल रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आशू थाना नबी करीम का घोषित बदमाश (बीसी) था। जबकि आकाश के खिलाफ भी तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली दंगा मामला: जांच आदेश की अवहेलना पर पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने साल 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़ी तीन शिकायतों में आगे की जांच के आदेश का पालन न करने पर दिल्ली पुलिस आयुक्त से व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मामला दयालपुर थाना क्षेत्र का है। जहां फरवरी 2020 में हुई हिंसा से जुड़ी एक प्राथमिकी में अदालत ने 21 जनवरी 2025 को आगे की जांच का आदेश दिया था। अदालत ने अब पाया कि पुलिस ने उस आदेश का अनुपालन किए बिना तीसरा पूरक आरोपपत्र दाखिल कर दिया है, जिसमें पहले की कुछ शिकायतों को हटाने की बात कही गई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पहले से अस्पष्ट तथ्यों वाला यह मामला अब इस पूरक आरोपपत्र के कारण और अधिक उलझ गया है। पुलिस ने 21 जनवरी 2025 के आदेश का पालन करने की कोई कोशिश नहीं की। अदालत ने कहा कि इस तरह की लापरवाही अस्वीकार्य है। अदालत ने आदेश में कहा कि ऐसे हालात में यह मामला दिल्ली पुलिस आयुक्त के संज्ञान में लाने को वह विवश हैं। यह आदेश आयुक्त के समक्ष रखा जाए ताकि आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके और पूर्व आदेश का पालन सुनिश्चित हो। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली पुलिस आयुक्त या क्षेत्र के विशेष आयुक्त के हस्ताक्षरित अनुपालन रिपोर्ट अगली सुनवाई से पहले अदालत में दाखिल की जाए। इस मामले की अगली सुनवाई 14 नवंबर को तय की गई है।

ठगी के मामले में तीन आरोपित लखनऊ से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले की साइबर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए लखनऊ से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपित खुद को सोशल मीडिया 'इंफ्लुएंसर' बताता है। जिसके करीब एक लाख इंस्टाग्राम फॉलोअर्स हैं। यह आरोपित अपने बैंक खातों को साइबर अपराधियों को बेचकर सोशल मीडिया करियर के लिए पैसा जुटा रहा था। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त निधिन वलसन ने रविवार को बताया कि साइबर पुलिस ने यह कार्रवाई दो अलग-अलग मामलों में की है। गिरोह ऑनलाइन 'वर्क फ्रॉम होम' ऑफर, फर्जी मार्केटप्लेस और म्यूल बैंक खाते के जरिये देशभर में लोगों को ठगता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पहले मामले में पीड़िता स्मिता वर्मा को होटल रेटिंग का झांसा देकर 31,800 की ठगी की गई। इस मामले में आरोपित आलोक कुमार (32) और आदित्य शुक्ला (22) को गिरफ्तार किया। दोनों लखनऊ (उप्र) के रहने वाले हैं। आलोक ने दो और आदित्य ने छह बैंक खाते खोलकर ठगों को कमीशन पर बेचे थे।

बाल विकास परियोजना कार्यालय पर खामियों की जांच को पहुंचे डीपीओ

राजू

उत्तर प्रदेश: मीरगंज बाल विकास परियोजना कार्यालय में धांधली और खामियों के उजागर होने के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार जांच करने हेतु पहुंचे। और खामियां मिलने के बाद सीडीपीओ और गैर हाजिर दिनों में हस्ताक्षर करने वाली सुपरवाइजर को कड़ी फटकार लगाई और सुपरबाईजर से स्पष्टीकरण भी मांग लिया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार बाल विकास परियोजना कार्यालय पर पहुंचे। तो उन्हें कार्यालय में वर्ष भर से समूह की महिलाओं को कार्यालय से ड्राइ फूड वितरण कर रही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां नजर आई, जिस पर डीपीओ भड़क गये और उन्होंने सुपरवाइजरों व सीडीपीओ को कड़ी लताड़ लगाई और कहा कि अब कार्यालय पर सुपरवाइजर ही ड्राइ फूड का वितरण करेंगी, और आगे आंगनबाड़ी यहां पर वितरण करती हुई दिखाई न दें।

इसके बाद डीपीओ ने ड्राईफूड रखे गोदाम को चैक किया तो कई दाल के पैकेट फटे हुए एवं जमीन पर पैकेट की दाल बिखरी हुई पाई गई। इस दौरान उन्होंने फटे हुए पैकेट सुरक्षित रखने एवं सीलन आदि से बचाकर रखने हेतु निर्देशित किया।

रजिस्टर पर गैर हाजिर दिनों के कालम में हस्ताक्षर करने की आरोपी सुपरवाईजर की लगी फटकार, स्पष्टीकरण मांगा

विगत दिनों नई नियुक्ति हासिल करने वाली एक महिला सुपरवाईजर द्वारा गैर हाजिर रहने वाले दिनों में अगले दिन हस्ताक्षकर कर हाजिरी दर्ज किए जाने के मामला सामने आया। डीपीओ ने सुपरवाइजर को तलब कर नाराजगी व्यक्त करते हुए फटकार लगाई और उससे असंवैधानिक कार्य करने के संदर्भ में स्पष्टीकरण मांग लिया। और भविष्य में सुधर जाने की चेतावनी भी दी।

आंगनबाड़ी के विरूद्ध कार्यवाई होना सुनिश्चित, बीडीओ की जांच में पाये गये थे फफूंदीनाशक दाल के पैकेट

मीरगंज विकास क्षेत्र मीरगंज के गांव ठिरिया कल्यानपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा फफूंदीनाशक दाल के वितरण का मामला अभी कुछ दिनों पहले सामने आया था। इस मामले में खंड विकास अधिकारी आनन्द विजय यादव के निरीक्षण में भी आधा किलोग्राम के 33 पैकेट दाल के फफूंदी युक्त मिले। बीडीओ के मुताबिक दर्जन भरी पैकेट जांच हेतु कार्यालय पर मंगबा लिए गये। जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार का इस संदर्भ में कहना रहा कि प्रथम दृष्टया आंगनबाड़ी कार्यकत्री के खिलाफ कार्रवाई होना तय है।

अब कार्यालय पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री नहीं, बल्कि सुपरवाइजर ही करेंगी ड्राइ फूड का वितरण

जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि बाल विकास परियोजना कार्यालय पर अब सीडीपीओ के अलावा तीन महिला सुपरवाइजर तैनात हो गई हैं और अब कार्यालय से आंगनबाड़ी कार्यकत्री नहीं बल्कि सुपरबाइजर ही सीडीपीओ के निर्देशन में समूहों को ड्राइफूड का वितरण करेंगीं। और यदि आंगनबाड़ी कार्यकत्री कार्यालय पर वितरण करती पाई गयी तो कड़ी कार्यवाही की जायेगी। वहीं सीडीपीओ को निर्देशित किया गया है कि नियमानुसार ही ड्राईफूड का वितरण करायें और क्षेत्र में जाकर केंद्र चेक करें एवं पूरी डिटेल उपलब्ध कराकर अवगत करायें। ठिरिया कल्यापुर की आंगनबाड़ी कार्यकत्री के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित है। और सुपरबाइजर से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ में घायल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: पुलिस अधीक्षक जनपद संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अजय कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली खलीलाबाद पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा कार्यवाही करते हुए आज दिनाँक 19.10.2025 को दुष्कर्म की घटना से सम्बन्धित अभियुक्त बदरे आलम पुत्र मो0 अकरम खां निवासी मड़या थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को आयुष्मान आरोग्य केंद्र, रौरापार से समय रात्रि 03:00 बजे गिरफ्तार किया गया। उक्त घटना से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली खलीलाबाद लाते समय उसका खुर्द नहर की पुलिया के पास पहुंचने पर अभियुक्त द्वारा पेशाब करने की इच्छा जाहिर की गई जिसके उपरांत अभियुक्त द्वारा जेल जाने के डर से भागने की कोशिश की गई, गिरफ्तारी टीम द्वारा घेर कर लगातार सरेंडर करने को कहा गया जिसके उपरांत गिरफ्तारी टीम द्वारा फायर किया गया जिससे अभियुक्त के दाहिने पैर मे गोली लगी। विदित हो कि आज दिनॉक 18/19.10.2025 को उक्त घटना से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त बदरे आलम पुत्र मो0 अकरम खां निवासी मड़या थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को आयुष्मान आरोग्य केंद्र, रौरापार से गिरफ्तार किया गया, उस्का खुर्द नहर की पुलिया के पास पहुंचने पर अभियुक्त द्वारा पेशाब करने की इच्छा जाहिर की गई जिसके उपरांत अभियुक्त द्वारा जेल जाने के डर से भागने की कोशिश की गई, गिरफ्तारी टीम द्वारा रूकने के लिए, कहा गया फिर भी अभियुक्त भागने लगा पुनः पुलिस टीम द्वारा रूकने अपनी गिरफ्तारी देने हेतु सरेंडर करने को कहा गया,लेकिन अभियुक्त अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की फिराक में था, जिसके उपरांत गिरफ्तारी टीम द्वारा सरेंडर करने की हिदायत देने पर जब अभियुक्त नहीं रूका तो फायर किया गया जिससे अभियुक्त के दाहिने पैर मे गोली लगी।

भरतपुर में ग्रीन पटाखों की बिक्री पर प्रशासन ने दिए स्पष्ट निर्देश

रणधीर सिंह

राजस्थान: भरतपुर शहर एवं जिले में दीपावली के पर्व को लेकर जिला प्रशासन भरतपुर ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर निर्धारित अस्थाई लाइसेंस के तहत केवल ग्रीन आतिशबाजी सामग्री की ही बिक्री की अनुमति दी गई है।

जिला कलेक्टर कमर चौधरी के आदेशानुसार 18 से 20 अक्टूबर तक ग्रीन पटाखों की बिक्री के लाइसेंस के लिए नगर निगम आयुक्त या संबंधित नगरपालिका अधिकारी से आवेदन पत्र प्राप्त कर 18 अक्टूबर दोपहर 1 बजे तक जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ आधार कार्ड, राशन कार्ड, पुलिस सत्यापन, फोटो, शपथ पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। चिन्हित स्थानों पर पटाखा दुकान लगाने के लिए भूखंडों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस या चिन्हित स्थानों के अलावा अन्यत्र पटाखों की बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। दुकान में केवल ग्रीन पटाखे ही बेचे जा सकेंगे और धूम्रपान पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

अहरौरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 3 शातिर चोर सहित चोरी का सामान बरामद

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेश: अहरौरा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कन्हईपुर निवासी ओम प्रकाश पुत्र राजेन्द्र प्रसाद के निर्माणाधीन मकान का ताला तोड़कर 23 सितंबर को चोरी हो जाने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-220/2025 धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी।

अभियोग की विवेचना में सुरागरसी-पतारसी एवं इलेक्ट्रानिक भौतिक साक्ष्य संकलित करते हुए शुक्रवार को थाना प्रभारी सदानंद सिंह व टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के ही ग्राम घाटमपुर में खेत में बने कमरे से 03 अभियुक्तों 1. लवकुश पटेल पुत्र राजधन पटेल निवासी ग्राम मोहरपुर थाना अहरौरा मीरजापुर, 2. अमरजीत सिंह पुत्र निगम सिंह निवासी ग्राम मोहरपुर थाना अहरौरा मीरजापुर व 3. रिंकू उर्फ पतालू पटेल, पुत्र कमला सिंह को गिरफ्तार किया गया।

एक फेस कॉन्फ्रेंस में एडिशनल एसपी ऑपरेशन नक्सल मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि अभियुक्तों के निशादेही पर चोरी के सामान- ब्लूटूथ (MAK POWER 30 पीस), डाटा केबल-(MAK POWER 65-W TYPE C केबल 57 पीस), 03 सिलिंग फैन (कम्पनी MAKE POWER), 01 सिलाई मशीन-(NOVEL), स्टील का टावल स्टैण्ड 04 पीस, स्टील साबुन स्टैण्ड 04 पीस, स्टील सावर सेट 01 पीस, स्टील तौलिया स्टैण्ड 02 पीस, स्टील टोटी 01 पीस, कार्नर प्लास्टिक स्टैण्ड (03 पीस का सेट), हैण्ड वास बाक्स प्लास्टिक का 02 पीस, 01 इन्वर्टर (LUMINOUS ECO WATT NEO 950), 01 बैटरी (LUMNIOUS 220. AH), 01 सोलर पैनल 295 फिट TOPSUN ENERGY LTD MODEL NO.TEL (1000W) तथा बिक्री के 7100/- रुपए बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पुलिस द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर अभियुक्तों को मा0 न्यायालय/जेल भेजा गया। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि 14 सितम्बर को हमलोगो द्वारा ही घर के सारे सामानों की चोरी की गयी थी। सारा सामान को हम लोग वाराणसी ले जाकर बेचने के फिराक में थे की आप द्वारा हम लोगो को पकड़ लिया गया।

एक नजर

मुख्यमंत्री के प्रयास से नगांव में मुफ्त स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

महफि ल हजारिका/असम: मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा के प्रयास से नगांव में 88 नंबर शामोगुरी में एक बीमार बोतचे को ठीक करने हेतु एम एल ए डिप्लो रंजन शर्मा जी के नेतृत्व में चिकित्सा सेवा करने के लिए,एक विराट सिकित्सा समारोह, मुफ्त इलाज का स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया है, समाज के छोटे बच्चों के बीमारियां परीक्षा करने के बाद उनके सोही इलाज का बन्दुबेस्त किया है, इस आयोजन में आस्पाताल के मेडिकल ऑफिसर, डी सी, एडीसी, पुलिस अधिकारी, भाजपा के सभी नेतृत्व उपस्थित रहे। एम एल ए जी ने कहा है कि, ईलाज के दौरान आगर कोई गोमबीर बीमारियां भी निकले तो सरकार उसको ठीक करने हेतु दूर दूर टॉक ले जाकर ठीक करने का ब्योबेस्ता करने कि बात को है, यहां के ढेर सारी मरीज को लेकर बोतचो की माता पिता उपस्थित हो के आपनी आपनी बीमारी ओ का ईलाज करवाया, सरकार की तरफ से ईलाज बिल्कुल फ्री में होगा, जनता इस आयोजन से पूरी खुश है।

नो पार्किंग रोड़ पर टू व्हीलर खड़े करने से गली का आवागमन हुआ बाधित

मुजफ्फर खान शेख/मध्य प्रदेश: राणापुर शनिवार को मस्जिद प्रांगण नो पार्किंग रोड़ के दोनों किनारे पर लंबी लाइन लगा कर वाहन मालिक अपने टू व्हीलर खड़े कर के घंटों गायब रहे तो कोई सुबह से शाम तक नहीं आया।

जिससे मस्ज़िद आने वाले नमाजियों एवं रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। साप्ताहिक हाट बाजार होने से काफी संख्या में महिलाएं सब्जी लेने के लिए मस्जिद गली से बस स्टैंड पहुँचती है, जिन्हें नो पार्किंग में बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के बीच इधर उधर से टकराते हुवे निकलते देखा गया। नगर परिषद् एवं पुलिस प्रशासन की इस लापरवाही की रहवासियों एवं सदर सलमान निजामी ने घोर निंदा की।

मीरगंज में डॉक्टर बन देश की सेवा करना चाहती हैं एक दिन की थाना प्रभारी

राजू/उत्तर प्रदेश: मीरगंज शासन द्वारा चलाये जा रहें महिला सशक्तिकरण 5.0 के तहत मीरगंज के सन्त मंगलपुरी इंटर कालेज की कक्षा 11 विज्ञान वर्ग की छात्रा मनु गुप्ता को एक दिन का थाना प्रभारी नियुक्त किया गया। इस दौरान एक दिन की थाना प्रभारी मनु गुप्ता ने जन शिकायतों को सुना तथा उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। बता दें कि एक दिन की थाना प्रभारी डॉक्टर बन देश की सेवा करना चाहती हैं।

मूल रूप से मीरगंज की रहने वाली कक्षा 11 की छात्रा मनु गुप्ता के पिता सन्त मंगल पुरी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य तथा उनकी माँ शिक्षित ग्रहणी हैं। तीन भाई बहनों में सबसे बड़ी मनु हमेशा से ही मेधावी रही है। सत्र 2024-25 में मनु गुप्ता ने हाई स्कूल में 90% अंक प्राप्त कर कालेज एवं परिवार का नाम रौशन किया।एक दिन की थाना प्रभारी ने जन शिकायतों को बड़ी ही गंभीरता से सुना एवं उनके शीघ्र निस्तारण हेतु सम्बंधित को दिशा निर्देश दिया। इस दौरान सी ओ अजय कुमार सिंह,थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह,कस्वा इंचार्ज पंकज कुमार आदि उपस्थित रहें।

किसानों का 146 करोड़ बकाया, भाकियू ने चीनी मिल बंद करने की दी चेतावनी

मोहम्मद रेहान

उत्तर प्रदेश: शनिवार 18 अक्तूबर किसानों ने एसडीएम बहेड़ी को ज्ञापन दिया ज्ञापन में कहा गया कि बहेड़ी केसर सुगर मिल पर किसानों का 146 करोड़ रुपए बकाया है। चीनी मिल अधिकारी बार बार किसानों व अधिकारियों को आश्वासन देकर मुकर जाते हैं।

भाकियू के पदाधिकारियों ने चेताते हुए कहा जब तक किसानों का बकाया भुगतान नहीं मिलता है। तब तक मिल को चलाने की परमिशन ना दें अगर भविष्य में बिना भुगतान के चीनी मिल चलाई जाती है। किसान धरना देकर मिल बंद करने को मजबूर होगा भाकियू के अधिकारियों ने कहा स्मार्ट सिटी बरेली में एक गन्ना भवन है। वहाँ पर उप गन्ना आयुक्त सहायक व अन्य अधिकारी ऑफिस में बैठते हैं, जब गन्ना भुगतान बिल की बात आती है तो कहते हैं। भुगतान ज़िलाधिकारी साहब ही करायेंगे किसानों ने कहा फिर इन अधिकारियों का क्या काम है जिन पर सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। बरेली में समिति सचिव से लेकर गन्ने के मंडल स्तर के अधिकारी बैठते हैं। सारे मिलकर भी बहेड़ी स्थित केसर सुगर मिल से किसानों का भुगतान नहीं करा पा रहे हैं साथ ही किसानों ने ग्राम अलीगंज से छितौनियाँ सड़क एवं अलीगंज नदी के पुल के खस्ताहाल होने की शिकायत को भी रखा।

जिसमें प्रदेश मीडिया प्रभारी चौधरी अजीत सिंह उत्तर प्रदेश उत्तराखंड, प्रदेश महासचिव युवा अनुज ठाकुर उत्तर प्रदेश, प्रदेश सचिव दानिश खान उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड, प्रदेश संगठन मंत्री चौधरी सूरज पाल सिंह उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड , जिला उपाध्यक्ष बरेली कुलवीर राठी, जिला उपाध्यक्ष बरेली , तहसील महामंत्री रिजवान,अमर पाल विजय पाल सिंह जितेंद्र सिंह सत्येंद्र कुमार गंगवार दुष्यंत संधू दीपक संधू अंकुश चौधरी आदि मौजूद रहे।

हाइड्रा की चपेट में आकर युवक की मौत, ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेश: थाना अंतर्गत अहरौरा चकिया मार्ग स्थित आनंदीपुर गांव में शनिवार को दिन में 12:00 बजे हाइड्रा की चपेट में आने से 42 वर्षीय। दिनानाथ पुत्र स्वर्गीय रमाशंकर निवासी खाजगीपुर की मौत हो गई। घटना देख मौके से हाइड्रा चालक फरार हो गया। घटना से आक्रोशित परिजनों समेत गांव वासियों ने अहरौरा चकिया मार्ग को घंटों चक्का जाम रखा। भीड़ द्वारा हाइड्रा को भी क्षति पहुंचाई गई। घटना की सूचना मिलते हैं मौके पर अहरौरा पुलिस पहुंची, घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई त्वरित संज्ञान लेते हुए क्षेत्राधिकार नक्सली मुनेंद्र पाल, तहसीलदार अवनेंद्र मौके पर पहुँचे, क्षेत्राधिकारी द्वारा उचित कार्रवाई एवं न्याय दिलाने के आश्वासन पर ग्रामीणों ने रास्ता खोला , लगभग 4 घंटे आवागमन बाधित रहा।पुलिस वैधानिक कार्रवाई करते हुए मृतक के बॉडी को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय मलिकपुरा में 'कर्मभूमि' पत्रिका का विमोचन और राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मलिकपुरा, गाजीपुर में दिनांक 17 एवं 18 अक्टूबर 2025 को एक दिवसीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन प्राधिकृत नियंत्रक डॉ. ज्ञान प्रकाश वर्मा के संरक्षकत्व एवं प्राचार्य प्रो. दिवाकर सिंह के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 17 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे अखण्ड रामचरित मानस पाठ के साथ हुआ जिसकी पूर्णाहुति प्रातः 10.00 बजे सम्पन्न हुई। आज 18 अक्टूबर को महर्षि विश्वामित्र कल्चरल क्लब के तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में स्थित बाबू भगवान सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत सेमिनार हॉल में मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य और विशिष्ट अतिथियों क्रमशः डॉ. मंगला राय, पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद, प्रो. हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, प्रो. राजशरण शाही, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, व श्री पारस नाथ राय प्रबंधक, शबरी महिला महाविद्यालय गाजीपुर एवं डॉ. हरि प्रसाद सिंह, संस्थापक प्रतिनिधि, को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर स्वागत व अभिनंदन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने सभी अतिथियों को भावविभोर कर दिया। इसके बाद डॉ. पूजा साहू ने अतिथियों का स्वागतीय परिचय कराया। श्री वासुदेवन मणि त्रिपाठी ने 'कर्मभूमि पत्रिका' विशेषांक तथा संगोष्ठी के विषय पर बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया। इसके पश्चात 'कर्मभूमि' पत्रिका विमोचन का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रधान संपादक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिवाकर सिंह तथा संपादकीय सहयोगी प्रो. चन्द्र भान सिंह, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. दीपक कुमार यादव, श्री वासुदेवन मणि त्रिपाठी एवं डॉ. शिव प्रताप यादव के सहयोग से पत्रिका का विमोचन किया गया। इस क्रम में विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि श्री पारस नाथ राय ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. हरिकेश सिंह ने शिक्षा संस्थाओं के निर्माण में अभिभावकों की भूमिका पर विचार व्यक्त करते हुए 'कर्मभूमि' पत्रिका के विशेषांक 2024-25 तथा प्राचार्य प्रो. दिवाकर सिंह के कार्यों की सराहना की।

अगली कड़ी में प्रो. राजशरण शाही ने 'शिक्षक, शिक्षा और सम्मान' विषय पर वक्तव्य देते हुए पारंपरिक गुरुकुल पद्धति एवं आधुनिक शिक्षण प्रणाली की तुलना प्रस्तुत की।

मुख्य अतिथि डॉ. मंगला राय ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा – 'जिसने समय की कीमत नहीं की, समय उसकी कीमत नहीं करता। शिक्षा कितनी भी महंगी हो, फिर भी वह सस्ती ही है।' उन्होंने कहा कि आज शिक्षा का निजीकरण बनाम सरकारीकरण उसी प्रकार की बहस है जैसी जैविक बनाम रासायनिक कृषि की।

अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रो. दिवाकर सिंह ने शिक्षा में अभिभावकों के योगदान की महत्ता पर विचार रखते हुए कहा कि ग्रामीण समाज की सक्रिय भागीदारी से ही शिक्षा संस्थान अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने संस्कारयुक्त शिक्षा की बात कही। इसके बाद विगत दिनों में कल्चरल क्लब के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शिव प्रताप यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

दीपावली व आगामी त्योहारों पर शान्ति, सुरक्षा व स्वच्छता के संबंध में हुई बैठक

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थानः नागौर दीपावली एवं सभी आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में शान्ति, कानून व्यवस्था, स्वच्छता एवं यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अरुण कुमार पुरोहित की अध्यक्षता में जिले व उपखंड स्तर के सभी अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने वर्चुअल रूप से भाग लिया। कलेक्टर पुरोहित ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज आदि पर्वों के दौरान नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आतिशबाजी के विक्रय एवं भण्डारण पर पूर्व निर्धारित नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की अवैध आतिशबाजी, पटाखों की बिक्री या परिवहन पर तुरंत नियमों के अंतर्गत कार्रवाई की जाए। उन्होंने समस्त जिला स्तर, उपखण्ड स्तर एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों की अवधि में कोई भी अधिकारी बिना स्वीकृति अवकाश पर न जाए तथा बिना पूर्व अनुमति जिला मुख्यालय या उपखण्ड मुख्यालय नहीं छोड़े। उन्होंने विशेष रूप से पुलिस एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश दिए, ताकि दीपावली के दिन के साथ-साथ उससे पहले और बाद के दिनों में यदि कोई अप्रिय घटना घटित होती है, तो उसके लिए तुरंत कार्रवाई होनी संभव हो सके।

पुरोहितने निर्देश दिए कि सभी ब्लॉक स्तर पर एम्बुलेंस एवं अग्निशमन दल पूर्णतः अलर्ट मोड पर रहें ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत कार्य किया जा सके?।? उन्होंने नगर परिषदों एवं नगरपालिकाओं को निर्देश दिए कि दीपावली के पश्चात सड़कों, बाजारों एवं कॉलोनियों की सफाई सुनिश्चित की जाए तथा कचरा निस्तारण की विशेष व्यवस्था की जाए।

पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह सुनिश्चित करें की दीपावली के दौरान आतिशबाजी करते समय सभी नागरिक सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें तथा सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें। उन्होंने पुलिस दलों को भी सतर्कता एवं गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जुगल किशोर सैनी ने जिले के समस्त चिकित्साकर्मियों को निर्देशित किया कि सभी अस्पतालों में दवाइयों का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित किया जाए तथा पैरामेडिकल स्टाफ, विशेषकर जलने से संबंधित उपचार में प्रशिक्षित कर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य रखी जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी उपखण्ड मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्र में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ समन्वय के साथ कार्य करेंगे ताकि स्थानीय स्तर पर शान्ति, सुरक्षा एवं स्वच्छता की निगरानी और बेहतर तरीके से की जा सके।

बैठक में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट चम्पालाल जिगर, नागौर उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा वी सी के माध्यम से सभी उपखंड अधिकारी तहसीलदार एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी शामिल हुए।

गाजीपुर के खिदिरगंज गांव में हुआ जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह का आगमन

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर के सादात थाना अंतर्गत खिजिरपुर खिदिरगंज गांव में आज जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह का आगमन हुआ, जिससे गांव में उम्मीद और खुशी की लहर देखने को मिली। सपना सिंह का काफिला तय समय से लगभग 1.30 बजे खिदिरगंज गांव पहुंचा। जहां पर सुबह से ही गांव के बड़े बुजुर्ग और बड़ी संख्या में महिलाओं का भी उत्साह देखने को मिला।

गांव के विकास कार्य की चर्चा करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष बल दियों और किसी भी समस्या के लिए तुरन्त संपर्क करने के लिया कहा। किसी भी समस्या का समाधान अगर ग्राम पंचायत के प्रधान नहीं कर पा रहे है तो महिलाओं को तुरंत मिलने का आश्वासन दिया और समस्या के निदान के लिए आश्वस्त किया। नई सड़क और नाली की समस्या जो कि लंबे अरसे से थी, जिला पंचायत द्वारा दुरुस्त होने से ग्रामीण संतुष्ट हैं लेकिन जहां काम बाकी है उसको जल्द कराने की बात कही।

मीरगंज खादर इलाके में गन्ने के खेत में पेड़ से लटका मिला वृद्ध का शव, क्षेत्र में फैली दहशत

राजू

उत्तर प्रदेशः मीरगंज कोतवाली क्षेत्र में खादर इलाके में एक गन्ने के खेत में पेड़ से लटका हुआ एक अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से क्षेत्र में दहशत फैल गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस एवं फारेंसिक टीम ने तहकीकात करते हुए फोटो ग्राफ लिए और शव को शिनाख्त नं होने पर अज्ञात में पीएम हेतु भेज दिया। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। सीओ और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, अज्ञात में शव को पुलिस ने पीएम हेतु भेजा बरेली जनपद के मीरगंज कोतवाली क्षेत्र के खादर इलाके में बसे गांव खमरिया आजामपुर निवासी महावीर सिंह ने सुबह के समय अपने गन्ने के खेत में एक पेड़ से लटका हुआ एक वृद्ध का शव

देखा। जिसे देख वह हैरत में पेड़ गये। महावीर सिंह के मुताबिक उसने तत्काल ग्राम प्रधान को अवगत कराते हुए मीरगंज पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मीरगंज कोतवाली प्रभारी प्रयागराज सिंह व सीओ अजय कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे।

पुलिस एवं ग्रामीणों के द्वारा पास में जाकर देखा गया तो मृतक की उम्र तकरीबन 60 वर्ष प्रतीत हुई। शव से बदबू निकल रही थी, और मृतक के हाथ आगे की ओर रस्सी से बंधे हुए मिले। जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि घटना कई दिनों पूर्व घटित हुई होगी। मृतक पेड़ से लुंगी से लटका था और उसके पैर जमीन से टिके हुए दिखे। जिससे उसकी मौत संदिग्ध प्रतीत हो रही है,।

फारेंसिक टीम ने पहुंचकर लिए नमूने

पुलिस की सूचना पर बरेली से फारेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गयी और घटना स्थल की हकीकत को जानकर टीम ने फिंगर प्रिंट व फोटो ग्राफ किए।

शिनाख्त नहीं होने पर शव अज्ञात में पीएम हेतु भेजा क्षेत्राधिकारी (पुलिस) मीरगंज अजय कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है और अज्ञात में ही शव को पीएम हेतु भेजा जा रहा है। पुलिस अग्रिम कार्यवाही में जुटी है।

दिवाली पर मानवता की मिसाल, माँ विश्वम्भरी धाम ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को बांटी 'अनाज किट'

कमरालम जफरआलम खान

गुजरातः माँ विश्वम्भरी धाम ट्रस्ट ने दिवाली पर जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क 'अनाज किट' वितरित की धनतेरस (18 अक्टूबर, 2025) के पावन अवसर पर, माँ विश्वम्भरी धाम चैरिटेबल ट्रस्ट ने सदियों पुरानी परंपरा को कायम रखते हुए, वलसाड में जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क 'अनाज किट' वितरित की। धाम के संस्थापक परम पूज्य श्री महापात्र के मार्गदर्शन में, यह "अनाज किट" वितरित की गई ताकि गरीब परिवार भी त्योहार को हर्षोल्लास से मना सकें। इस वितरण कार्यक्रम ने गाँव में दिवाली की खुशियों की एक लहर फैला दी। मानव सेवा के इस कार्यक्रम में, ट्रस्ट ट्रस्टी किरीटभाई डेडानिया, रमेशभाई डोबरिया, भूपतभाई डोबरिया और रबडा गांव के नेता ठाकोरभाई पटेल, भद्रेशभाई पटेल, शैलेशभाई पटेल, राजूभाई पटेल और पूर्व सरपंच जसवन्तभाई पटेल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ट्रस्ट केवल अनाज वितरण तक ही सीमित नहीं है। जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री किट प्रदान करने के अलावा, ट्रस्ट गाँव के स्कूलों के बच्चों को निःशुल्क नोटबुक, यूनिफॉर्म और शैक्षिक उपकरण भी प्रदान करता है, जो गरीब बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है।

रबाड़ा स्थित माँ विश्वम्भरी तीर्थयात्रा धाम, संस्थापक-श्री महापात्र के दिव्य मार्गदर्शन में, सनातन वैदिक मूल्यों और भक्ति की सच्ची पद्धति के माध्यम से दुनिया भर के भक्तों को मन की सच्ची शांति और आध्यात्मिक उन्नति की ओर प्रेरित करता है।एक अलौकिक आध्यात्मिक केंद्र। इस प्रकार, माँ विश्वम्भरी धाम चैरिटेबल ट्रस्ट ने दीपावली के पर्व पर मानवता का संदेश देते हुए दिवाली का त्यौहार मनाया।

रणवीर और राजन सिंह तोमर बीएसपी में शामिल, पार्टी को बड़ा समर्थन

फूलचंद मालवीय/मध्य प्रदेशः बहुजन समाज पार्टी के लिए बड़ा समर्थन आगरा से बड़ी खबर रणवीर सिंह तोमर पूर्व ब्लॉक प्रमुख बरौली अहीर और राजन सिंह तोमर ने अपने साथियों के साथ बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ली आगरा में बहुजन समाज पार्टी को बड़ा समर्थन मिला जब रणवीर सिंह तोमर पूर्व ब्लॉक प्रमुख बरौली अहीर और राजन सिंह तोमर ने अपने साथियों के साथ बीएसपी की सदस्यता ली इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सभी का स्वागत किया और हार्दिक शुभकामनाएं दी

रणवीर सिंह तोमर और राजन सिंह तोमर का पार्टी में शामिल होना बीएसपी के लिए एक बड़ा लाभ माना जा रहा है क्योंकि दोनों नेता क्षेत्र में अच्छी पकड़ रखते हैं उनके साथ कई अन्य लोग भी बीएसपी में शामिल हुए हैं। बीएसपी की सदस्यता लेने के बाद रणवीर सिंह तोमर ने कहा हमारी पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर बीएसपी में शामिल हो रहे हैं हम पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे राजन सिंह तोमर ने भी कहा बीएसपी की नीतियों से प्रभावित होकर हमने पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है हम पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे। रणवीर सिंह तोमर और राजन सिंह तोमर के साथ कई अन्य लोगों ने भी बीएसपी की सदस्यता ली इनमें क्षेत्र के कई प्रमुख लोग शामिल हैं सभी नेताओं और कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि वे पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि रणवीर सिंह तोमर और राजन सिंह तोमर का पार्टी में शामिल होना एक बड़ा लाभ है वे दोनों नेता क्षेत्र में अच्छी पकड़ रखते हैं और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे।

जबलपुर के राज्य स्तरीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता में रीवा ने जीता खिताब

अरुण श्रीवास्तव

मध्य प्रदेशः गाडरवारा बीते शुक्रवार को नगर के रूद्र कॉलेज मैदान पर 69वीं राज्य स्तरीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता आयु वर्ग 19 बालक/बालिका का समापन हों गया। समापन के पूर्व गुरुवार की देर रात्रि दूधिया रौशनी मे खेले गये बालक वर्ग के फाइनल मैच में जबलपुर संभाग ने रीवा को एवं बालिका वर्ग के फाइनल मैच मे रीवा संभाग ने जबलपुर संभाग को 2-0 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता मे तृतीय स्थान बालक वर्ग इंदौर संभाग एवं बालिका वर्ग मे नर्मदापुरम को मिला। विदित हों कि बालक वर्ग के सेमीफाइनल मैचो मे जबलपुर ने इंदौर,रीवा ने भोपाल एवं बालिका वर्ग के सेमीफाइनल मैचो मे रीवा ने ग्वालियर एवं जबलपुर संभाग ने नर्मदापुरम को हराया था।

शुक्रवार को प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटैल ने अपने उदबोधन मे कहा कि जीवन मे सफलता के लिए बौद्धिक भूख होना जरुरी है। जीवन मे कुछ करने के लिए लक्ष्य का निर्धारण होना जरुरी है। उन्होंने खिलाड़ियों से संवाद करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम से ही सफलता संभव है एवं हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण से ही सफलता के मार्ग को प्रशस्त किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने कहा कि खेल मे पराजय तो होती रहती है, लेकिन जीवन मे अनुशासन के बिना कुछ भी नही है। माता पिता और गुरुजनो के द्वारा मिले अनुशासन की वजह से आज मैं इस मुकाम पर हूँ।

उन्होने कहा कि खिलाडी यहाँ से संकल्प लेकर जाये कि वे जीवन मे अनुशासित रहकर आगे बढ़ेंगे। नगर मे अगले माह राष्ट्रीय व्हालीबाल प्रतियोगिता भी होना है जिसमे कैलाश खेर को भी आमंत्रित किया गया है। विशिष्ट अतिथि नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि इस प्रतियोगिता मे खिलाड़ियों ने बेहतर खेल दिखाया है आगे चलकर इन्ही मे से कोई देश के लिए खेलेगा। उन्होंने कहा कि केबिनेट मंत्री श्री सिंह के प्रयासों से ही नगर मे लगातार दूसरे वर्ष राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के आयोजन हों रहे है। कार्यक्रम मे भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कहा कि खेलो इण्डिया के माध्यम से भी देश मे खिलाड़ियों को तराशने का कार्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमति रजनी सिंह ने कहा कि पढ़ाई के साथ विद्यार्थियो के लिए खेल भी जरुरी है।जब आप लोग जीतते है, ट्राफी लेते है ऐसा देखकर बेहद अच्छा लगता है। कार्यक्रम मे जिला शिक्षा अधिकारी संदीप नेमा ने प्रतिवेदन का वाचन किया।

सरस्वती पूजन से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम मे मंचासीन अतिथियों का स्वागत अधिकारियो एवं कर्मचारियों ने किया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने सरस्वती वंदना, नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम मे विजेता, उपविजेता, तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को ट्राफी सहित उत्कृष्ट खिलाड़ियों मे सर्वश्रेष्ठ लिब्रो के लिए साहिल सोनी, आयुषी ठाकुर, सर्वश्रेष्ठ सेटर के लिए अभय यादव, सौम्या तोमर, अटेकर के लिए शानू विश्वकर्मा, अनमोल सिंह एवं ऑल राउंडर के लिए सूरज पासवान, मानवी यादव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के अंत मे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वज अवरोहण कर समापन की घोषणा की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन दीपक अग्निहोत्री, संजय चौबे, मनीष शंकर तिवारी एवं अंत मे आभार प्रदर्शन जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुज जैन ने किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक साधना स्थापक, नरेश पाठक एसपी ऋषिकेश मीणा, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर अरुण इंगले,एसडीएम कलावती ब्यारे, तहसीलदार प्रियंका नेताम, सहित पूर्व नपा अध्यक्ष ममता पांडे, मिनेन्द्र डागा, डॉ योगेश कौरव, धनंजय पटैल, अनूप जैन, घनश्याम राजपूत, भूपेंद्र ठाकुर, सुरेश श्रीवास्तव,धर्मपाल सिंह,राव संदीप सिंह, चंद्रकांत शर्मा, आनंद दुबे, शुभम राजपूत राजेश गुर्जर, सूरेश मामूलिया, नरेश कौरव, दिग्विजय राजपूत, अशोक भार्गव,सहायक संचालक सीमा डोंगरे, नीलम मरावी, बीआरसी डी के पटैल, संदीप स्थापक एवं गणमान्य नागरिक, पत्रकार, शिक्षक, छात्र छात्राएँ, टीमों के खिलाडी उपस्थित रहे।

एक नजर

मगन दीवाना पहाड़ पर यदुवंशी स्पोर्टिंग क्लब की विराट दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

अनूप कुमार/उत्तर प्रदेशः प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शनिवार को यदुवंशी स्पोर्टिंग क्लब द्वारा धनतेरस के दिन मगन दिवाना पहाड पर विराट दौड प्रतियोगिता का शुभारंभ वर्तमान जिला पंचायत सदस्य राम निहोर यादव उर्फ गुड्डू यादव द्वारा पिता काटकर किया गया। यह दौड़ प्रतियोगिता 2020 से निरंतर करायी जा रही है। प्र?तियोगिता में भदोही, वाराणसी, चन्द्रोही एवं जनपद के मेधावी बच्चो ने भाग लिया। जिसमें दौड 400 मीटर दौड़ में विकास यादव,1600 मीटर में विकास कुमार वाराणसी ,3000 मीटर ड्र बाबूलाल राजभर चंदौली,5000 मीटर में आशीष पटेल वाराणसी विजई रहे, इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में विशिष्ट अतिथि गुल्लू यादव, यदुवंशी स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष ई० कमलेश यादव, इंजीनियर विकास यादव ग्राम प्रधान मदारपुर, राणजीत यादव, कृपाशंकर भादव, राजूयादव, दिलीप यादव, ओमकार यादव, शिवद?याल यादव, फौजी बलवन्तयादव, फौजी दुर्गेश यादव, फौजी रामबाबू,प्रेमनाथ यादव, रेफरी उजागर यादव व अरविन्दयादव, जितेन्द्र ?यादव, विमल यादव विकास यादव हरेन्द्र, विनोद, अजय, शेषनाथ, विजय, प्यारेलाल, प्रेमनाथ यादव, आदि मौजूद थे। संचालन डॉ. सुरेश यादव के द्वारा किया गया।

सेक्टर 7B फेस-2 में लॉन्ड्री ब्रांच का शुभारंभ, ग्राहकों को 25% छूट और फ्री पिक-अप डिलीवरी सेवा

अजय सक्सेना/उत्तर प्रदेशः आज दिनांक 18 /10 /20 25 दिन शनिवार को नोएडा की कंपनी लॉन्ड्री वाले ने बुद्धि विहार एमजी रोड आईकॉनिक हब सेक्टर 7 फेस टू पर अपनी लॉन्ड्री ब्रांच का शुभारंभ किया कंपनी के कर्मचारी साकिब और राजन ने बताया कि हमारी कंपनी की ओर से ग्राहकों के लिए सभी तरह की धुलाई और प्रेस पर 25/% परसेंट की छूट दी जा रही है साथ ही

हमारे कंपनी के द्वारा घर से कपड़े लाने और पहुंचाने की सुविधा भी दी जा रही है जिसका कोई चार्ज नहीं लिया जा रहा है इस अवसर पर लॉन्ड्री शॉप स्वामी सुधीर वर्मा ध्रुव वर्मा रश्मि वर्मा आयुषी वर्मा दश वर्मा विपिन सक्सेना (स्वामी आईकॉनिक हब) पार्थ सक्सेना नवीन सक्सेना दीपा सक्सेना अजय सक्सेना दामिनी सक्सेना कृष्णा सक्सेना विनीत रस्तोगी नेहा रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

आतिशबाजी बाजार में लापरवाही, उ्रफ्ह ने दिए सख्त निर्देश

राजू/उत्तर प्रदेशः मीरगंज क्षेत्र में दिवाली के पहले साप्ताहिक बाजार के समीप एक मैदान में लगी आतिशबाजी मार्केट का शनिवार को शाम के समय मुख्य अग्नि शमन अधिकारी मनु शर्मा ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की जानकारी मिलते ही आतिशबाजी कारोबारियों में हड़कम्प मच गया। निरीक्षण के दौरान सीएफओ ने पाया कि दुकानों के बीच मानक के तहत पर्याप्त दूरी नहीं रखी गई है। जो सुरक्षा मानकों के विपरीत है इस पर उन्होंने नारजगी जताते हुए व्यापारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल दुकानों को पीछे हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आतिशबाजी बाजार में सुरक्षा सर्वोपरि है। यदि मानक दूरी नहीं रखी गई तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। सीएफओ ने बताया कि मौके पर बालू एवं नगर पंचायत से उपलब्ध पानी टैंक तो है, लेकिन दुकानों के समीप एक बडे टब या बर्तन में पानी रखा हुआ नहीं है।जोकि गंभीर लापरवाही का प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यापारी दुकानों पर आतिशबाजी के खुले डिब्बे न रखें और बंद डिब्बे ही बिक्री करें। साथ ही आमने सामने दुकानों की दूरी मानक के अनुसार ही रखें। उन्होंने चेतावनी दी कि अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। जरा सी लापरवाही किसी बड़े हादसे को अंजाम दे सकती है। इस दौरान मीरगंज कस्बा प्रभारी पंकज कुमार भी मौजूद रहे।

राणापुर नगरीय निकायों की मतदाता सूचियां के पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के लिए हुआ निरीक्षण

मुजफ्फर खान शेख/मध्य प्रदेशः राणापुर नगरीय निकायों की फोटो युक्त मतदाता सूचियां के पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के लिए राज्य शासन द्वारा नियुक्त प्रेक्षक चंद्रशेखर वर्मा, सेवानिव्रत कलेक्टर द्वारा नगर परिषद राणापुर के मतदान केंद्रो का निरीक्षण आज दिनांक 17 अक्टूबर को किया गया। इस हेतु नियुक्त प्राधिकृत कर्मचारियों की बैठक नगर परिषद कार्यालय में जाकर आवश्यक निर्देश दिए तथा कर्मचारियों को आ रही समस्याओं का निराकरण किया गया।

इस अवसर पर प्रेक्षक श्री वर्मा द्वारा नगर के ऐसे भवन जिनमें 11 मतदाताओं से अधिक निवास करते हैं को चिन्हित कर निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा निदेर्शों के अनुसार कार्यवाही करने तथा मृतक मतदाताओं के नाम स्वप्रेरणा से मतदाता सूचियां से विलोपित किए जाने के साथ ही ऐसे मतदाता जिनके नाम एक से अधिक स्थानों पर छपे हैं उनसे संपर्क कर उनकी सुविधा अनुसार उनके नाम एक ही स्थान पर रखे जाने के निर्देश उपस्थित प्राधिकृत कर्मचारियों को दिए गए। इस अवसर पर तहसीलदार श्री हुकुम सिंह निगवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मीकांत शर्मा, निर्वाचन प्रभारी जालू सिंह वसुनिया आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

त्योहारों की खुशियों में मिलावटी जहर

त्योहार सदैव अपने साथ खुशियां व हर्षोल्लास लेकर आतें हैं। त्योहारों के आगमन पर समाज में खुशहाली छा जाती है, त्योहार एक प्रकार से खुशहाली के प्रतीक हमारे समाज में मानें जाते है। भारत, अपनी जीवंत संस्कृतियों की विरासत के साथ, एक ऐसा देश है जहां त्योहार जीवन के ताने-बाने में बुने हुए हैं। गणपति उत्सव के गमगीन मंत्रों से लेकर दशहरा के उत्साही जुलूसों और दिवाली की चमकदार खुशी तक, त्योहार समुदायों को एक साथ लाते हैं, जो हमारे विविध लेकिन एकजुट समाज का प्रतिबिंब है हालांकि, ये उत्सव केवल अनुष्ठानों, गीतों और रंगों की विशेषता नहीं है। प्रत्येक भारतीय त्योहार के केंद्र में भोजन के साथ एक अपरिहार्य संबंध होता है। चाहे वह विभिन्न त्योहारों के अवसर पर मीठा भोग हो, दिवाली की विस्तृत मिठाइयां हों या नवरात्रि के दौरान चढ़ाए जाने वाले प्रसाद हों। प्रत्येक अवसर परंपरा में डूबे व्यंजनों की औपचारिक तैयारी के बिना अधूरा है और उनके साथ प्रेम और प्रचुरता का स्वाद भी अनोखा है। फिर भी, इन त्योहारों की मनमोहक खुशबू के नीचे एक भयावह काल सच छिपा है। जैसे-जैसे मिठाइयों, घी, तेल, खोया और अन्य सामग्रियों की मांग आसमान छू रही है, वैसे-वैसे बेईमान व्यापारियों के लिए अवैध मुनाफे के लिए इस स्थिति का फायदा उठाने का प्रलोभन भी बढ़ रहा है।

हमारे त्योहारों की खुशियां ऐसे लालच से लगातार खतरे में पड़ रही हैं। त्योहारों के दौरान दूध और उससे बनने वाले उत्पादों जैसे मावा, पनीर, घी या इनसे तैयार मिठाइयों की मांग सबसे अधिक होती है। मांग के अनुरूप आपूर्ति और मुनाफा कमाने के चक्कर में मिलावट भी सबसे ज्यादा होती है। मिलावट के लिए इनमें पानी, सिंथेटिक पदार्थ, यूरिया, स्टार्च और घटिया तेल मिलाए जाते हैं। दिवाली त्योहार तो मिठाई व पकवानों का पर्व है, प्रत्येक व्यक्ति खुशियों का इजहार मिठाइयां बांट कर करता है। घरों में मिठाइयों का अंबार लगा रहता है। लेकिन सोचिए उन मिठाइयों में खुशियों की जगह ह्यमिलावट का जहरह्ण मिला हो तो व अपनों को कितना नुकसान पहुंचाएगा। त्योहारों से पहले देश के अलग-अलग राज्यों में खाद्य विभाग और पुलिस द्वारा भारी मात्रा में नकली मावा और दूध की खेप पकड़ी जाती है। हर वर्ष उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में क्विंटल के हिसाब से नकली मावा और सिंथेटिक दूध जब्त किया जाता है। कई बार ये खेपें राज्यों की सीमाओं के पार से ट्रक भरकर लाई जाती हैं, ताकि त्योहारों के समय अचानक बढ़ी हुई मांग को पूरा किया जा सके। जांच में पाया गया है कि इन नकली उत्पादों में यूरिया, साबुन, रिफाइंड तेल और स्टार्च जैसे खतरनाक तत्व मिलाए जाते हैं, जिनका सेवन करने से फूड प्वाइजनिंग, लिवर डैमेज और किडनी फेलियर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

दिवाली पर महंगाई घटने से बढ़ी खुशियां

> चाहे आम आदमी के इस्तेमाल की चीज हो, चाहे वह किसानों से जुड़ी वस्तुएं हों, चाहे वह मध्यम वर्ग से संबंधित वस्तुएं हों, प्रत्येक क्षेत्र में एमएसएमई को दी गई बड़ी जीएसटी राहत से त्योहारी बाजार को रफ्तार मिल रही है। देश में लोगों की क्रय शक्ति बढ? और अमरीका में डॉलर की वैल्यू घटने से इस साल त्योहारी सीजन में चांदी और सोने का भाव भी रिकॉर्ड स्तर पर दिखाई दे रहा है। बाजार में चांदी और सोने को खरीदी के लिए भी लोग बड़ा उत्साह दिखाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

-डा. जयंती लाल भंडारी-

यकीनन महंगाई दर घटने और (वस्तु एवं सेवा कर) जीएसटी की दरें घटने से देश में त्योहारी बाजार में अभूतपूर्व खरीदी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है और दिवाली की खुशियां बढ़ गई हैं। 13 अक्तूबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2025 के दौरान खुदरा महंगाई घटकर 1.54 प्रतिशत रह गई। यह इससे पिछले महीने 2.07 प्रतिशत थी। यह खुदरा महंगाई दर सितंबर 2024 में 5.49 प्रतिशत थी। इस बार सितंबर 2025 में खुदरा महंगाई दर आठ साल में सबसे कम है और यह आरबीआई के लक्ष्य के निचले स्तर पर पहुंच गई है। खुदरा महंगाई में गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, तेल और वसा, फलों, दालों, अनाज, अंडे, ईंधन और विद्युत की महंगाई में गिरावट के कारण है। इस वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए मुद्रास्फीति के परिदृश्य के बारे में आरबीआई ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की अच्छी प्रगति, खरीफ की अधिक बुवाई, जलाशयों का पर्याप्त स्तर और खाद्यान्नों का पर्याप्त बफर स्टॉक खाद्य कीमतों को नरम बनाए रखेगा।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्तूबर को कृषि क्षेत्र और किसानों के लिए दिवाली का उपहार देते हुए नई दिल्ली में एक विशेष कृषि कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 42 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं और योजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास किया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख पहलों, ह्यप्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजनाह्ण और ह्यदलहन आत्मनिर्भरता मिशनह्ण का अनावरण किया, जिनका परिव्यय 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक है। प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ से अधिक मूल्य की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग 815 करोड़ मूल्य की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि पीएम धन धान्य कृषि योजना 24 हजार करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और चयनित 100 जिलों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है। निसंदेह महंगाई दर के घटने और 22 सितंबर से जीएसटी सुधारों के लागू होने से इस बार दिवाली के त्योहारी बाजार में स्थानीय और स्वदेशी वस्तुओं की भी अभूतपूर्व खरीदी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। जीएसटी में सरलता और नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप के तहत जीएसटी के चार टैक्स स्लैब में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब में बदलाव ने त्योहारी बाजार को नई उर्जा दी हैं। जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 फीसदी जीएसटी वाली लगभग 99 फीसदी वस्तुएं अब पांच फीसदी के स्लैब में आ गई है। जबकि 28 फीसदी टैक्स वाली लगभग 90 फीसदी वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में आ गई हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों को सोशल मीडिया पर पत्र लिखकर कहा कि 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार तथा आयकर में कटौती से लोगों को लगभग 2.5 लाख करोड रुपए की बचत प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देशवासी बचत से हुई खुशी के साथ बचत उत्सव मनाते हुए दिखाई देंगे और ऐसे में कई परिवारों को अपनी आजीविका कमाने और युवाओं के लिए नौकरी के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने नागरिकों से स्वदेशी उत्पाद खरीदने और दुकानदारों से स्वदेशी उत्पाद बेचने का आग्रह भी किया। वास्तव में यह सब बातें इस बार के दीपावली के त्योहारी बाजार में दिखाई भी दे रही है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत और लोगों की क्रय शक्ति बढ? से बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ गया है। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिल रहा है। इतना ही नहीं जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है और मैन्युफैक्क्ररिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई दे रहा है। देश में जीएसटी घटने से खपत बढ़ रही है और निर्यात को भी नई गति मिल रही है। मांग व उत्पादन बढ? से जीडीपी में वृद्धि हो रही है। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हो रही है।

इस परिप्रेक्ष्य में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में कर दरों में कमी किए जाने से निजी उपभोग को बढ़ावा मिल रहा है और आर्थिक विकास मजबूत हो रहा है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। निसंदेह दिवाली त्योहार के सीजन में घरेलू खर्च और खपत बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। खासतौर से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लगभग सभी पदार्थों पर जीएसटी दरों में कमी होने से खाद्य प्रसंस्करण और संबद्ध उद्योगों की बिक्री बढ़ गई है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि त्योहारी बाजार में दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ गई है।

चाहे आम आदमी के इस्तेमाल की चीज हो, चाहे वह किसानों से जुड़ी वस्तुएं हों, चाहे वह मध्यम वर्ग से संबंधित वस्तुएं हों, प्रत्येक क्षेत्र में एमएसएमई को दी गई बड़ी जीएसटी राहत से त्योहारी बाजार को रफ्तार मिल रही है। देश में लोगों की क्रय शक्ति बढ? और अमरीका में डॉलर की वैल्यू घटने से इस साल त्योहारी सीजन में चांदी और सोने का भाव भी रिकॉर्ड स्तर पर दिखाई दे रहा है। बाजार में चांदी और सोने को खरीदी के लिए भी लोग बड़ा उत्साह दिखाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि इस बार दीपावली का बाजार जहां करोड़ों लोगों के द्वारा स्वदेशी और वोकल फॉर लोकल की संकल्प शक्ति के साथ आत्मनिर्भर भारत की डगर पर दिखाई दे रहा है, वहीं इस वर्ष 2025 में देश के बाजारों में खरीददारों की भीड़ उमड? और घरेलू खपत चरम पर रहने का परिदृश्य है। जहां वर्ष 2023 में दिवाली के त्योहारी बाजार में 3.75 लाख करोड़ रुपए और वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए की खरीददारी हुई थी, वहीं इस बार त्योहारी सीजन के तहत खरीददारी 4.75 लाख करोड़ रुपए के अभूतपूर्व स्तर को छूते हुए दिखाई दे सकती है।

निश्चित रूप से देश में 13 अक्तूबर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई के घटकर 1.54 फीसदी रहने और 22 सितंबर से लागू नई जीएसटी व्यवस्था और दो स्लैब वाली कर प्रणाली से दिवाली के त्योहारी सीजन में अभूतपूर्व मांग दीपावली को लेकर लोगों की बढ़ी हुई खुशियों का प्रतीक भी है। उम्मीद करें कि देश में घटी हुई महंगाई और घटी हुई जीएसटी की दरों के कारण इस बार की दिवाली एक बचत उत्सव के रूप में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हुए देश को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ाने में मील का पत्थर बनते हुए दिखाई देगी।

इसलिए बिहार जरूरी है नरेंद्र भाई के लिए

-पंकज शर्मा-

2026 में होने वाले पांच प्रदेशों के चुनाव नतीजों का 2027 में होने वाले छह राज्यों पर इसलिए चक्रवृद्धि ब्याज जैसा असर पड़ेगा कि तब फरवरी के मध्य से साल के अंत तक गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोआ में चुनाव होंगे। दिसंबर में गुजरात के चुनाव आने से पहले साल की पहली छमाही में ही बाकी पांच राज्यों के चुनाव निपट चुके होंगे और इन में से तीन के परिणाम गुजरात का भविष्य भी लिखने का काम करेंगे। तक?ीबन एक महीने बाद नवंबर में बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाने के बाद, 2029 में अगले लोकसभा चुनाव होने तक, देश के 21 प्रदेशों में विधानसभा के चुनाव होंगे और 4 राज्य ऐसे होंगे, जिन की विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा-चुनाव के साथ कराए जाएंगे। यानी कुल 25 राज्य चुनावों में जाएंगे। बिहार के इस चुनाव से सामने आने वाली प्रतिपक्ष की स्थिति 2028 के आखीर तक होने वाले 21 प्रदेश-चुनावों के नतीजों की शक्ल को आकार देगी। इन के चुनाव परिणाम तय करेंगे कि 2029 की लोकसभा में मौजूदा विपक्ष किस हालत में होगा। बिहार में अगले महीने अगर भारतीय जनता पार्टी और यूनाइटेड जनता दल सत्ता से बाहर हो गया और राष्ट्रीय जनता दल के साथ कांग्रेस की सरकार बन गई तो भारतीय राजनीति के भावी आसमान का रंग क्या होगा? और, अगर ऐसा नहीं हुआ तो सियासत के राष्ट्रव्यापी फलक पर कौन-सी इबारत लिखी होगी? इस उधेड़बुन से बाहर आने का रास्ता इसलिए आसान नहीं है कि बिहार की ख्याति भले ही देश की राजनीति को नया मोड़ देने वाले प्रदेश की रही है, मगर अब वह खुद ही गड्डमड्ड और दिग्भ्रम में गोता खाता दिखाई देने लगा है। बिहार-चुनाव के बाद अगले साल 2026 में पांच प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव होंगे। अप्रैल के मध्य से ले कर जून की शुरूआत तक पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुदुचेरी मत-कुरुक्षेत्र में जाएंगे। दक्षिण के राज्यों पर बिहार में एनडीए की हार-जीत का कोई असर पड़े-न-पड़े, पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव नतीजों पर इस का सीधा असर दिखाई देगा। बिहार अगर एनडीए की झोली में बरकरार रहता है तो पश्चिम बंगाल की विधानसभा में भाजपा की मौजूदा 65 सीटों में खासा उछाल आने के आसार बढ़ जाएंगे। लेकिन बिहार अगर उस के दामन से छिटक जाता है तो बंगाल में उस की सीटें आधी हो जाने का खतरा सामने है। असम में भी भाजपा और उस के सहयोगी दलों के गुलाबीपन पर बिहार के नतीजे बेतरह असर डालेंगे। असम में अभी भाजपा की 64 और सहयोगी दलों की 19 सीटें हैं। बिहार में भाजपा-जदयू की जीत इस बहुमत को कमोबेश बरकरार रख सकती है, लेकिन बिहार की हार असम में भाजपा के सहयोगी दलों का क?ीब-क?ीब सफाया ही कर देगी और भाजपा की सीटें भी 50 के आसपास सिमटने की आशंका सामने खड़ी हो जाएगी। तमिलनाडु, केरल ओर पुदुचेरी के चुनावों पर बिहार के परिणामों का प्रत्यक्ष असर भले ही दिखाई न दे, मगर परोक्ष प्रभाव की हिलोरें तो अगले साल वहां भी देखने को मिलेंगी। तमिलनाडु में भाजपा के अभी भले ही सिर्फ चार विधायक हैं, मगर यह भूलना ठीक नहीं होगा कि एनडीए समूह के पास 234 के सदन में 74 सीटें हैं। भाजपा पिछले कुछ वर्षों से तमिलनाडु पर खास ध्यान दे रही है। केरल में भाजपा-एनडीए कहीं नहीं हैं, लेकिन पुदुचेरी में तो एनडीए की सरकार है। वहां भाजपा के अपने 6 विधायक भी हैं। 33 सदस्यों वाली पुदुचेरी विधानसभा का पेंडुलम बिहार के परिणामों से अपनी ताल मिलाएगा। 2026 में होने वाले पांच प्रदेशों के चुनाव नतीजों का 2027 में होने वाले छह राज्यों पर इसलिए चक्रवृद्धि ब्याज जैसा असर पड़ेगा कि तब फरवरी के मध्य से साल के अंत तक गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोआ में चुनाव होंगे। दिसंबर में गुजरात के चुनाव आने से पहले साल की पहली छमाही में ही बाकी पांच राज्यों के चुनाव निपट चुके होंगे और इन में से तीन के परिणाम गुजरात का भविष्य भी लिखने का काम करेंगे। बिहार में अगर भाजपा-जदयू जख़्मी हो गए तो निश्चित मानिए कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा में भाजपा 258 सदस्य ले कर तो किसी भी कीमत पर नहीं लौट पाएगी। उस के विधायकों की तादाद अगर आनुपातिक तौर पर घटी तो डेढ़ सौ के आसपास रह जाएगी। ऐसे में समाजवादी पार्टी पौने दो सौ के क?ीब पहुंच जाएगी। कांग्रेस के उत्तर प्रदेष में अभी महज दो विधायक हैं, लेकिन बिहार में अगर प्रतिपक्ष की लहर चल पड़ी तो कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश के आसमान में भी आस के बादल पहले से तो ज्यादा पानीदार हो ही जाएंगे। बिहार अगर जस-का-तस रहा या भाजपा के लिए अब से भी बेहतर हो गया तो मान कर चलिए कि समाजवादी पार्टी का, जो हो, सो हो, कांग्रेस के लिए तो आगे की राह और दुर्गम हो जाएगी। उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हमराही-सा ही साबित होगा। बिहार में एनडीए की हार से अगले चुनाव में वहां कांग्रेस की सरकार बनने की संभावनाएं ठोस हो जाएंगी। सांगठनिक कुव्यवस्थाओं और कांग्रेसी नेताओं की आपसी तूतूमैंमैं के बावजूद पिछली बार वहां कांग्रेस के 20 विधायक जीत कर आ गए थे तो बिहार में विपक्षी कलगी ऊंची होने पर उस की सीटें दुगनी हो जाना असंभव नहीं है। पंजाब में भाजपा अभी नहीं के बराबर है। उस के सिर्फ दो विधायक हैं। बावजूद इस के कि आम आदमी पार्टी के 93 विधायकों का जन्म तुक्के के गर्भ से हुआ है, भाजपा के लिए पंजाब के आसार बिहार का कोई भी चुनाव परिणाम न तो उजले कर सकता है, न धुंधले। उजले होंगे तो भी उस की सीटें कितनी हो जाएंगी? दो से चार, आठ, बारह? धुंधले होंगे तो दो से नीचे कहां जाना है? हां, बिहार का नतीजा अगर प्रतिपक्ष की तरफ गया तो 2027 के पंजाब-चुनाव में कांग्रेस बड़ी भूमिका में आ जाएगी। अभी उस के 16 विधायक हैं। आम आदमी पार्टी से हताशा इस संख्या को सरकार बनाने लायक बहुमत के आसपास भी पहुंचा सकती है। गुजरात के चुनाव उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के नतीजे आने के छह महीने बाद होंगे।

भेदभाव के अंधेरों को दूर करना जरूरी है

-भावना मेव-

राजस्थान के अनेक ग्रामीण अंचलों में आज भी घर-घर, गली-गली, बस्तियों में ऐसा फर्क मौजूद है जो न केवल जमीन पर दिखाई देता है बल्कि रिश्तों, रोजगार और बच्चों की उम्मीदों में भी गहरा असर डालता है। एक तरफ अलग बस्तियाँ और सीमित सार्वजनिक स्थान हैं, दूसरी तरफ बातचीत में छोड़ दिया जाना, पानी के स्रोतों व बर्तन के उपयोग में पृथक व्यवहार और तिरस्कार की आम है। यह केवल व्यक्तिगत कटुता नहीं, बल्कि सामूहिक तौर पर बनी हुई असमानता का परिणाम है जो किस्सों और नियमों के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है।

ऐसे व्यवहार का दायरा केवल सामाजिक जगहों तक सीमित नहीं रह जाता है। आर्थिक रूप से भी बहुत से परिवारों को श्रम-आधारित सीमाओं, मजदूरी में पक्षपात और संसाधनों तक पहुंचने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी आय और सुरक्षा घटती है और इलाके की समग्र प्रगति रुक जाती है। आंकड़े और रिपोर्टें यह स्पष्ट करती हैं कि हिंसा और होने वाले अपराधों की दर्ज संख्या भी चिंताजनक है। हालिया वर्षों में केंद्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि राजस्थान में संबंधित प्रवृत्तियाँ उच्च रही हैं, और दर्ज मामलों की संख्या व अपराध दर दोनों ने यह संकेत दिया है कि समस्या गंभीर और व्यापक है।

स्कूलों में यह असमानता अक्सर सूक्ष्म रूप में ही दिखाई देती है पर असर बहुत बड़ा होता है। बच्चों का अलग बैठना, शौचालय और पेयजल के उपयोग में भेदभाव, शिक्षकों या साथी छात्रों द्वारा तिरस्कारपूर्ण व्यवहार, ऐसे अनुभव बच्चों के आत्मसम्मान को कम करते हैं और उन्हें स्कूल से दूरी बनाने पर मजबूर कर सकते हैं। अध्ययनों और क्षेत्रीय परियोजनाओं ने यह दिखाया है कि जो बच्चे इन स्थितियों को झेलते हैं, विशेषकर लड़कियाँ, वे जल्दी स्कूल छोड़ देती हैं, उनकी सीखने की उपलब्धियाँ कम होती हैं और उच्च शिक्षा या नौकरी के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। शिक्षा क्षेत्र में किए गए विश्लेषणों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जाति-आधारित असमानता और लिंग-आधारित अपेक्षाएँ मिलकर एक विषम बाधा बन जाती हैं, जिससे सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएँ भी दब कर रह जाती हैं।

जातिगत भेदभाव किशोरियों पर असर कई गुना गहरा डालता है। परिवारों में संसाधन सीमित होने पर प्राथमिकता अक्सर लड़कों को दी जाती है, और जहाँ समुदाय के भीतर तिरस्कार या हिंसा का भय रहता है, वहाँ माता-पिता अपनी बेटियों को स्कूल भेजने से हिचकिचाते हैं। परिणामस्वरूप किशोरियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी प्रभावित होती है। उनकी स्वायत्तता सीमित रहती है और वे अपने अधिकारों की जानकारी व प्रयोग से दूर रहती हैं। साथ ही, जब कोई बच्चा स्कूल में बार-बार अपमानित होता है तो उसका मनोवैज्ञानिक असर दीर्घकालिक होता है। उसके आत्मविश्वास में गिरावट, बोलने-लिखने में संकोच और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी की कमी स्पष्ट रूप से नजर आने लगती है। इस तरह का बहु-आयामी नुकसान परिवार, समुदाय और समाज की प्रगति तीनों को पीछे धकेल देता है। आँकड़े यह याद दिलाते हैं कि यह सिर्फ व्यक्तिगत तकलीफ नहीं बल्कि संरचनात्मक चुनौती है।

हाल के वर्षों की रिपोर्ट में राज्यों के स्तर पर दर्ज किए गए अपराधों और उत्पीड़न के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय संख्या देखने को मिली है, और कुछ रिपोर्टों ने राजस्थान को उन क्षेत्रों में गिना है जहाँ पड़े हुए सामाजिक विस्थापन और दर्ज मामलों की दरें चिंताजनक रही हैं। यह संकेत है कि रिपोर्टिंग और जागरूकता बढ़ाने के साथ ही दबे हुए मामलों की परतें भी खुल रही हैं और समाधान की आवश्यकता और तीव्र हो गई है। साथ ही, विश्लेषणों में यह भी कहा गया है कि केवल कानूनों के होने से काम नहीं चलता है। नियमों के पालन, स्थानीय प्रशासन की संवेदनशीलता और समुदाय स्तर पर व्यवहार में बदलाव की जरूरत है। इस असमानता से होने वाला नुकसान न केवल क्षणिक है बल्कि भविष्य के संसाधनों और संभावनाओं पर असर डालता है। शिक्षा में गिरावट अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी घटाती है, स्वास्थ्य संकेतकों को नीचे लाती है, और सामाजिक तनावों को बढ़ाकर स्थानीय विकास परियोजनाओं और सहयोगी पहलों को कम प्रभावी बनाती है। जब किसी समुदाय की कुछ आबादियाँ बार-बार अपमान या हिंसा झेलती हैं तो उनकी भागीदारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भी कम हो जाती है। पंचायतों, विद्यालय समितियों और स्थानीय निर्णय लेने वाले मंचों में उनकी आवाज दब जाती है, जिससे न्यायसंगत नीतियाँ बनना मुश्किल हो जाता है।

मौकापरस्त अमेरिका के दबाव में नही आ रहा है भारत

-कांतिलाल मांडोत-

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत अब रूस से तेल नही खरीदेगा। गुरुवार को वाइट हाउस में पत्रकार परिषद को सम्बोधित करते हुए कहा कि मोदी मेरे अच्छे दोस्त है। भारत के रूस से तेल खरीदने में मुझे खुशी नही थी। मोदी ने मुझे भरोसा दिया है कि भारत रूस से तेल नही खरीदेगा। लेकिन भारत के विदेश मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा कि हमारी आयात नीति हितों के आधार पर है। भारतीय उपभक्ताओ के हितों की रक्षा करना हमारी निरन्तर प्राथमिकता रही है। भारत ने कहा कि मोदी की ट्रम्प के साथ ऐसी कोई बातचीत नही हुई है। उसी के साथ ट्रम्प का जुठ पकड़ा गया है। अमेरिका भारत को अपने मुट्ठी में करना चाहता है। भारत और अमेरिका अर्थक्रान्ति के साझा भविष्य है। देश आजाद होने के बाद अमेरिका से भारत के साथ अच्छे रिश्ते नही रहे। आजादी के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का झुकाव सोवियत संघ की तरफ था। इसकी वजह से भारत की मानसिकता अमेरिका विरोध की थी। भारत को वश में करने के लिए अमेरिका ने लगातार कोशिशें की। भारत के साथ साथ अमेरिका पाकिस्तान का भी हिमायती बना रहा। नेहरू के बाद भी देश मे वामपंथी विचारधारा के प्रभाव ने भारत और अमेरिका के सम्बन्धों में कभी इस तरह की गर्माहट महसूस नही होने दी, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उनके पहले टर्म में भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत रखे थे। दरअसल, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत के बाद भारत को जलाने और भारत को कमजोर करने के लिए अमेरिका पाकिस्तान से द्विपक्षीय सम्बंध स्थापित करने लग गया। अमेरिका पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ मजबूत रिश्ते रखने लगा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने पाकिस्तान को कभी भी शह नही दी। नेहरू के बाद इंदिरा से लेकर कांग्रेस के सभी प्रधानमंत्री अमेरिका की हाहजूरी करने में कोई कसर नही छोड़ी। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से न्यूयॉर्क में मुलाकात की तो दोनो नेताओ ने व्यक्तिगत स्तर पर तारतम्य स्थापित करने में जरा सी देरी नही की गई। मनमोहन सिंह और तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने द्विपक्षीय बातचीत कर भारत औ? अमेरिका के सम्बन्धो को आगे बढ़ायाथा। गौरतलब है कि पहले से ही कांग्रेस का झुकाव सोवियत संघ की तरफ ज्यादा होने के कारण अमेरिका ने करीब 66 साल तक भारत को दरकिनार करता रहा।

उल्लेखनीय है कि ओबामा के दो टर्म के बाद अमेरिका और भारत के रिश्ते पटरी पर आने लगे थे। डोनाल्ड ट्रम्प को पहले ट्रम्प में यह समझ मे आया कि भारत के प्रति उसे अपने पारम्परिक नजरिया में बदलाव की जरूरत है। तत्कालीन अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा 26 जनवरी पर विशेष अतिथि के रूप में केंद्र सरकार के निमंत्रण पर परेड में शामिल हुए। उनको पहली बार परेड देखने का मौका मिला। भारत की सैन्य ताकत देखने का मौका मिला। ओबामा ने अंदाज लगा दिया कि मोदी के नेतृत्व में भारत शक्तिशाली देश के रूप में उभर चुका है। तब से अमेरिका भारत पर आफरीन है। लेकिन इस वर्ष भारत दुनिया की तीसरी इकोनॉमी की तरफ कदम बढ़ाते देख अमेरिका अलर्ट मोड़ में आ गया। क्योकि उसको यह आभास हो गया कि अमेरिका फर्स्ट की अवधारणा किसी अन्य देश का हिस्सा न बन जाए?तभी से भारत पर टैरिफ वार किया गया। 50 प्रतिश टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका तैयार हो गया। बारबार जुठ का सहारा लेकर अमेरिका भारत को दबाना चाहता है। कारोबारी मानसिकता वाले डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में भारत कभी भी काम नही करेगा। भारत ने स्वावलंबी अभिगम अपनाकर अर्थक्रान्ति के साझा भविष्य को पटरी पर लाने के लिए आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया है। दीपावली में स्वदेशी वस्तुओ को खरीदने के लिए मोदी ने आह्वान किया। लोग भारत मे निर्मित वस्तुओ का इस्तेमाल कर भारत को मजबूत बनाने का लक्ष्य हासिल कर रहे है। देश का धन देश मे रहेगा तो भारत जल्द तरक्की करेगा। युवाओ का देश भारत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चौतरफा परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। भारत की पहचान ऐशियाई ताकत के रूप में होने के बाद अमेरिका पचा नही पा रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प की पहली बार जीत के लिए भरतवंशी भी ट्रम्प की जीत के हिमायती थे। ट्रम्प ने अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले लोगो को हथकड़ी पहनाकर भारत भेजे गए, तब लोगो के मन मे यह विचार आया कि अमेरिका औ? भारत के बीच मजबूत रिश्ते होते हुए अमेरिका ऐसी हरकत क्यो कर रहा है? लोगो के जेहन में सवाल पैदा हो रहे थे। क्योकि भारत का विरोध करने का अमेरिका का पहला मौका था। डेमोक्रेटिक हो या रिपब्लिकन, सभी अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमेशा भारत से ज्यादा पाकिस्तान को तरजीह देते रहे थे। लेकिन कांग्रेस ने कभी विरोध नही जताया। मोदीं प्रधानमंत्री बनने के बाद अमेरिका जिस पटरी पर चल रहा था उसमें बदलाव देखा गया।

नई आर्थिक विश्वव्यवस्था में अमेरिका सहित दुनिया के तमाम विकसित व विकाशशील देशो के साथ कदमताल करते हुए भारत विकसित राष्ट्र की तरफ आगे बढ़ रहा है। अमेरिका नही चाहता है कि भारत का नाम दुनिया मे बाला हो और अमेरिका फर्स्ट का तमगा किसी दूसरे देश के हाथों में चला जाए। भारत को कमजोर करने के लिए कई देश लगे हुए है। कांग्रेस तो भारत को बदनाम करने के लिए विदेशो में लोकतंत्र पर हमला करती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय बाजार आज भी दुनिया को आकर्षित करने का दम रखता है। कभी भारत मिश्रित अर्थव्यवस्था वाला देश था।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

अयोध्या में जीवंत हुआ त्रेता युग, मुख्यमंत्री योगी ने किया प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक

-योगी ने संतों के साथ खींचा प्रभु राम का रथ, पुष्पवर्षा और वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजा रामकथा पार्क

-दीपोत्सव 2025 बना भक्ति, संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत

अयोध्या, एजेंसी। दीपों की अनगिनत पंक्तियों से सजी अयोध्या रविवार की शाम ऐसे दमक उठी, मानो स्वयं त्रेता युग धरती पर उतर आया हो। रामकथा पार्क में प्रभु श्रीराम और माता सीता के अवतरण और राज्याभिषेक का भव्य दृश्य लाखों श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गया। जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभु श्रीराम के रथ को खींचना शुरू किया पूरा पार्क जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। सीएम योगी के नेतृत्व में नवें दीपोत्सव में संतों ने राम दरबार पर पुष्प वर्षा की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने संतों का वस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके पहले पुष्पक विमान उतरते ही श्रद्धालु जय श्री राम का उदघोष करते नजर आए।

राज्याभिषेक से झलका त्रेता युग

पुष्पवर्षा और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जब मुख्यमंत्री ने गुरु वशिष्ठ के साथ, भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न व हनुमान का पूजन और वंदन किया तो साक्षात त्रेता युग का आभास हुआ। स्वर्ण सिंहासन, रथ, अश्व और सुसज्जित राजसभा ने त्रेता कालीन रामराज्य को सजीव कर दिया। मुख्यमंत्री योगी ने सबसे पहले राम, लक्ष्मण, मां सीता और हनुमान जी को माला पहनाई। आगे आगे राम, उनके पीछे माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान रथ पर सवार हुए। मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं रथ को खींचकर आगे बढ़ाया, संतों ने भी उनका सहयोग किया। इसके बाद श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान मुख्यमंत्री योगी के साथ साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम की आरती की, फिर प्रतीकात्मक राज्याभिषेक कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जयवीर सिंह और राकेश सचान ने मंच पर पहुंचकर राम दरबार का पूजन और अर्चन किया। इस दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ संत, महंत, जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

दीपों से झिलमिलाई रामनगरी

रामकथा पार्क से लेकर राम की पैड़ी, धर्मपथ, लता चौक और हनुमानगढ़ी तक दीपों की पंक्तियां ऐसे झिलमिला उठीं कि पूरा नगर दिव्य आलोक में नहा गया। हर गली, हर घाट, हर भवन जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज रहा था। श्रद्धालु दीप जलाते, भक्ति गीत गाते और इस दृश्य को अपने कैमरों में कैद करते दिखे।

विश्व के सामने अयोध्या मॉडल

दीपोत्सव 2025 ने न केवल रिकॉर्ड बनाया बल्कि अयोध्या मॉडल के रूप में एक नया मानक भी स्थापित किया। यहां सुरक्षा, स्वच्छता और अनुशासन के बीच आस्था, संस्कृति और आधुनिकता का सुंदर समन्वय दिखाई दिया।

लगा जैसे देवता स्वयं अयोध्या को सजाने उतर आए हों

दीपों से जब पूरा अयोध्या आलोकित हुई तो लगा जैसे देवता स्वयं अयोध्या को सजाने उतर आए हों। रामकथा पार्क से लेकर सरयू तट तक फैला यह दृश्य वर्षों तक स्मृतियों में अंकित रहेगा। दीपोत्सव 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अयोध्या केवल एक नगर नहीं, बल्कि जीवंत आस्था की ज्योति है, जो सदा मानवता के पथ को प्रकाशित करती रहेगी।

भरत मिलाप का दृश्य बना भावविह्वल क्षण

कार्यक्रम का सबसे भावनात्मक पल तब आया जब भरत मिलाप का मंचन हुआ। चरणों में गिरते ही श्रीराम ने भरत को गले लगा लिया। क्षण भर को सभी श्रद्धालु स्तब्ध रह गए और फिर जय श्रीराम के जयकारों से पूरा सरयू तट भक्ति से सराबोर हो गया। श्रद्धालु भावविह्वल होकर नयनों से आंसुओं की धार बहाते दिखे। ऐसा लगा मानो रामायण का दृश्य प्रत्यक्ष हो उठा हो।

धनतेरस और दीपावली पर बाजारों में बढ़ी रौनक

जमकर हुई खरीदारी गाड़ियों सोने चांदी और बर्तनों की जमकर हुई खरीदारी

जौनपुर, एजेंसी। धनतेरस के अवसर पर शनिवार से रविवार तक जमकर खरीदारी हुई। बाइक, कार, हौजरी, बर्तन और सोने-चांदी के बाजार गुलजार रहे। दीपावली के पांच दिवसीय पर्व के पहले दिन शनिवार को धनतेरस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। शनिवार सुबह से ही दुकानदारों ने अपने व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सजा रखा था। शुरू में बाजारों में हल्की चहल-पहल थी। हालांकि, जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, लोगों की भीड़ बाजारों में उमड़ने लगी और रौनक लौट आई। धनतेरस को वाहन खरीदने के लिए सबसे शुभ मुहूर्त माना जाता है। इस दिन वाहन से लेकर घर-गृहस्थी का हर सामान खरीदा जाता है।जीएसटी कम होने का सीधा लाभ ग्राहकों को मिला, जिससे सभी प्रकार के रोजमर्रा की आवश्यकता की खरीदारी इसका असर दिखाई दिया। लोगों ने सोने-चांदी के साथ साथ बर्तनों की दुकान पर जमकर खरीदारी करने लोग पहुंचे, वहीं घरों की सजावट के सामान भी लोगों ने सस्ते होने कारण खरीदे। सोना-चांदी के विक्रेता विनीत सेठ ने बताया कि इस बार हर बार से ज्यादा बिक्री हुई है। जीएसटी कम होने का प्रभाव भी दिखा है। ज्यादातर सोने की डिमांड हुई है। पिछली बार की तुलना में इस बार लोगों ने ज्यादा खरीदारी की है। मार्केट में काफी दम है। लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। बर्तनों की दुकानदार बनवारी लाल कंचन का कहना है कि इस बार हर बार की अपेक्षा लोगों ने जमकर खरीदारी की है। जीएसटी काम करने से लोग जहां 5000 के सामान लेते थे। इस बार 10000 के सामान खरीदा है। बर्तनों की दुकान पर ज्यादातर पीतल और तांबे की सामान खरीदने गए हैं। सरकार का बहुत ही अच्छा फैसला है। जीएसटी कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। इस बार हमारी दुकान पर जमकर खरीदारी हुई है। बात करें ग्राहकों की तो ग्राहकों मीनाक्षी गुप्ता और प्रियंका श्रीवास्तव का भी साफ तौर पर कहना है कि इस बार दिवाली के रौनक बड़ी है। धनतेरस के अवसर पर लोगों ने जमकर बर्तनों की खरीदारी किया है साथ ही सोने चांदी के सामान भी खरीदे हैं जीएसटी कम होने से महिलाओं को काफी राहत महसूस हुई है महिलाओं का यह भी कहना है कि सरकार जीएसटी काम किया है। इस कारण हम लोगों ने और ज्यादा खरीदारी की है। सजावट के सामानों पर भी हम लोगों ने खरीदारी की है। मार्केट में काफी अच्छी लड़कियां और सजावट के सामान उपलब्ध हैं जो काफी सस्ते हैं। ग्राहक योगी जी और मोदी जी की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। लोगों ने जीएसटी काम करने के लिए सरकार को धन्यवाद भी दिया है। ग्राहकों ने ऑटोमोबाइल, टू-व्हीलर और ज्वेलरी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई। रविवार शाम तक करोड़ों रुपये के व्यापार का अनुमान है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में एसयूवी का दबदबा कायम रहा, जिसने बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए। महिंद्रा एजेंसी के जनरल मैनेजर विजय सिंह ने बताया कि धनतेरस से पहले के तीन दिनों में उनकी एजेंसी से कुल 80 गाड़ियाँ बिकीं।

वाराणसी: वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई का 190 वां जन्मोत्सव मनाया गया

-अस्सी स्थित गोयनका संस्कृत विद्यालय में राष्ट्र सेविका समिति की सदस्यों ने एकत्रीकरण के बाद महारानी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया

-पाणिनि विद्यालय की छात्राओं ने भाला, लेजियम और तलवारबाजी का किया प्रदर्शन

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी रविवार को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के तिथि अनुसार 190वीं जयंती मनाई गई। 'चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,खूब लड़ी मदार्नी वह तो झाँसी वाली रानी थी। ये पक्तियां अस्सी स्थित श्री गोयनका संस्कृत महाविद्यालय में साकार होती नजर आई। महाविद्यालय में महारानी लक्ष्मीबाई सेवा न्यास के तत्वावधान में महारानी का जन्मदिन उल्लासपूर्ण माहौल में धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव में राष्ट्र सेविका समिति की सदस्यों ने महारानी के चित्र पर पुष्प अर्पित उन्हें नमन किया। जयंती कार्यक्रम में समिति की अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डॉ. शरद रेणु ने कहा कि समता, प्रेम, समरसता की प्रतीक महारानी लक्ष्मीबाई प्रत्येक को नेतृत्व सामर्थ्य देती है। उन्होंने कहा कि रील में नहीं, रियल में जीवन ढूंढ़ना होगा। वर्तमान में भी रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती जैसे चरित्र एवं साहस की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री आशा गुप्ता ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई को ही हमें अपनी प्रेरणा मानने का संकल्प लेना चाहिए। इसके पहले न्यास के महामंत्री अधिवक्ता राजेन्द्र प्रताप पांडेय ने विषय रखा। इसके बाद पाणिनि कन्या महाविद्यालय, निवेदिता शिक्षा सदन, गोपीराधा बालिका इंटर कॉलेज,संत अतुलानंद, आदर्श शिक्षा मंदिर, सरस्वती शिशु मंदिर सहित अन्य शिक्षण संस्थाओं की छात्राओं ने महारानी लक्ष्मीबाई के जीवन और कृतित्व पर आधारित नाट्य का जीवंत मंचन किया। पाणिनि महाविद्यालय की वीर बालाओं ने भाला, लेजियम, तलवार के प्रदर्शन से झलक दिखाया कि भारत की बालिकाएं भी राष्ट्र रक्षा के तैयार हैं। कार्यक्रम के अंत में घोड़े पर सवार महारानी लक्ष्मीबाई की स्वरूप बनी छात्रा की अगुवाई में झांकी के साथ शोभायात्रा महारानी के जन्मस्थली भदैनी पर बनी प्रतिमा तक गई। यहां सभी ने महारानी के मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

दुनिया के अन्य देशों से सीधे लखनऊ का होगा एयर कनेक्शन: राजनाथ सिंह

मैं सांसद रहूं या न रहूं लखनऊ के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बनी रहेगी: रक्षामंत्री

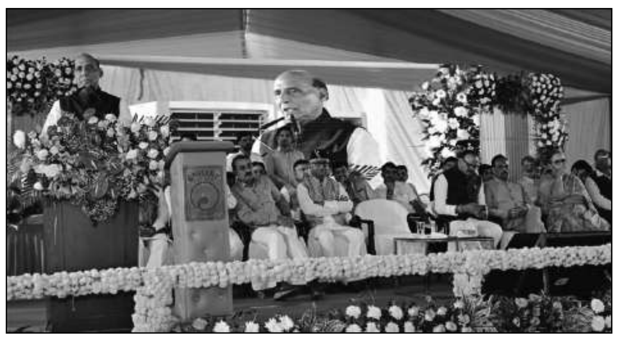

लखनऊ, एजेंसी। रक्षामंत्री और क्षेत्रीय सांसद राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई और पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजेअब्दुल कलाम की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इसके अलावा राजनाथ सिंह ने जानकीपुरम सेक्टर एफ में सामुदायिक केन्द्र और सेक्टर 6 में पुस्तकालय का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर लखनऊ के सांसद व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सांसद रहें न रहें। लखनऊ के विकास के प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता कायम रहेगी। जहां तक मुझसे हो सका है मैंने करने की कोशिश की है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों से लखनऊ का एयर कनेक्शन बन जाना चाहिए। इसके लिए प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड करिश्माई काम कर रहा है। लोगों को शादी ब्याह करने के लिए स्थान नहीं मिलता था। लखनऊ के हर विधानसभा क्षेत्र में एक बड़ा सामुदायिक केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इसके रख-रखाव के लिए थोड़ा बहुत पैसा ही लगेगा। रक्षामंत्री ने कहा कि एक भी पार्क नहीं बचना चाहिए, जहां ओपेन जिम की व्यवस्था न हो। लखनऊ के 301 पार्कों में ओपेन जिम शुरू हो गया और 250 स्थानों पर ओपेन जिम की शुरूआत आज से हो रही है। लखनऊ में 1250 सोलर लाइट लगी हैं। 25 फलाईओवर स्वीकृत है। उसमें 14 बन गये हैं। इसके अलावा 11 फलाईओवर और स्वीकृत हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ विकास के पथ पर तेजी से बढ़ चला है।

विश्व के 10 शहरों में हमारा लखनऊ भी आ गया है। मैं चाहता हूं कि यह लखनऊ नंबर एक पर आ जाय। हमारा शहर विश्वस्तरीय लखनऊ बनना चाहिए। अभी कुछ दिन पहले भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में लखनऊ को भारत के टॉप थ्री शहरों में चुना गया। उत्तर प्रदेश में नंबर वन, भारत में नंबर थ्री। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि लखनऊ स्वच्छता के मामले में नंबर वन बने। मेरी दृष्टि में लखनऊ को एक ऐसा विश्व स्तरीय शहर बनाना है जहां परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समागम हो कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, राज्यसभा सांसद बृजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, महानगर अध्यक्ष भाजपा, आनंद द्विवेदी, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ला , राम औतार कनौजिया, सौरभ वाल्मीकि एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पार्षद राजकुमारी मौर्य के आवास पहुंचकर उनकी माताजी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। विगत दिनों उनकी माता का निधन हो गया था।

एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज में हुई लाइव मिनिमल एंडोस्कोपिक सर्जरी

गोरखपुर, एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में पहली बार पित्ताशय की पथरी की लाइव मिनिमल एंडोस्कोपिक सर्जरी की गई। यह सर्जरी प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने की। सर्जरी के दौरान एमबीबीएस के विद्यार्थियों की लाइव क्लास भी चली जिसमें डॉ. माहेश्वरी विद्यार्थियों को एंडोस्कोपिक सर्जरी की बारीकियां समझाते रहे। एमजीयूजी का मेडिकल कॉलेज देश के उन चुनिंदा चिकित्सा संस्थानों में शामिल हो गया है, जहां लाइव सर्जरी हो रही है। इसके पहले नवम्बर 2024 में कैंसर की मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी (एमआरएम) सर्जरी लाइव की गई थी। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में हर माह एमपी बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ. संजय माहेश्वरी का कैम्प लगता है। इस दौरान वह कई मरीजों की सर्जरी भी करते हैं। इस बार के कैम्प में उन्होंने मिनिमल एंडोस्कोपिक सर्जरी की, जिसे एमबीबीएस के विद्यार्थियों को लाइव क्लास के रूप में दिखाया गया। ऑपरेशन थिएटर से इस दौरान डॉ. माहेश्वरी विद्यार्थियों को सर्जरी की शुरूआत से अंत तक अपनाई जाने वाली सावधानियों को समझाते रहे। सर्जरी में एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. नेहा, डॉ. चंद्रमोहन सिन्हा, ओटी स्टाफ दीपक, शुभ, आईटी टीम के रवि, सर्जरी उपकरण उपलब्ध कराने वाली कार्ल जैस और एलन कंपनी के कर्मचारियों और हॉस्पिटल के अन्य कार्मिकों का सहयोग रहा। डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उन्होंने एमबीबीएस के 150 विद्यार्थियों के लिए मिनिमल एंडोस्कोपिक सर्जरी की क्लास भी लाइव चलाई। इससे उन्हें पढ़ाई के शुरूआती दौर में ही सर्जरी से जुड़ी गहन जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि एमजीयूजी के कुलाधिपति, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा गोरखपुर को अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं का हब बनाने की है। कार्य भी उसी विजन के अनुरूप हो रहा है। एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज की इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. हरिओम, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा आदि ने पूरी टीम को बधाई दी है।

एक नजर

नाले में मिला वृद्ध का शव, सनसनी फैली

हमीरपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे बिवार थाना क्षेत्र के निवादा बस स्टैंड के पास रविवार को उस समय सनसनी फैल गई जब स्थानीय लोगों ने एक वृद्ध व्यक्ति का शव नाले में पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान 62 वर्षीय झंडू कुशवाहा, निवासी बिवार के रूप में हुई है। झंडू के तीन पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। सबसे बड़े पुत्र और तीनों पुत्रियों की शादी हो चुकी है। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार का भरण-पोषण मजदूरी से होता है। मात्र एक या दो बीघा ही कृषि भूमि है। मृतक के बड़े बेटे सियाराम कुशवाहा ने बताया कि उनके पिता जिला पंचायत सदस्य की गौशाला में काम करते थे और लंबे समय से शराब पीने के आदी थे। घटनास्थल देसी शराब ठेके के पास का बताया जा रहा है। रविवार को जब लोगों ने नाले में शव देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फील्ड यूनिट टीम के साथ जांच पड़ताल की। सीओ विनीता पहल ने बताया कि प्रारम्भिक जांच में यह मामला शराब के नशे में नाले में गिरने से हुई आकस्मिक मौत प्रतीत होता है। शव पर किसी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

एडीजी ने गोरखपुर में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

गोरखपुर, एजेंसी। धनतेरस, छोटी दीपावली के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) गोरखपुर मुथा अशोक जैन ने शनिवार को शहर के भीड़भाड़ वाले बाजारों में पैदल गश्त कर सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। एडीजी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राज करन नैयर एवं अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ कोतवाली रोड, रेती चौराहा, लाल दिग्गी चौराहा सहित प्रमुख बाजार क्षेत्रों का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहते हुए भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। एडीजी ने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

फफूंद से लापता तीन छात्र दिल्ली में दिखे

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के थाना फफूंद क्षेत्र के ग्राम रतवा से 3 नाबालिग छात्र बीते 15 अक्टूबर को घर से स्कूल जाने के लिए निकले थे, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटे। परिवारजनों की चिंता बढ़ने पर जब खोजबीन की गई, तो बच्चों का कोई पता नहीं चला। इस पर परिजनों ने थाना फफूंद में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी है। फफूंद पुलिस के अनुसार, लापता छात्रों की पहचान आशीष कुमार (15) पुत्र बृजेन्द्र कुमार, विशाल कुमार (14) पुत्र राजेश कुमार और अजय कुमार (15) पुत्र मनोज कुमार के रूप में हुई है। ये तीनों ग्राम रतवा, थाना फफूंद के निवासी हैं। जांच के दौरान पता चला है कि तीनों को आखिरी बार 16 अक्टूबर की रात लगभग 12 बजे दिल्ली के आनंद विहार होटल पार्क व्यू, गाजीपुर गांव रेलवे स्टेशन के पास देखें गए थे। इस संबंध में थाना में गुमशुदगी दर्ज करते हुए तीनों बच्चों की तलाश तेज कर दी है। इसको लेकर दिल्ली पुलिस और संबंधित इलाकों से भी संपर्क साधा गया है। साथ ही, बच्चों के हुलिए की जानकारी सार्वजनिक की गई है ताकि उनकी पहचान आसानी से हो सके। थाना प्रभारी फफूंद ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को इन बच्चों के संबंध में कोई जानकारी मिलती है, तो तुरंत औरैया पुलिस कंट्रोल रूम या थाना फफूंद से संपर्क करें, ताकि बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

वाराणसी के दो खिलाड़ी भारतीय ताइक्वांडो टीम में चयनित, यूथ एशियन गेम्स में करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला ताइक्वांडो संघ के दो प्रशिक्षु खिलाड़ियों यशिवनी सिंह और शिवांशु पटेल का भारतीय ताइक्वांडो टीम में चयन हुआ है। दोनों युवा खिलाड़ी 23 से 29 अक्टूबर तक बहरीन में होने वाले तृतीय यूथ एशियन गेम्स 2025 में ताइक्वांडो पूमसे प्रतियोगिता के युगल स्पर्धा में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों खिलाड़ियों के भारतीय टीम में चयनित होने पर उनके प्रशिक्षक चंद्रभान पटेल, माता-पिता के साथ-साथ जूनियर खिलाड़ियों ने हर्ष जताया है। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव चंद्रभान सिंह ने रविवार को बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए भारतीय ताइक्वांडो टीम को भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण लखनऊ में लगाया गया है। यहां 21 सितंबर से लगातार भारतीय खेल प्राधिकरण खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण दिला रहा है,जिससे खिलाड़ी देश के लिए अधिक से अधिक पदक अर्जित कर सकें। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भारतीय टीम 21 अक्टूबर को राजधानी दिल्ली से बहरीन के लिए रवाना होगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश से दोनों ताइक्वांडो खिलाड़ी पहली बार यूथ एशियन गेम्स में प्रतिभाग करेंगे,जो अपने आप में ही एक बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले भी यशिवनी सिंह ने 2024 में हांगकांग में आयोजित वर्ल्ड ताइक्वांडो पूमसे प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर 11वां स्थान पाया था। दोनों खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष आशीष प्रताप सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, उपाध्यक्ष रजत मिश्रा,कोषाध्यक्ष अमित जायसवाल, मार्गदर्शक सत्यवर्धन सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं।

संक्षिप्त समाचार

उरुग्वे : इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित?, क्या है बदलाव, 31 में से 20 सीनेटर ने किया पक्ष में मतदान

उरुग्वे , एजेंसी। उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है जिससे यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ अन्य देशों में शामिल हो गया है जहां गंभीर रूप से बीमार मरीज अपना जीवन समाप्त करने के लिए कानूनी रूप से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। बुधवार को उठाए गए इस कदम से उरुग्वे कैथोलिक बहुल लैटिन अमेरिका में कानून के तहत इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला पहला देश बन गया है। उरुग्वे में सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन की सीनेटर पेट्रीसिया क्रेमर ने देश की राजधानी मोंटेवीडियो में सांसदों से कहा, ''जनमत हमें इस पर विचार करने के लिए कह रहा है।'' पिछले पांच साल से रुक–रुक कर आगे बढ़ते रहे इस कानून ने बुधवार को उस समय आखिरी बाधा पार कर ली जब संसद के उच्च सदन में 31 में से 20 सीनेटर ने इसके पक्ष में मतदान किया। निचले सदन ने अगस्त में इस विधेयक को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी थी। चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ 'ब्रॉड फ्रंट' गठबंधन के सांसदों ने इच्छामृत्यु के अधिकार का जोरदार बचाव किया। इसके लिए चलाए गए अभियान की तुलना तलाक एवं समलैंगिक विवाह की वैधता से की। अमेरिकी राज्यों, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने का अधिकार केवल उन लोगों को दिया जाता है जिनके जीने की संभावना छह महीने या एक साल से अधिक नहीं है, लेकिन उरुग्वे में ऐसा नहीं है। ''असहनीय पीड़ा'' झेल रहे किसी भी लाइलाज बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को इसके लिए आवेदन करने का अधिकार होगा। उरुग्वे में इच्छामृत्यु चाहने वालों के लिए मानसिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है। बेल्जियम, कोलंबिया और नीदरलैंड के विपरीत उरुग्वे में नाबालिगों के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति नहीं है।

फ्रांस : अविश्वास प्रस्ताव से बचे पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू बृहस्पतिवार को अविश्वास प्रस्ताव से बच गए। यह उनकी कमजोर नई सरकार को गिराकर फ्रांस को राजनीतिक अराजकता में और भी ज्यादा डुबो सकता था। इसी के साथ नेशनल असेंबली में लेकोर्नू की बड़ी चुनौती दूर हो गई।

भूकंप से दहला इंडोनेशिया का पापुआ, 6.7 तीव्रता दर्ज

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ प्रांत में बृहस्पतिवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र सतह से 70 किलोमीटर की गहराई में था। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अबेपुरा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर था, जिसकी आबादी 62,000 से ज्यादा है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

बांग्लादेश के विशेष दूत ने अमेरिका के भारत राजदूत सर्जियो गोर से की महत्वपूर्ण बैठक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस के विशेष दूत लुत्फे सिद्दीकी ने बुधवार को व्हाइट हाउस के वेस्ट विंग में अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत और भारत के लिए राजदूत–नामांकित सर्जियो गोर से उच्चस्तरीय बैठक की। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने गुरुवार को बयान में कहा कि सिद्दीकी ने बैठक में उत्कृष्ट स्वागत और सार्थक चर्चा के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक में दोनों पक्षों ने वाणिज्य और निवेश सहयोग, आर्थिक और प्रशासनिक सुधार, और श्रम बाजार विकास सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार–विमर्श किया। साल 1953 में एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे के साथ एवरेस्ट अभियान में शामिल अंतिम सदस्य कांचा शेरपा का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उरुग्वे में पारित हुआ इच्छामृत्यु को मंजूरी देने वाला कानून

मोंटेवीडियो, एजेंसी। उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है। इस कानून के लागू होने से यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ देशों में शामिल हो गया, जहां गंभीर रोगी अपना जीवन खत्म करने को कानूनी मदद ले सकते हैं। इस कदम से उरुग्वे इच्छामृत्यु की मंजूरी देने वाला पहला देश बन गया है। बिल पास होने के बाद उरुग्वे में जश्न का माहौल रहा।

ह्यूस्टन के मेयर बोले–दिवाली उत्सव में आकर गर्व हुआ

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका में सर्वाधिक भारतवंशी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने दिवाली के मौके पर शहर से साझेदारी में एक कार्यक्रम किया। इसमें समुदाय के नेता, राजनयिक व भारतीय–अमेरिकी समुदाय के सदस्य एकत्रित हुए।

फ्रांस में सियासी संकट: बाल-बाल बची मैक्रों की सरकार, सदन में प्रधानमंत्री लेकोर्नु के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव गिरे

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस का ताजा सियासी संकट फिलहाल टल गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नु गुरुवार को लगातार अविश्वास प्रस्तावों से बच गए। इससे सरकार गिरने का खतरा टल गया और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को कुछ समय के लिए राहत मिल गई। हालांकि, अब भी देश का बजट पारित कराना असली चुनौती है।

हालात में थोड़ी स्थिरता जरूर आई है। लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अब भी एक अल्पमत वाली सरकार चला रही है। ससंद में कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत में नहीं है। अब हर बड़ा कानून आखिरी समय पर होने वाली सौदेबाजी पर निर्भर हो गया है और अगली बड़ी परीक्षा सालाना बजट पारित कराना है, जिसे साल खत्म होने से पहले पास करना जरूरी है।

संसद में ड्रामा : गुरुवार को 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों ने वामपंथी पार्टी फ्रांस अनबोउड की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव के पक्ष में 271 वोट पड़े, जो सरकार गिराने के लिए जरूरी 289 वोटों से 18 कम थे। दूसरा अविश्वास प्रस्ताव दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली की ओर से लाया गया, जो विफल हो गया। अगर लेकोर्नू यह वोट हार जाते, तो राष्ट्रपति मैक्रों के सामने नए संसदीय चुनाव कराने, एक और नया प्रधानमंत्री खोजने (जो एक साल में फ्रांस का पांचवां प्रधानमंत्री होता) या खुद इस्तीफा देने जैसे कुछ ही कठिन और अप्रिय विकल्प बचते, जिससे वह पहले ही इनकार कर चुके हैं।

फ्रांस इस स्थिति तक कैसे पहुंचा : जून 2024 में राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने का फैसला उनके लिए उल्टा साबित हुआ। इसके बाद जो संसदीय चुनाव हुए, उसमें निचले सदन में मैक्रों के विरोधी नेता तो बड़ी संख्या में चुनकर आ गए, लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। तबसे मैक्रों की अल्पमत सरकार एक-एक विधेयक के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है और लगातार गिर जा रही है। यह स्थिति फ्रांस की पांचवीं गणराज्य की राजनीतिक व्यवस्था से मेल नहीं खाती है, जिसकी नींव 1958 में शार्ल द गॉल के नेतृत्व में रखी गई थी। यह व्यवस्था एक मजबूत राष्ट्रपति और स्थिर संसद के बहुमत के लिए बनाई गई थी, न कि गठबंधन की सौदेबाजी या बिखरी हुई संसद के लिए। अब जब कोई भी एक दल या गठबंधन 289 सीटों के पूर्ण बहुमत के करीब भी नहीं है, तो यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था अपनी मूल संरचना के खिलाफ जाकर काम कर रही है। हर बड़ा वोट एक तनावपूर्ण मुकाबला बना रहा है और फ्रांस की शासन व्यवस्था को लेकर बुनियादी सवाल उठ रहे हैं। फ्रांसीसी मतदाताओं और पर्यवेक्षकों के लिए यह स्थिति चौंकाने वाली है। जो देश कभी यूरोप की स्थिरता का मॉडल माना जाता था, वह अब एक संकट से दूसरे संकट में फंसते चला जा रहा है।

पेंशन कानून बना अहम मुद्दा : विपक्षी दलों के कुछ सांसदों का समर्थन पाने के लिए प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने राष्ट्रपति मैक्रों के 2023 के प्रमुख पेंशन कानून को धीरे-धीरे लागू करने का प्रस्ताव रखा। इस कानून के तहत सेवानिवृत्ति की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 की जानी है। इस देरी से कानून के पूरी तरह लागू होने की समयसीमा लगभग दो साल आगे खिसक सकती है। इससे उन लोगों पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा, जो अभी सेवानिवृत्ति के करीब हैं। सरकार का कहना है कि इस देरी से अगले साल करीब 400 मिलियन यूरो (430 मिलियन डॉलर) का अतिरिक्त खर्च आएगा और 2027 तक यह लागत बढ़कर 1.8 बिलियन यूरो (1.9 बिलियन डॉलर) हो सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा है कि इन खर्चों की भरपाई के लिए अलग से प्रबंध किया जाएगा। फ्रांस में कई लोगों के लिए पेंशन का मुद्दा बहुत संवेदनशील है। 2023 के इस पेंशन कानून ने बड़े विरोध प्रदर्शनों और हड़तालों को जन्म दिया, जिससे पेरिस की सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए। इसके बाद सरकार ने अनुच्छेद 49.3 का सहारा लिया, जो प्रधानमंत्री को बिना संसद के वोट के कानून पारित कराने का विशेष सांविधानिक अधिकार देता है। लेकिन इस कदम के खिलाफ विरोध और तेज हो गया। अगली बजट की चुनौती गुरुवार को अविश्वास प्रस्तावों के विफल होने के साथ ही मैक्रों की सरकार को थोड़ा वक्त मिल गया है। अब लड़ाई 2026 के बजट पर केंद्रित हो गई है, जिस पर चर्चा 24 अक्तूबर से शुरू होगी। लेकोर्नू ने वादा किया है कि वह बजट पारित कराने के लिए अनुच्छेद 49.3 का उपयोग नहीं करेंगे। यानी बिना वोट के कोई शॉर्टकट नहीं होगा। हर एक प्रावधान को संसद में समर्थन हासिल करना होगा, जबकि संसद अब विभाजित और कमजोर स्थिति में है। सरकार और उसके सहयोगी के पास 200 से भी कम सीटें हैं। बहुमत के लिए उन्हें विपक्ष का समर्थन चाहिए। इस गणित में सोशलिस्ट पार्टी (जिसके पास 69 सांसद हैं) और कंजरवेटिव रिपब्लिकन्स (जिनके पास 50 सांसद हैं) दोनों संभावित निर्णायक समूह बन जाते हैं।

पापुआ क्षेत्र में इंडोनेशियाई सेना और अलगाववादी समूह के बीच संघर्ष, एक गांव में 14 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की सेना ने गुरुवार को कहा कि उसने पापुआ क्षेत्र के इंटान जाया जिले के सोआंगगामा गांव को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। सेना का दावा है कि इस संघर्ष में 14 अलगाववादी मारे गए। हालांकि, अलगाववादियों ने यह दावा खारिज किया है और कहा कि मारे गए में केवल तीन ही लड़ाके थे, जबकि नौ आम नागरिकों की हत्या की गई। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इवान द्वि प्रिहरतोनो ने बताया कि बुधवार सुबह दर्जनों अलगाववादी, जो हथियार और धनुष-बाण लेकर आए थे, ने सैनिकों पर हमला किया। सैनिक उस समय एक अलगाववादी पोस्ट पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे थे। छह घंटे से अधिक समय तक चला संघर्ष प्रिहरतोनो के अनुसार, सैनिकों ने छह घंटे और 30 मिनट तक चली लड़ाई के बाद अलगाववादियों को खदेड़ दिया और गांव पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने बताया कि सैनिकों को किसी भी तरह के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा। सेना ने इस दौरान एक घरेलू राइफल, चार एयर राइफल, गोलियां, दूरबीन, संचार उपकरण और अलगाववादी संगठन का मॉर्निंग स्टार झंडा बरामद किया। उन्होंने कहा, बाकी अलगाववादी जंगल की ओर भाग गए और हमने उनका बेस कब्जे में ले लिया। अलगाववादियों ने सेना का दावा किया खारिज पश्चिम पापुआ लिबरेशन आर्मी (फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन का सैन्य हिस्सा) के प्रवक्ता सेबी सांबॉम ने सेना के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई अलगाववादी बेस नहीं था और मारे गए 14 लोगों में से नौ आम नागरिक थे। उनका कहना था कि केवल तीन ही अलगाववादी थे। सांबॉम ने बताया कि सेना ने एक घर को घेर लिया और उसे अलगाववादी पोस्ट समझकर आठ लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा, हमारे पास युद्ध के नियम हैं, हम कभी भी किसी आवासीय इलाके में बेस नहीं बनाएंगे। पापुआ में हिंसा का इतिहास पापुआ में अलगाववादी आंदोलन 1960 के दशक से चल रहा है।

नेपाल सरकार ने भारत के साथ पारस्परिक कानूनी सहायता संधि को दी मंजूरी; सोनल मधेश के नए सीएम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम सरकार ने गुरुवार को भारत के साथ आपसी कानूनी सहायता संधि को मंजूरी दे दी। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आपराधिक मामलों में सहयोग को मजबूत बनाना है। यह फैसला प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री जगदीश खरेल ने बताया कि इस संधि के जरिए नेपाल न केवल भारत के साथ बल्कि अन्य देशों के साथ भी कानूनी मामलों में सहयोग बढ़ा सकेगा। प्रस्तावों को राजनयिक चैनलों के जरिए आगे भेजा जाएगा। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यह संधि ड्रग्स तस्करी, मानव तस्करी, नकली मुद्रा और अन्य सीमा पार अपराधों पर रोक लगाने में मदद करेगी। इसके अलावा अपराधियों के लिए भारत या नेपाल को सेफ जोन की तरह इस्तेमाल करना भी मुश्किल हो जाएगा। 11 नेपाली राजदूतों को वापस बुलाया गया नेपाल सरकार ने इस बैठक में एक और अहम निर्णय लिया; 11 देशों में तैनात अपने राजदूतों को वापस बुलाने का। इन देशों में चीन, जर्मनी, इस्राइल, मलेशिया, कतर, रूस, सऊदी अरब, स्पेन, ब्रिटेन, अमेरिका और जापान शामिल हैं। राजदूतों को 6 नवंबर तक नेपाल लौटने के निर्देश दिए गए हैं। इस कदम को नेपाल की विदेश नीति में बड़े फेरबदल के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल के मधेश प्रांत में जितेंद्र प्रसाद सोनल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वे लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) के नेता हैं। सोनल को 107 में से 56 प्रांतीय विधानसभा सदस्यों का समर्थन मिला। जनकपुरधाम में आयोजित समारोह में प्रांत की प्रमुख सुमित्रा सुभेदी भंडारी ने उन्हें शपथ दिलाई। सोनल की सरकार को जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, जनमत पार्टी, सीपीएन (माओवादी सेंटर) और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) का समर्थन हासिल हुआ है। संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत सरकार का गठन किया गया। दो अन्य नेताओं, जनमत पार्टी के महेश प्रसाद यादव और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के कनीश पटेल, ने भी मंत्री पद की शपथ ली। फिलहाल उन्हें कोई विभाग नहीं दिया गया है।

राष्ट्रपति के खिलाफ भड़का जेन-जेड आंदोलन, एक की मौत और 100 घायल; इस्तीफे से जेरी ने किया इनकार

लीमा, एजेंसी। पेरू के नए राष्ट्रपति जोस जेरी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जबकि देश में उनके खिलाफ चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए हैं। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से जेन-जेड युवाओं के नेतृत्व में हुआ, जिन्होंने राष्ट्रपति से पद छोड़ने की मांग की थी।

अधिकारियों के अनुसार, घायलों में 80 पुलिसकर्मी और 10 पत्रकार शामिल हैं। जांच एजेंसियां उस गोलीबारी की जांच कर रही हैं, जिसमें एक प्रदर्शनकारी की मौत हुई। राष्ट्रपति जेरी ने संसद का दौरा करने के बाद स्थानीय मीडिया से कहा मेरा दायित्व देश की स्थिरता बनाए रखना है। यही मेरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता है।

कैसे शुरू हुआ आंदोलन : लगभग एक महीने पहले शुरू हुआ यह विरोध बेहतर पेंशन और युवाओं के लिए नौकरी के अवसरों की मांग से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह भ्रष्टाचार, अपराध और सरकार की विफलताओं के खिलाफ एक बड़े जनांदोलन में बदल गया। जेरी, जो पिछले 10 वर्षों में पेरू के सातवें राष्ट्रपति हैं, ने 10 अक्टूबर को शपथ ली थी। उनके पद संभालने के तुरंत बाद प्रदर्शन और तेज़ हो गए और युवाओं ने उनके साथ-साथ सांसदों से भी इस्तीफे की मांग शुरू कर दी।

प्रदर्शन में हिंसा और मौत : प्रदर्शन के दौरान 32 वर्षीय हिप-हॉप गायक एडुआर्डो रुइज की गोली लगने से मौत हो गई। अभियोजकों ने बताया कि उन्हें सिर में गोली मारी गई थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रुइज को लीमा की सड़कों पर गिरते हुए देखा गया। गवाहों का कहना है कि गोली चलाने वाला व्यक्ति प्रदर्शनकारियों से बचने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि उसे सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी होने का संदेह था।

राष्ट्रीय लोकपाल कार्यालय के अनुसार, हिंसक झड़पों में 24 प्रदर्शनकारी और 80 पुलिसकर्मी घायल हुए। पत्रकारों पर भी हमला हुआ, जिनमें से छह को पैलेट्स से चोट लगी और चार अन्य पर पुलिस ने हमला किया।

विवादों में घिरे राष्ट्रपति जेरी : जोस जेरी ने हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति डिना बोलुआर्ते की जगह ली थी, जो विरोध प्रदर्शनों को कुचलने और अपराध पर नियंत्रण में विफल रहने के कारण बेहद अलोकप्रिय थीं। 38 वर्षीय जेरी पहले संसद के अध्यक्ष थे। उनके प्रधानमंत्री एर्नेस्टो अल्वारेज एक अति-दक्षिणपंथी पूर्व न्यायाधीश हैं, जिन्होंने पहले जेन-जेड आंदोलन को अराजकता फैलाने वाला गिरोह बताया था। जेरी पर पहले भी विवाद रहे हैं, उन पर एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया था, हालांकि मामला अगस्त में खारिज कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे को भी उठाया और सड़कों पर ÷द रेपिस्ट इज जेरी÷ जैसे नारे लगाए। जनता का गुस्सा क्यों फूटा विशेषज्ञों का कहना है कि पेरू में लोगों का आक्रोश लंबे समय से बढ़ रहा है। लगातार बदलती सरकारें, भ्रष्टाचार के मामले और अपराध ने जनता के धैर्य को खत्म कर दिया है। समाजशास्त्री ओमार कोरोनेल का कहना है कि युवाओं में असुरक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ गुस्सा पिछले दशकों की विफलताओं का नतीजा है। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां उठाकर कहा प्रदर्शन करना अधिकार है, मारना अपराध। एक महिला ने पोस्टर पर लिखा हत्यारी से बलात्कारी तक, बस चेहरा बदला है।

पेरिस की तरह वॉशिंगटन में विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं ट्रंप, अमीर कारोबारियों के डिनर में सामने रखी मंशा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वॉशिंगटन में अपनी एक खास पहचान छोड़ना चाहते हैं। इसके लिए वह लिंकन स्मारक के पास एक पेरिस की तरह एक विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान बुधवार को इस योजना का खुलासा किया। यह रात्रिभोज उन अमीर व्यापारियों के लिए था, जिन्होंने व्हाइट हाउस में 250 मिलियन डॉलर की लागत से एक भव्य हॉल (बॉलरूम) बनवाने के लिए पैसा दान किया है। हालांकि,ट्रंप ने दरवाजा बनाने की लागत का कोई जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने कहा, यह वाकई बहुत खूबसूरत होने वाला है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह शानदार होगा। कई राष्ट्रपति और उनके परिवार अपने कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस में कोई खास बदलाव करके अपनी पहचान छोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। ट्रंप भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने पहले ही कुछ डिजाइन और निर्माण से जुड़े कार्यों में बदलाव किए हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव रोज गार्डन को पक्के पत्थर से ढका हुआ आंगन बनाना है।

लेकिन यह दरवाजा केवल व्हाइट हाउस तक सीमित नहीं है। यह ट्रंप को वॉशिंगटन में एक और स्थायी स्मारक बनवाने का मौका देगा, जो स्मारकों के लिए मशहूर शहर है। यह योजना ट्रंप के उस पुराने विचार से जुड़ी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह शहर की पुरानी चीजों जैसे घास, टूटे-फूटे साइन बोर्ड और सड़कों के बीच की जगहों को नया बनाना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप को फ्रांस से मिलती है।

ट्रंप ने जो विशाल दरवाजा बनाने का प्रस्ताव रखा है, वह पेरिसके मशहूर आर्क डी ट्रायंफ से काफी हद तक मिलता-जुलता होगा। आर्क डी ट्रायंफ पेरिस की प्रसिद्ध सड़क चैंप्स-एलीसीज के अंत में स्थित है। यह स्मारक उन सैनिकों की याद में बनाया गया था, जिन्होंने फ्रांस की क्रांति और नेपोलियन के युद्ध में लड़ाई लड़ी थी।

इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन में अमेरिकी सेना के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर एक सैन्य परेड का आयोजन किया गया था। ट्रंप को इस परेड की प्रेरणा तब मिली थी, जब करीब आठ साल पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर पेरिस में ऐसी ही एक भव्य परेड देखी थी।

व्हाइट हाउस को जब इस दरवाजे के बारे में जानकारी के लिए ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया था कि यह कब तक बनकर तैयार हो सकता है, तो व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। बाद में ट्रंपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस परियोजना पर हैरिसन डिजाइन नाम की एक स्थानीय कंपनी काम कर रही है। हालांकि, इस कंपनी ने भी गुरुवार को भेजे ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोल्टन पर 18 मामलों में आरोप तय:आजीवन जेल हो सकती है; ट्रम्प के खिलाफ जाकर भारत का समर्थन किया था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) रहे जॉन बोल्टन पर गोपनीय जानकारी के गलत इस्तेमाल और लीक करने के आरोप में केस दर्ज हुआ है। बोल्टन पर राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी शेयर करने के 8 और गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने के 10 आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जॉन बोल्टन ने ट्रम्प प्रशासन में काम करते वक्त अपनी गतिविधियों के नोट्स और डायरी एंट्रीज एओएल ईमेल अकाउंट में सेव की थीं। जांच एजेंसियों का कहना है कि इन नोट्स में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील बातें शामिल थीं, जिन्हें उन्होंने खुद को और परिवार को मेल किया था। 76 साल के बोल्टन अगर दोषी पाए गए तो उन्हें आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। 2021 में बोल्टन का ईमेल अकाउंट ईरानी हैकर्स ने हैक कर लिया था। हैकर्स ने धमकी दी थी कि अगर बोल्टन के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे यह जानकारी लीक कर देंगे, जैसे 2016 में हिलेरी क्लिंटन के ईमेल लीक हुए थे। बोल्टन ने ट्रम्प के खिलाफ भारत का समर्थ किया था बोल्टन ने अगस्त में सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को भारी भूल बताया था। उन्होंने ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा था कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। इसके अलावा बोल्टन ने पिछले महीने कहा था कि ट्रम्प और पीएम मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है। ब्रिटिश मीडिया एलबीसी को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रम्प की नीति की आलोचना करते हुए कहा, व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए हैं। चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रम्प के विकल्प के रूप में पेश किया है।

ट्रम्प ने बोल्टन को बुरा आदमी बताया : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने बोल्टन पर आरोप तय होने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वो बुरा आदमी, जैसा करोगे वैसा भरोगे। बोल्टन ट्रम्प प्रशासन में 2018 से 2019 तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे। दोनों के बीच कई मतभेद रहे। बोल्टन ने इस्तीफा देने के बाद ट्रम्प पर तीखे आरोप लगाए और किताब लिखी, जिसे ट्रम्प ने चुनाव से पहले रोकने की कोशिश की थी। पहली जांच 2021 में बंद हुई थी, लेकिन अब मामला फिर से खोला गया है। केस अब फेडरल कोर्ट में चलेगा।

आईवीएफ को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए ट्रंप की नई पहल; बीमा कवरेज और दवा मूल्य में भारी कटौती का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन इलाज को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए दो बड़े कदमों की घोषणा की। ये कदम उनके चुनावी वादों में से एक थे, जिन्हें उन्होंने अब अमल में लाने की शुरुआत कर दी है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस से घोषणा करते हुए बताया कि उनकी प्रशासन जल्द ही ऐसा दिशा-निर्देश जारी करेगी जिससे कंपनियां अपने कर्मचारियों के हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में आईवीएफ कवरेज शामिल कर सकेंगी। इसके साथ ही उन्होंने एक फार्मा कंपनी के साथ समझौते की भी घोषणा की है, जिसके तहत फर्टिलिटी दवाएं अब 84% तक सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगी।

फर्टिलिटी दवाओं पर 84% तक छूट: ट्रंप ने बताया कि ईएमडी सेरोनो, जो दुनिया की सबसे बड़ी फर्टिलिटी ड्रग निर्माता कंपनी है, अब अमेरिका में अपनी सभी फर्टिलिटी दवाएं भारी डिस्काउंट पर बेचेगी। कंपनी की उपाध्यक्ष लिब्बी हॉर्न ने पुष्टि की कि वे गोनल-एफ समेत कई दवाओं पर 84% तक की छूट दे रही हैं। इसके अलावा कंपनी की दूसरी आईवीएफ दवा पेर्गोवेरिस को भी एफडीए के राष्ट्रीय प्राथमिकता कार्यक्रम के तहत मंजूरी के लिए भेजा गया है। यह दवा पहले से ही कनाडा, यूरोप और एशिया के कई देशों में उपलब्ध है।

ट्रंप बोले- मैं हूं फर्टिलाइजेशन प्रेसिडेंट: ट्रंप ने खुद को फर्टिलाइजेशन प्रेसिडेंट कहा और बताया कि यह पहल उन लाखों दंपतियों के लिए है जो संतान प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका के इतिहास में अब तक किसी भी राष्ट्रपति द्वारा उठाया गया सबसे बड़ा आईवीएफ समर्थन कदम है। अलबामा की सीनेटर केटी ब्रिट ने भी इस योजना की सराहना की और कहा कि यह कदम उन सभी परिवारों को उम्मीद देगा जो आईवीएफ इलाज को लेकर आर्थिक रूप से जूझ रहे हैं।

बीमा में शामिल होगा आईवीएफ इलाज

ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी होने वाले नए दिशा-निर्देश के तहत श्रम मंत्रालय, ट्रेजरी और स्वास्थ्य विभाग मिलकर ऐसा मॉडल तैयार कर रहे हैं, जिससे आईवीएफ कवरेज को डेंटल या विजन इंश्योरेंस की तरह आसानी से जोड़ा जा सके। हालांकि, यह कवरेज पूरी तरह वैकल्पिक होगा यानी कंपनियों पर इसे लागू करने का कोई दबाव नहीं होगा। प्रीमियम की राशि हर कंपनी की बीमा योजना के ढांचे पर निर्भर करेगी।

आईवीएफ की ऊंची लागत पर चिंता : ट्रंप ने कहा कि आईवीएफ इलाज की लागत फिलहाल 15,000 से 20,000 डॉलर (करीब 12 से 16 लाख रुपये) प्रति चक्र है, जो आम परिवारों के लिए काफी महंगा है। इसलिए सरकार का लक्ष्य है कि बीमा कवरेज और दवाओं की कीमत घटाकर इसे अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके। यह पहल ट्रंप द्वारा फरवरी में जारी किए गए एक एक्जीक्यूटिव ऑर्डर का ही हिस्सा है, जिसमें आईवीएफ लागत कम करने के उपाय खोजने के निर्देश दिए गए थे।

अलबामा के विवाद के बाद बढ़ी जागरूकता : पिछले साल अलबामा सुप्रीम कोर्ट ने एक विवादास्पद फैसले में कहा था कि जमे हुए भ्रूण को बच्चा माना जा सकता है। इस फैसले से आईवीएफ क्लीनिकों में कानूनी अनिश्चितता पैदा हो गई थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने आईवीएफ प्रदाताओं के लिए सुरक्षा कानून पारित किया।

चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे पर जयराम रमेश ने केंद्र सरकार को आगाह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर केंद्र सरकार को आगाह किया है। रमेश ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि अप्रैल से सितंबर 2025 के दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 54.4 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 49.6 अरब डॉलर था। जयराम रमेश ने कहा कि चीन से आयात लगातार बढ़ रहा है, जिसपर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

सीतारमण ने बल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कर्नाटक के बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केएजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केएजीबी को अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए जमीनी स्तर पर कृषि ऋण वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सलाह दी। सीतारमण ने सभी हितधारकों को क्षेत्र में संबद्ध कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। डीएफएस सचिव एम नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी, केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वित्त मंत्री ने समीक्षा के दौरान ऋण वितरण वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के तहत प्रदर्शन और केएजीबी की सरकार की प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और संबद्ध क्षेत्र को ऋण वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया। सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से आग्रह किया कि वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ एफपीओ की पूंजीगत ज़रूरतें विकास वित्तीय संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं।

निसान मैग्नाइट एएमटी सीएनजी के साथ लॉन्च, इंटीग्रेटेड फ्यूल लिड डिजाइन पेश

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने दिवाली से पहले भारतीय ग्राहकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी निसान मैग्नाइट के ऑटोमैटिक (श्रं-शिफ्ट) वेरिएंट के लिए अब सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा शुरु कर दी है। पहले ये सुविधा सिर्फ मैनुअल वेरिएंट के लिए उपलब्ध थी, लेकिन ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए कंपनी ने इसे ऑटोमैटिक मॉडल के लिए भी लॉन्च कर दिया है। निसान मोटर इंडिया ने अपने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट प्रोग्राम के विस्तार करने का ऐलान किया। जीएसटी परिषद के हालिया फैसले वस?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद कंपनी ने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट की कीमत को घटाकर 71,999 रुपये कर दिया है। नई कीमतें 22 सितंबर से पूरे भारत में सभी अधिकृत निसान सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सेंटर पर प्रभावी हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा अपग्रेड के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। कंपनी ने कहा कि अब नई निसान मैग्नाइट BR10 श्रं-शिफ्ट (एएमटी) के लिए सरकार से प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की पेशकश की गई है। नई निसान मैग्नाइट क्क्र10 मैनुअल ट्रांसमिशन में रेट्रोफिटमेंट को लेकर ग्राहकों की मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए उठाया गया है। निशान इंडिया मोटर ने कहा कि यह कदम सुगम, दक्ष और ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की निसान की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और उल्लेखनीय पड़ाव है।

यूको बैंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये

नई दिल0ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने चालू वित?त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्?त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में यूको बैंक को 603 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यूको बैंक ने एक बयान में बताया कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक का कुल कारोबार 5.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 13.23 फीसदी अधिक है। बैंक ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सकल अग्रिम 16.56 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल जमा 10.85 फीसदी बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये रहा। यूको बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 0.62 फीसदी घटकर 2.56 फीसदी रही। यूको बैंक देश का एक प्रमुख बैंक है। इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है।

यूको बैंक UCO BANK

व्यापारियों की दीपावली मनेगी भव्य, 738 करोड़ जीएसटी रिफंड जारी : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से राजधानी के कारोबारियों की दीपावली को भव्य और वैभवपूर्ण बनाने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा कि दीपावली से पूर्व तक दिल्ली के व्यापारियों को उनका जीएसटी रिफंड लगातार दिया जा रहा है। इस मद में उन तक 738 करोड़ की राशि पहुंचा दी गई है। यह प्रकिया जारी है और आधुनिक तकनीक के जरिए व्यापारियों को लगातार उनका जीएसटी रिफंड निपटाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार आम जन तक भी खुशियां पहुचांने का लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत हम पानी के लंबित बिलों व अनधिकृत पेयजल व सीवर के कनेक्शनों पर भारी राहत दे रहे हैं, इसके लिए पेमेंट चार्ज व पेनल्टी पर 100 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

हमारी सरकार की यह योजना भी आम जन के लिए दीपावली का उपहार है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हमारी सरकार व्यापारियों का जीएसटी रिफंड करने के लिए लगातार प्रभावी प्रयास कर रही है। इसे निपटाने के लिए नई तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के परिणामस्वरूप व्यापार व कर विभाग ने अभी तक 1002 करोड़ रुपये के लंबित जीएसटी रिफंड मामलों को सफलतापूर्वक निपटा दिया गया है। इनमें से 738 करोड़ रुपये की राशि दिल्ली के व्यावसायिक संस्थानों और व्यापारियों को रिफंड के रूप में भेज दी गई है। विभाग की यह अब तक की उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसने रिफंड प्रक्रिया को नई गति दी है। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि रिफंड निपटान प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए जीएसटी विभाग ने आईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह मॉड्यूल डेटा एनालिटिक्स, डेटा ऑटोमेशन और त्वरित जांच प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे रिफंड आवेदन शीघ्रता से निपटाए जा रहे हैं। अभी तक विभाग द्वारा कुल 8259 रिफंड आवेदनों का निपटारा किया गया है, जो एक रिकॉर्ड संख्या है। इन आवेदनों में से 7409 आवेदन 10 लाख रुपये से कम के रिफंड दावों से जुड़े थे। इन छोटे दावों के शीघ्र निपटारे से दिल्ली के छोटे व्यापारियों और व्यवसायियों को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री के मुताबिक यह प्रयास न केवल करदाताओं के विश्वास को मजबूत करता है, बल्कि दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करेगा।

इंडिगो एयरलाइन 30 चौड़े आकार वाले ए350 विमान खरीदेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो ने एयरबस के साथ 30 अतिरिक्त ए350-900 विमान खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही चौड़े आकार वाले विमानों के लिए उसके कुल ऑर्डर 60 हो गए हैं। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि उसने एयरबस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे एयरबस ए350-900 विमानों के उसके 70 खरीद अधिकारों में 30 को निश्चित ऑर्डर में बदलने की पुष्टि हुई है। कंपनी के मुताबिक,इंडिगो ने अपने चौड़े आकार के विमानों के ऑर्डर को अब 30 से बढ़ाकर 60 एयरबस ए350-900 विमान कर दिया है। दोनों पक्षों ने जून में इन अतिरिक्त 30 विमानों के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समय इंडिगो के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है। गौरतलब है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार कर रही है। उसके पास अब 40 और ए350 श्रेणी के विमानों के खरीद अधिकार हैं।

सोलापुर में बाढ़ से 867 करोड़ रुपए का नुकसान

एजेंसी

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में हाल ही में आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर जनजीवन और कृषि क्षेत्र को प्रभावित किया है। जिले में बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन पूरा कर लिया गया है। प्रशासन ने 867 करोड़ रुपए के नुकसान की रिपोर्ट सरकार को भेज दी है।इस आपदा से जिले की अर्थव्यवस्था को भारी धक्का लगा है, क्योंकि अधिकांश किसान अपनी फसलें और आजीविका दोनों गंवा चुके हैं। जिला कलेक्टर कुमार आशीर्वाद ने जानकारी दी कि बाढ़ से लगभग छह लाख चार हजार हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई है, जिसमें विभिन्न प्रकार की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। करीब 7.60 लाख किसान बाढ़ की चपेट में आए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से राहत पैकेज तैयार किया गया है और अगले एक-दो दिनों में किसानों के खातों में सहायता राशि जमा होनी शुरू हो जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि यह आर्थिक सहायता शीघ्र ही सभी पात्र किसानों तक पहुंचे ताकि वे अपने खेतों को दोबारा तैयार कर सकें और दीपावली से पहले कुछ राहत महसूस कर सकें। जिला योजना समिति की ओर से भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। कल से जिले के लगभग 15,000 सबसे अधिक प्रभावित

परिवारों को दीपावली के लिए राशन किट उपलब्ध कराई जाएगी। किट में अठारह प्रकार की आवश्यक वस्तुएं शामिल की गई हैं, जिनमें चावल, दाल, तेल, मसाले, चीनी, नमक और अन्य दैनिक जरूरत की चीजें होंगी। इन राहत सामग्रियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए बड़े ट्रक और छोटे टेंपो की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन किटों का वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा ताकि हर जरूरतमंद तक यह सहायता समय पर पहुंचे। इसके अलावा, मंत्री जयकुमार गोरे ने भी दिवाली के अवसर पर एक विशेष पहल की है। उन्होंने बताया कि 15,000 बाढ़ पीड़ित परिवारों को सरकारी राहत किट के साथ कपड़ों का उपहार भी दिया जाएगा। इसमें पुरुषों के लिए शर्ट-पैंट और महिलाओं के लिए साड़ियां शामिल हैं। जिला कलेक्टर आशीर्वाद ने कहा कि यह पहल बाढ़ पीड़ितों को न केवल आर्थिक बल्कि मानसिक रूप से भी सहारा देगी।

पीएलआई योजना के तहत एसी, एलईडी लाइट के लिए आवेदन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एसी और एलईडी लाइट (व्हाइट गुड्स) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आवेदन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ा दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने व्हाइट गुड्स (एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट) के लिए पीएलआई योजना के चौथे चरण के लिए आवेदन अवधि 10 नवंबर, 2025 तक बढ़ा दी है। मंत्रालय के मुताबिक पात्र आवेदक 10 नवंबर, 2025 तक व्हाइट गुड्स श्रेणी के अंतर्गत पीएलआई पोर्टल https://pliwg.dpiit.gov.in पर अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। चौथे चरण के लिए आवेदन की अवधि पहले 15 सितंबर, 2025 से 14 अक्टूबर, 2025 तक थी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि उद्योग जगत की अत्यधिक रुचि और योजना के प्रति बढ़ते निवेश रुझान को देखते हुए इसे बढ़ाया गया है। यह व्हाइट गुड्स के उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत देश में एयरकंडीशनर और एलईडी लाइटों

के बढ़ते घरेलू विनिर्माण के प्रति विश्वास को दर्शाता है। इस योजना के पहले के चरणों में काफी निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई हैं, जिससे संपूर्ण मूल्य श्रंखला में विनिर्माण क्षमता में वृद्धि व रोजगार सृजन में योगदान मिला है। उल्लेखनीय है कि व्हाइट गुड्स के लिए अप्रैल 2021 में 6 हजार 238 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ आरंभ की गई पीएलआई योजना का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना था। इस योजना का मकसद स्थानीय स्तर पर इसके प्रमुख घटक के उत्पादन प्रेरित करना और एयर कंडीशनर और एलईडी प्रकाश वस्तुओं के क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को मजबूत बनाना है।

कृषि के क्षेत्र में मध्य प्रदेश स्थापित कर रहा नये कीर्तिमान

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कृषि विकास और किसान कल्याण में मध्य प्रदेश सरकार प्राण-प्रण से जुटी हुई है। उत्पादक गतिविधियों में मध्य प्रदेश नवाचार कर रहा है। सरकार किसानों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है। प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उत्पादन में रिकॉर्ड दर्ज कर प्रदेश को अनेक अवार्ड हासिल हुए हैं। मप्र दालों के उत्पादन में देश भर में प्रथम स्थान पर, खाद्यान उत्पादन में द्वितीय स्थान पर और तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। प्रदेश में त्रि-फसली क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। प्रदेश में नरवाई जलाने की घटनाओं में कमी (हतोत्साहित) करने के लिए प्रदेश में प्रभावी कार्यवाही की गई है। जनसम्पर्क अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा रबी 2024-25 में उपार्जित गेहूं पर 175 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2025 में लगभग 83.50 लाख से अधिक किसानों को करीब 1770 करोड़ रुपये किसान सम्मान निधि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत 81 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1624 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक के माध्यम से जमा की गई।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार भारत सरकार की प्राईस सर्पोट स्कीम अंतर्गत सोयाबीन का उपार्जन किया गया, जिसमें 2,12,568 कृषकों से कुल 6.22 लाख मीट्रिक टन मात्रा का उपार्जन किया गया है, जिसके न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि 3043.04 करोड़ है। श्रीअन्न के उत्पादन को बढावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू की है, जिसके तहत किसानों को 3900 रुपये प्रति हेक्टेयर डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वाईल हेल्थ कार्ड और सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि का लाभ भी मिल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल के नुकसान का समय पर आकलन एवं राहत राशि का वितरण किसानों को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में नामांकन एवं दावा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, एनसीआईपी पोर्टल के साथ भूमि रिकॉर्ड को सफलता पूर्वक एकीकृत करने और पोर्टल को किसान अनुकूल बनाने के लिए मध्य प्रदेश को 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया है। नमो ड्रोन दीदी योजनांतर्गत मध्य प्रदेश में 89 दीदियों को स्वाबलंबी बनाया गया है। नमो ड्रोन से 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में तरल उर्वरक का छिड़काव कर दीदियों ने 21.22 लाख रूपये की शुद्ध आय प्राप्त की है। वर्ष 2025-26 में 1066 दीदिओं को योजनांर्तगत लाभान्वित किया जा रहा है। [[जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि कृषकों द्वारा फसल अवशेष (पराली) जलाने से रोकने के लिये शासन द्वारा कई कदम उठाये गये है, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करते हुए 412 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी की गई है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन रही तेजी, सेंसेक्स 485 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। इस हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। प्रमुख बैंकों एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी और विदेशी कोषों की लिवाली के दम पर लगातार तीसरे दिन बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 485 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी 25,700 के ऊपर बंद हुआ। बॉम्बे स?टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 484.53 अंक यानी 0.58 फीसदी उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान एक समय यह 704.58 अंक बढ़कर 84,172.24 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स?टॉक एक?सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 124.55 अंक यानी 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ 25,709.85 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 4.18 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त में सफल रहे। वहीं, इंफोसिस, एचसीएल टेक, इटर्नल, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर पिछड़ने वालों में शामिल रहे। इसके अलावा एशियाई बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कोस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि यूरोप के बाजार तेजी से नीचे कारोबार कर रहे थे।

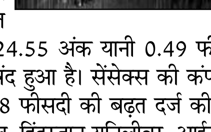

बड़े उद्यमी कर रहे एमएसएमई नीति का दुरुपयोग, सरकार कसे शिकंजा

एजेंसी

नई दिल्ली। ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स का मामला पकड़ में आने के बाद यह सामने आया कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति (2012) में छोटे व्यवसायों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए बनाए गए नियमों का उल्लंघन बड़े कॉरपोरेट घराने कर रहे हैं। लघु एवं सूक्ष्म उद्यमियों ने धोखाधड़ी करने वाली संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का सरकार से आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि 2012 में घोषित नीति के तहत यह प्रावधान किया गया था सभी प्रकार की सरकारी खरीद में कम से कम 25 फीसदी एमएसमई के लिए आरक्षित रखा जाए। ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग नामक कंपनी ने इस योजना का बेजा लाभ उठाया।

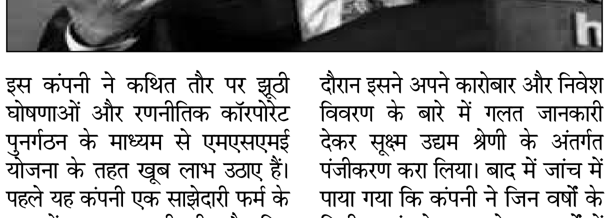

इस कंपनी ने कथित तौर पर झूठी घोषणाओं और रणनीतिक कॉरपोरेट पुनर्गठन के माध्यम से एमएसएमई योजना के तहत खूब लाभ उठाए हैं। पहले यह कंपनी एक साझेदारी फर्म के रूप में काम कर रही थी और फिर अप्रैल, 2021 में ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड में परिवर्तित हो गई। इस परिवर्तन के दौरान इसने अपने कारोबार और निवेश विवरण के बारे में गलत जानकारी देकर सूक्ष्म उद्यम श्रेणी के अंतर्गत पंजीकरण करा लिया। बाद में जांच में पाया गया कि कंपनी ने जिन वर्षों के वित्तीय आंकड़े बताए थे, उन वर्षों में वह निगमित भी नहीं थी और उसने सूक्ष्म उद्यम होने के लिए जानबूझकर शून्य कारोबार दिखाया था। बैलेंस शीट के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का कुल कारोबार 228 करोड़ रुपये से अधिक था, जो स्पष्ट रूप से मध्यम उद्यम श्रेणी में आता है। एक शिकायत के बाद महाराष्ट्र सरकार के उद्योग निदेशक ने गलत जानकारी की पुष्टि करने के साथ ही इसके पंजीकरण को रद्द करने की सिफ़ारिश भी कर दी। इसके बाद कंपनी ने इसका रिवर्स विलय एक दूसरी कंपनी प्रिसिजन कंटेनर्स लिमिटेड में कर दिया। इस विलय के बाद नई कंपनी ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का गठन कर लिया गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 1,213 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 1,213 करोड़ रुपये रहा। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 913 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। सेंट्रल बैंक ने जारी बयान में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में उसका कुल कारोबार 14.43 प्रतिशत बढ़कर 6.45 लाख करोड़ रुपये से 7.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकारी स्वामित्व वाले बैंक के मुताबिक जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल जमा राशि 13.40 फीसदी बढ़कर 4.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3.92 लाख करोड़ रुपये थी।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India

इस दौरान सेंट्रल बैंक की सकल गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 3.01 फीसदी रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.59 फीसदी थी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का प्रमुख बैंक है, जिसकी स्थापना स्वदेशी आंदोलन से प्रभावित होकर एक पारसी बैंकर सर सोराबजी पोचखानवाला ने 1911 में की थी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर

एजेंसी

मुंबई। अर्थव्यस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.60 अरब डॉलर घटकर 572.10 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 3.59 अरब डॉलर बढ़कर 102.36 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13 करोड़ डॉलर घटकर 18.684 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 3.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.63 अरब डॉलर रह गया।

दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के लिए कदम उठा रही है सरकार : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के उपायों पर काम कर रही है, जिसमें चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत, घरेलू अन्वेषण को बढ़ावा देना और रीसाइक्लिंग एवं प्रसंस्करण में स्टार्टअप्स को शामिल करना शामिल है। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसोचैम) के सालाना सम्मेलन और 105वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि व्यापारिक साझेदारियां संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी हों। गोयल ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि अब वह मजबूत स्थिति में बातचीत करता है, जो देश के बढ़ते आर्थिक आत्मविश्वास और मुक्त व्यापार समझौतों एवं अन्य व्यापारिक व्यवस्थाओं के प्रति भारत के दृष्टिकोण के संदर्भ में वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने एमएसएमई को सशक्त बनाने और नवाचार एवं स्थिरता को बढ़ावा देने में एसोचैम की भूमिका पर भी जोर दिया, जो 2047 के विकासशील भारत के लिए आवश्यक है। गोयल ने कहा कि तांबा, लिथियम, निकल और कोबाल्ट जैसे दुर्लभ खनिज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों से लेकर लड़ाकू विमान तक कई उद्योगों के लिए जरूरी कच्चा माल हैं। ये खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी विनिर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। चिली, पेरू और ऑस्ट्रेलिया में इन खनिजों के भंडार मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौता लागू हो चुका है। दक्षिण अमेरिकी देशों चिली एवं पेरू के साथ भी बातचीत जारी है। भारतीय टीम अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए इन देशों का दौरा कर रही है। उन्?होंने कहा कि चिली एवं पेरू जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ व्यापार समझौते की कोशिशों के पीछे दुर्लभ खनिजों की अहम भूमिका है। वाणिज्?य मंत्री ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, ईएफटीए समूह और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए भारत के निर्यात को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार 10,000 करोड़ रुपये की 'कोषों का कोष' योजना के लिए दिशा-निर्देश तैयार कर रही है, जो स्टार्टअप फर्मों के लिए लंबी अवधि की वित्तीय सहायता पर केंद्रित है। गोयल ने कहा कि भारत घरेलू खोज बढ़ाने, अवशिष्ट से खनिज निकालने वाले स्टार्टअप और देश में प्रसंस्करण सुविधाओं के निर्माण पर भी विचार कर रहा है। वाणिज्?य मंत्री ने उद्योग को आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की सलाह देते हुए कहा, ÷हमें अपने आपूर्ति श्रृंखलाओं का मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या वे किसी एक देश पर अधिक निर्भर हैं। यदि निर्भर हैं, तो हम कमजोर हो सकते हैं, खासकर उस समय जब व्यापार को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।÷ उनका इशारा चीन की तरफ था जिसने दुर्लभ खनिज तत्वों के निर्यात पर बंदिशें लगा दी हैं, जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की आपूर्ति बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक दृष्टिकोण भारत को अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करने, निर्यात को बढ़ावा देने और निवेश एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के अवसर पैदा करने में सक्षम बनाता है, साथ ही ऐसे समझौतों से बचने में भी मदद करता है जो भारत की कीमत पर दूसरे पक्ष को अत्यधिक लाभ पहुंचा सकते हैं। मंत्री ने बताया कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ मज़बूत बना हुआ है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मज़बूत बुनियाद को दर्शाता है।

पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हराया

वनडे सीरीज

- **डकवर्थ लुईस नियम के तहत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 131 रन का लक्ष्य मिला था**

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डकवर्थ लुईस नियम के तहत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 131 रन का लक्ष्य मिला था। कप्तान मिशेल मार्श के नाबाद 46 रनों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 21.1 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही थी। टीम ने ट्रेविस हेड (8 रन) और मैट शॉर्ट (8 रन) का विकेट जल्दी खो दिया। लेकिन इसके बाद मार्श और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश फिलीप ने तीसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी कर जीत की बुनियाद रखी। फिलीप 29 गेंद पर 2 छक्के और 3 चौके की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए। रेनशॉ 24 गेंद पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। मार्श 52 गेंद पर 3 छक्के और 2 चौकों की मदद से 46 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने 1-1 विकेट लिए।

इससे पहले टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 26 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 136 रन बनाए। बार-बार बारिश आने की वजह से मैच 50 ओवर की जगह 26 ओवर का कर दिया गया। लगभग सात महीने के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों फ्लॉप रहे। रोहित शर्मा 14 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हुए। वहीं विराट कोहली 8 गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए।

केएल राहुल ने 31 गेंद पर 2 छक्के और 2 चौकों की मदद से 38 रन बनाए। वहीं अक्षर पटेल ने 38 गेंद पर 31 रन बनाए। इन दोनों की वजह से ही टीम इंडिया 136 तक पहुंच सकी। श्रेयस अय्यर 11 और वाशिंगटन सुंदर 10 रन बनाकर आउट हुए। नितीश कुमार रेड्डी ने 11 गेंद पर 2 छक्के की मदद से नाबाद 19 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टार्क-नाथ एलिस ने 1-1 और जोश हेजलवुड, मिचेल ओवेन और मैथ्यू कुन्हमैन ने 2-2 विकेट लिए।

पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद हमने वापसी की कोशिश की : गिल

पर्थ, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में शुरुआती तीन झटकों के बाद वापसी करना उनकी टीम के लिए आसान नहीं था लेकिन उन्होंने मैच में प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया।
भारत ने पावरप्ले के ओवरों में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के विकेट गंवाए जिससे मेहमान टीम कभी उबर नहीं पाई और बारिश से बाधित मैच में सात विकेट से हार गई। गिल ने मैच के बाद कहा, ''जब आप पावरप्ले में तीन विकेट गंवाते हैं तो यह कभी भी आसान नहीं होता। आप हमेशा वापसी करने की कोशिश करते हैं। इस मैच से बहुत कुछ सीखने को मिला। कोहली (शून्य) और शर्मा (आठ) की शानदार वापसी केवल 22 गेंद तक ही रही जिससे भारत का स्कोर नौवें ओवर में तीन विकेट पर 25 रन हो गया। लेकिन गिल ने कहा कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया को आसानी से जीत दर्ज नहीं करने दी। उन्होंने कहा, ''26 ओवरों में 130 रन का बचाव करते हुए हम मैच को काफी गहराई तक ले गए इसलिए हम इससे संतुष्ट हैं।'' उन्होंने कहा कि स्टेडियमों में प्रशंसकों की भारी भीड़ टीम को सीमित ओवरों के दौरे पर प्रेरित करेगी। गिल ने कहा, ''हम भाग्यशाली हैं कि हम जहां भी खेलते हैं, प्रशंसक भारी संख्या में आते हैं। उम्मीद है कि वे एडिलेड में भी हमारा उत्साहवर्धन करेंगे। यह 2025 में भारत की वनडे में पहली हार थी जिससे उनकी लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद 46 रन बनाकर अपनी टीम को 29 गेंद रहते जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि डकवर्थ लुईस नियम के तहत 131 रन के लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था क्योंकि गेंद थोड़ी स्विंग कर रही थी। उन्होंने कहा, ''आज मौसम ने अपना असर दिखाया। सभी दर्शकों का शुक्रिया जो मैदान पर रहे। जीत हासिल करना अच्छा लगता है। घर पर जीतना हमेशा अच्छा लगता है। मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना बहुत पसंद है।'' मार्श ने कहा, ''गेंद थोड़ी स्विंग कर रही थी। हम जानते थे कि दोनों टीमों के लिए यही स्थिति होगी इसलिए लक्ष्य तक पहुंचना थोड़ा मुश्किल था। मुझे हमारे युवा खिलाड़ियों पर गर्व है जो मैदान पर उतरे और हमें जीत दिलाई।

संक्षिप्त

पाकिस्तान के वनडे कप्तान पद से हटाया जा सकता है रिजवान को

कराची, एजेंसी। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के वनडे कप्तान पद से हटाया जा सकता है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय चयन समिति और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सलाहकार बोर्ड की सोमवार को लाहौर में संयुक्त बैठक होगी जिसमें वनडे कप्तान पर फैसला किया जा सकता है।

पीसीबी ने एक बयान में पुष्टि की कि पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीमों के मुख्य कोच माइक हेसन ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को पत्र लिखकर एकदिवसीय टीम के मामलों और कप्तानी पर चर्चा के लिए चयनकर्ताओं और सलाहकारों की बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। बयान में कहा गया है, ''वनडे कप्तानी पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

लेयला फर्नांडीज ने अपने करियर का पांचवां खिताब जीता

ओसाका (जापान), एजेंसी। लेयला फर्नांडीज ने रविवार को डब्ल्यूटीए जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में 18 वर्षीय क्वालीफायर टेरेजा वैलेंटोवा को 6-0, 5-7, 6-3 से हराकर अपने करियर का पांचवां खिताब जीता। अपने करियर के आठवें फाइनल में खेलते हुए फर्नांडीज ने पहला सेट 29 मिनट में जीत लिया। वैलेंटोवा ने दूसरे सेट के 12वें गेम में फर्नांडीज की सर्विस तोड़कर मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट में 27वीं रैंकिंग की खिलाड़ी फर्नांडीज ने चौथे गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक प्वाइंट हासिल किया और चेक गणराज्य की खिलाड़ी की चुनौती से पार पाकर जुलाई में डब्ल्यूटीए 500 डीसी ओपन जीतने के बाद सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता।

अहमदाबाद डिफेंडर्स ने मुंबई मीटियर्स को सीज़न की पहली हार दी

हैदराबाद, एजेंसी। अहमदाबाद डिफेंडर्स ने शनिवार को आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग पावर्ड बाय स्कैपिया के मुकाबले में अब तक अपराजित मुंबई मीटियर्स को चौंकाते हुए 12-15, 15-7, 15-12, 21-20 से हराया। नंधगोपाल को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आज यहां गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मिली इस जीत के साथ अहमदाबाद डिफेंडर्स 6 मैचों में 12 अंकों के साथ अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि मीटियर्स तीसरे स्थान पर खिसक गए। अहमदाबाद की ओर से नंधा ने शानदार शुरुआत की, जबकि मुथुसामी अप्पावु ने बीच से आक्रमण सजाते हुए अबिनव की ताकत का पूरा उपयोग किया। मुंबई ने ज़ोन 2 में छोटे गैप्स को निशाना बनाया, वहीं माथियास लॉफ्टेसेनेस ने एक बेहतरीन सुपर सर्व किया। पेटर ऑस्टविक ने दो बार अंगमुथु को ब्लॉक किया, लेकिन ध्रुविल शाह की सटीक सर्विस ने स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा।

अंडर-17 महिला विश्व कप : चीन ने पहले मैच में नॉर्वे को हराया

बीजिंग, एजेंसी। मोरक्को में आयोजित अंडर-17 महिला विश्व कप- 2025 के ग्रुप सी के पहले दौर के एक महत्वपूर्ण मैच में, चीनी टीम ने नॉर्वे को 5:0 से हराकर टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत की।

इस वर्ष की अंडर-17 महिला यूरोपीय चैम्पियनशिप में, नॉर्वे की टीम ने उपविजेता स्थान प्राप्त किया और इस टूर्नामेंट के लिए अर्हता प्राप्त की। हाल ही में हुए अंडर-17 महिला एशियाई कप के समग्र प्रदर्शन की बदौलत चीनी टीम तीन साल बाद अंडर-17 महिला विश्व कप में लौटी।

इस वर्ष के अंडर-17 महिला विश्व कप में 24 टीमों को छह समूहों में विभाजित किया गया है। चीन, अमेरिका, इक्वाडोर और नॉर्वे के समान समूह में है। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें, और तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमें, नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी।

पाकिस्तान में अफगानिस्तान के मामले में आईसीसी के बयान की आलोचना की

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार के सूचना मंत्री अता तरार ने अफगानिस्तान में तीन क्रिकेटरों की मौत के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान को पक्षपातपूर्ण करार देते हुए खारिज कर दिया है।

आईसीसी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को पक्तिका प्रांत में हवाई हमले में अफगानिस्तान के क्रिकेटरों की मौत पर शोक व्यक्त किया था, लेकिन अपने-अपने बयानों में पाकिस्तान का उल्लेख नहीं किया था।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा अगले महीने पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से हटने का फैसला करने के बाद इन क्रिकेट संस्थाओं ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बाद में घोषणा की थी कि वह त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की जगह जिम्बाब्वे को शामिल करेगा। टूर्नामेंट की तीसरी टीम श्रीलंका है।

तरार ने रविवार को एक बयान में कहा, ''हम आईसीसी के उस बयान को खारिज करते हुए उसकी निंदा करते हैं, जिसमें दावा किया गया है कि पाकिस्तानी हमलों में तीन अफगान क्रिकेटर मारे गए।'' उन्होंने कहा, ''आईसीसी ने अफगानिस्तान बोर्ड के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करने की जहमत नहीं उठाई और एक बयान जारी कर पाकिस्तान को हमले का दोषी करार दिया।

मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान स्वयं वर्षों से आतंकवाद का शिकार रहा है और उन्होंने आईसीसी से अपने बयान में सुधार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, ''यह अजीब है कि आईसीसी के बयान के कुछ घंटों बाद आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वही शब्द दोहराए और अफगानिस्तान बोर्ड ने भी इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया। अफगानिस्तान बोर्ड ने कोई वास्तविक सबूत पेश किए बिना बयान दिया।

सात्विक-चिराग को सेमीफाइनल में मिली हार

बैडमिंटन टूर्नामेंट

- **दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत की और बीच में चार अंकों की बढ़त बना ली**

ओडेंस (डेनमार्क), एजेंसी। भारतीय जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल वर्ग में सेमीफाइनल में जापान की ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

शनिवार को 68 मिनट तक चले मुकाबले में सात्विक-चिराग की जोड़ी जापान की ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जोड़ी से 23-21, 18-21, 21-16 से हार गई। 2021 के विश्व चैंपियन और 2019 के रजत पदक विजेता ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहले गेम में 11-6 की बढ़त बना ली।

विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए स्कोर 20-20 से बराबर किया, लेकिन जापानी जोड़ी ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत की और बीच में चार अंकों की बढ़त बना ली। ताकुरो और कोबायाशी ने कोशिश की लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने यह गेम जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में दोनों टीमों ने जोरदार मुकाबला किया। भारत ने एक समय चार लगातार अंक लेकर बढ़त बनाई थी, लेकिन जापानी जोड़ी ने वापसी करते हुए जीत अपने नाम की। यह भारतीय जोड़ी पर उनकी छह मुकाबलों में दूसरी जीत थी।

यह भारतीय जोड़ी की इस सीजन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर छठी सेमीफाइनल हार थी। इससे पहले चीन, सिंगापुर, इंडिया और मलेशिया ओपन के साथ-साथ बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में भी अंतिम चार में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ भारत का डेनमार्क ओपन 2025 अभियान समाप्त हो गया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार दो फाइनल तक का सफर तय किया था। सात्विक और चिराग ने आखिरी बार 2024 थाईलैंड ओपन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था।

लियोनेल मेसी ने जीता 2025 एमएलएस गोल्डन बूट

मियामी, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ के सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने 2025 एमएलएस गोल्डन बूट का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस सीजन 29 गोल दागकर मेसी लीग के शीर्ष स्कोरर बन गए हैं। यह इंटर मियामी के साथ उनका दूसरा पूरा सीजन है।

मेसी ने गोल के साथ-साथ 19 असिस्ट भी किए हैं। वह एलएएफसी के डेनिस बोंगा (24 गोल) और नैशविले एससी के सैम सरिज (24 गोल) को पीछे छोड़ चुके हैं। इंटर मियामी के इतिहास में पहले 'गोल्डन बूट' विजेता मेसी साल 2021 में न्यूयॉर्क सिटी एफसी के वैलेंटिन 'टैटी' कैस्टेलानोस के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले पहले अर्जेंटीनी खिलाड़ी हैं।

अर्जेंटीना के इस महान खिलाड़ी ने शनिवार को निर्णायक मैच में नैशविले के खिलाफ 5-2 से जीत में 3 गोल और 1 असिस्ट किए। इस सीजन उनका कुल योगदान 48 गोल और असिस्ट (29 गोल, 19 असिस्ट) हो गया है। यह साल 2019 में एलएएफसी के लिए कार्लोस वेला के एमएलएस रिकॉर्ड 49 से बस थोड़ा ही कम है। अब मेसी लीग के पहले खिलाड़ी बनने की दिशा में हैं, जो लगातार 'एमवीपी अवार्ड' जीतेंगे।

मेसी और मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की नंबर 3 सीड हैं, जहां उनका सामना पहले दौर की बेस्ट-ऑफ-3 सीरीज में नंबर-6 नैशविले से होगा। इस साल का एमएलएस कप विजेता 6 दिसंबर को घोषित किया जाएगा।

मेसी ने अब अपने शानदार करियर में एमएलएस गोल्डन बूट भी जोड़ लिया है। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लीग के पहले सत्र 1996 से अब तक यह सम्मान हासिल किया है। 1996 से 2004 तक, एमएलएस गोल्डन बूट प्वाइंट सिस्टम के आधार पर दिया जाता था, जिसमें गोल के लिए 2 अंक और असिस्ट के लिए 1 अंक मिलते थे।

दबंग दिल्ली को हराकर बेंगलुरू बुल्स ने क्वालीफायर का टिकट कटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरू बुल्स ने शनिवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 94वें मैच में दबंग दिल्ली केसी को 33-23 के अंतर से हराकर क्वालीफायर का टिकट हासिल कर लिया है। इस जीत ने बुल्स को अंक तालिका में तीसरे क्रम पर पहुंचा दिया है और अब उसके नाम के आगे क्यू लग गया है।

आज यहां त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गये मैच में बुल्स की जीत में अलीरेजा मीरजाइन (13) का अहम योगदान रहा। इसके अलावा डिफेंस में संजय (4), कप्तान योगेश (3) और दीपक संकर (3) ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। दिल्ली के लिए मोहित ने रेड और डिफेंस में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 11 अंक जुटाए लेकिन वह अपनी टीम को 17 मैचों में चौथी हार से नहीं रोक पाए। बुल्स को 16 मैचों में नौवी जीत मिली है।

दिल्ली के रेडरों ने शानदार शुरुआत करते हुए 3-0 की लीड ले ली थी। इस बीच पांचवें मिनट में आशीष ने संदीप को आउट कर बुल्स का खाता खोला। फिर योगेश ने मोहित को लपक अलीरेजा को रिवाइव करा लिया। फिर सातवें मिनट में बुल्स ने 4-4 की बराबरी कर ली। इस बीच दीपक ने नवीन को बैकहोल्ड कर बुल्स को पहली बार लीड दिला दी। फिर अलीरेजा ने फजल का शिकार कर दिल्ली को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। दिल्ली ने हालांकि 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 6-6 कर दिया। दूसरे क्वार्टर के सात मिनट बाद तक दोनों टीमें 8-8 की बराबरी पर थीं लेकिन फिर आकाश के मल्टीप्वाइंटर की मदद से बुल्स ने 10-9 की लीड बना ली। फिर डू ओर डाई रेड पर नीरज को डैश कर दीपक ने बुल्स को 2 अंक से आगे कर दिया। हाफटाइम तक बुल्स 12-10 से आगे थे।

हाफटाइम के बाद अलीरेजा ने डू ओर डाई रेड पर नवीन को आउट कर दिल्ली के लिए सुपर टैकल की स्थिति कायम कर दी लेकिन अजिंक्य ने बैकिक से इस स्थिति का टाल दिया।

जूनियर पुरुष हॉकी | **ऑस्ट्रेलिया ने 13वें मिनट में गोल कर बढ़त हासिल की**

सुल्तान जोहोर कप 2025 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत 1-2 से हारा

जोहोर, (मलेशिया), एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को शनिवार को सुल्तान जोहोर कप 2025 के फाइनल मुकाबले में जुझारू प्रदर्शन के बावजूद 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। आज यहां खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 13वें मिनट में गोल कर बढ़त हासिल की, लेकिन दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में अनमोल एक्का (17वें मिनट) के गोल से वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। अंतिम क्षणों तक मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन इयान ग्रोब्बेलार (59वें मिनट) में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए खिताब पक्का कर दिया।

भारत ने शानदार शुरुआत की, छोटे-छोटे, तेज़ पास देकर गेंद को तेज़ी से आगे बढ़ाया जिससे शुरुआती दौर में गेंद पर उनका कब्जा बना रहा। उन्हें पहला बड़ा मौका शुरुआती पांच मिनट में ही मिला जब अरिजीत सिंह हुंदल और सौरभ आनंद कुशवाहा के बीच एक तेज गति से मिले पास ने गुरजोत सिंह को पास से गेंद को पास करने का मौका दिया, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर मैग्नस मैककॉसलैंड ने इसे बखूबी संभाला। दसवें मिनट में, आमिर अली के लंबी दूरी के शक्तिशाली शॉट को गुरजोत ने चतुराई से गोल की ओर मोड़ दिया, लेकिन मैककॉसलैंड ने इसे एक बार फिर रोक दिया।

ऑस्ट्रेलिया को पहला पेनल्टी कॉर्नर 13वें मिनट में मिला और इयान ग्रोब्बेलार ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-0 कर दिया। क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें गोल से दूर रखा। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार भारत ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। दूसरे क्वार्टर में अनमोल एक्का (17वें मिनट) गोलकर भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी। हालाँकि भारतीय रक्षापंक्ति ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के सामने मज़बूत थी, फिर भी भारत ने आगे बढ़ते हुए और भी मौके बनाए। हाफ-टाइम से ठीक पहले उन्हें दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन अरिजीत का ज़बरदस्त शॉट दोनों ही मौकों पर बढ़त नहीं दिला सका।

तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वे इसे गोल में तब्दील करने में विफल रहे। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में, अजीत यादव ने एक ख़तरनाक क्षेत्र में गेंद पर कब्ज़ा जमाया और आगे बढ़े, लेकिन आसपास कोई समर्थन न होने के कारण उनका शॉट बाहर चला गया। मैच में तेजी का माहौल बनते ही भारत ने जबरदस्त हमला बोला। रोहित रात के आठवें पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के क़रीब पहुँच गए, लेकिन कुछ इंच से चूक गए।ऑस्ट्रेलिया ने ग्रोबबेलार (59वें मिनट) ने एक बार फिर गोल करके मैच के आखिरी क्षणों में अपनी टीम का खिताब पक्की कर दिया।

खुशियों की दीपावली

मन की अंधियारी दूर करने का समय

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहरकर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है?

आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार (ईर्ष्या, अहंकार, असंतोष और असहनशीलता) को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाजार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है।

दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए-पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद-यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं।

आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक ह्लइवेंटह्व बना दिया है- फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है।

आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं- और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है।

दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है-वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं-उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो।

हमारे शास्त्र कहते हैं-तमसो मा ज्योतिर्गमय-यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है।

त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है।

आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को ह्लसमावेशिता का पर्वह्व बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता-ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके-किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे- तो वही दीपावली सबसे उज्ज्वल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे।

दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा।

हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है। इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि थोड़े में भी बहुतह्व कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहाँ हर दिन दीपावली है।

आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प ले-कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा।

कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना, और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है। दीपावली का अर्थ केवल दीप नहीं, आवली अर्थात श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है। यही मानवता का मूल संदेश है-एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा। अंततः, इस दीपावली पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने विचारों, व्यवहारों और समाज को भी प्रकाशित करेंगे। शोर और प्रदूषण से दूर, सरलता और स्नेह से भरी दीपावली ही सच्चे अर्थों में खुशियों और सुकून की दीपावली होगी। यही दीपक भारत की संस्कृति का प्रतीक बनेगा-जहाँ रोशनी केवल बिजली से नहीं, बल्कि इंसानियत से फैलती है।

गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक का दीपावली

-मुस्ताअली बोहरा-

दिवाली ना सिर्फ घर-आंगन को बल्कि हम हिन्दुस्तानियों के दिलों को भी रौशन करे यही दुआ है। यूं तो दिवाली मनाने के पीछे कई वजहें हैं और कई पौराणिक कथाएं हैं। जैसे जैसे साल गुजरते जा रहे हैं ये त्यौहार और भी भव्य-दिव्य होता जा रहा है। दीपावली का त्यौहार सदियों से मनाया जाता रहा है। स्कन्द, भविष्य तथा पद्म पुराण में दीपावली उत्सव का वर्णन है। ब्रह्म पुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं। इसके अलावा 7वीं सदी में राजा हर्षवर्धन के नाटकों और 10वीं शताब्दी में राजशेखर के ह्यकाव्यमीमांसाह्व में भी दीपोत्सव का उल्लेख मिलता है। 7वीं शताब्दी के संस्कृत नाटक नागनंद में राजा हर्ष ने इसे दीपप्रति पादुत्सवः कहा है जिसमें दीये जलाये जाते थे और नव वर-बधू को उपहार दिए जाते थे। नौवीं शताब्दी में राजशेखर ने काव्य मीमांसा में इसे दीपमालिका कहा है। फारसी यात्री और इतिहासकार अल बेरुनी ने भारत पर अपने 11वीं सदी के संस्मरण में, दीपावली को कार्तिक महीने में नये चंद्रमा के दिन पर हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला त्यौहार कहा है। तुलसीदास रामचरितमानस में ह्यविज्ञानदीपह्व को प्रतीक स्वरूप प्रस्तुत किया। छांदोग्य उपनिषद के अनुसार प्रकृति का समस्त सर्वोत्तम प्रकाश रूप है। सूर्य प्रकृति का भाग हैं। कठोपनिषद मुंडकोपनिषद व श्वेताश्वतर उपनिषद में कहा गया है प्रकृति के केंद्र पर सूर्य प्रकाश नहीं, चंद्र किरणों का भी नहीं। न विद्युत है और न अग्नि, लेकिन उसी एक ज्योति केंद्र से यह सब प्रकाशित है। इसी तरह वृहदारण्यक उपनिषद में ह्यतमसो मा ज्योतिर्गमय, असतो मा सद्गमय यानी अंधकार से प्रकाश व असत से सत की ओर चलने का संदेश है। ऋग्वेद के अनुसार, ह्यजन-जन को प्रकाश से भरने के लिए ही अग्नि ने अमर सूर्य को आकाश में बिठाया है। लगभग 3500 वर्ष ईसा पूर्व कठोपनिषद में यम और नचिकेता के बीच प्रश्नोत्तरों की स्मृति को भी दीपपर्व से जोड़ा जाता है।

शायद इस बात पर आपको यकीन ही ना हो लेकिन यदि इतिहासकारों की मानें, तो आज जिस धूमधाम के साथ दिवाली का उत्सव पूरा देश मनाता है उसकी शुरूआत मुगल काल में हुई थी। किसी भी पर्व या त्यौहार का महत्व तब और बढ़ जाता है जब वह मजहबी सीमाओं से परे चला जाता है। देशभर में आज जिस धूमधाम से दिवाली मनाई जाती है, उसकी शुरूआत मुगलों के शासनकाल में हुई थी। मुगल काल में सामाजिक सदभाव और पूरी शिद्दत के साथ दिवाली मनाई जाती थी। शाहजहाँ से लेकर बहादुर शाह जफर तक, हर मुगल शासक ने दिवाली को एक ऐसे त्यौहार का स्वरूप दिया जो साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देता था। मुगल काल में दिवाली केवल हिंदू त्योहार न होकर संपूर्ण समाज का उत्सव तो था ही साम्प्रदायिक सद्भाव और सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी था। मुहम्मद बिन तुगलक, जिन्होंने सन 1324 से 1351 तक दिल्ली पर शासन किया, अपने दरबार के अंदर हिंदू त्योहार मनाने वाले पहले सम्राट बने। मुगल काल में दिवाली को जश्न-ए-चरागाँ भी कहा जाता था। पूरा लाल किला दीपों से जगमगाता जाता था। शाहजहाँ ने दिल्ली में आकाश दीया जलाने की परंपरा शुरू की थी, चालीस गज उंचे खंभे पर दिया जलाया जाता था जिसे आकाश दीया कहा जाता था। इसकी रौशनी मीलों दूर तक दिखाई देती थी। ये दीया रातभर जल सके इसके लिए एक सैनिक की तैनाती की जाती थी, जो सीढ़ी की मदद से रातभर दीये को रोशन रखने के लिए तेल डालता था। बादशाह अक्सर सोने-चाँदी से तौले जाते और यह धन गरीबों में बाँट दिया जाता था। इतिहासकारों की मानें तो शाही तौर और भव्य रूप से दिवाली मनाने की शुरूआत बादशाह अकबर के जमाने में आगरा में हुई थी। आगरा के किले और फतेहपुर सीकरी में दिवाली पर भव्य उत्सव देखने को मिलता था। मुगल बादशाह शाहजहां, अकबर के दौर में उत्सव की भव्यता देखने लायक होती थी, औरंगजेब के दौर में तोहफे भेजे जाते थे। राजपूत घराने से मुगल दरबार में तोहफे भेजे जाते थे। जोधपुर के राजा जसवंत सिंह और जयपुर के राजा जय सिंह के यहां से मुगलों को तोहफे भेजे जाने की परंपरा थी। जब देश की राजधानी दिल्ली स्थानांतरित हुई तो लाल किले में दिवाली का भव्य आयोजन शाहजहां के दौर में हुआ करता था। मोहम्मद शाह रंगीला के शासनकाल में दिवाली को रंगीला की दिवाली कहा जाता था। जहांगीर के शासनकाल में दिवाली के अलग ही रंग थे। किताब ह्यतुजुक-ए-जहांगीरह्व के मुताबिक साल 1613 से लेकर 1626 तक जहांगीर ने हर साल अजमेर में दिवाली मनाई। वे अजमेर के एक तालाब के चारों किनारों पर दीपक की जगह हजारों मशालें प्रज्वलित करवाते थे। इस मौके पर शहंशाह जहांगीर, अपने हिन्दू सिपहसालारों को कीमती नजराने भेंट करते थे। इसके बाद फकीरों को नए कपड़े, मिठाइयां बांटी जातीं। दीपावली पर 71 तोपें दागी जातीं और बारूद से बने बड़े-बड़े पटाखे चलाये जाते। अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के समय में भी दिवाली सामाजिक सदभाव के साथ मनाई जाती थी। 14वीं सदी में मुगल शासक मोहम्मद बिन तुगलक अपने अंतरमहल में दीवाली का जश्न मनाते थे। भव्य स्तर के भोज का आयोजन किया जाता था। हालांकि, उसके शासन काल में आतिशबाजी होने का जिक्र नहीं मिलता। 16वीं सदी के न्यायविद शेख अहमद सरहिंदी (1564-1624 ई.) ने अपनी किताब में मुस्लिम महिलाओं द्वारा दीवाली पर मिठाई और उपहार भेंट किए जाने का जिक्र किया है। 17वीं शताब्दी में भारत आने वाले फ्रांसीसी बहुभाषाविद जीन डे थेवेनोट ने दीवाली के भव्य उत्सव का वर्णन किया है। अबुल फजल ने आइन-ए-अकबरी में आकाश दीया या सूरजक्रांत का उपयोग करके आकाश का दीपक जलाने की अनूठी परंपरा का जिक्र किया है। दिवाली की शुरूआत शाही स्नान से होती थी, जिसके लिए सात पवित्र कुओं से पानी लाया जाता था और सम्राट को सुगंधित स्नान कराया जाता था। इस दौरान पंडित और मौलाना पवित्र भजन गाते थे। तब बादशाह मलमल के कपड़े पहनकर अपनी पत्नियों के हरम में जाता था। इसके बाद बादशाह दरबार पहुंचता था। यहां बादशाह अपने अधीनस्थों, मित्रों को दिवाली का नजराना या उपहार देता था।

अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के साथ ही सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व का त्यौहार है दीपावली। रामायण के अनुसार इस दिन जब भगवान राम, सीता जी और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष का वनवास पूर्ण कर अयोध्या वापस लौटे थे। रावण वध और 14 साल का वनवास खत्म होने के बाद मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस लौटने पर लोगों ने दीपमालिका सजाकर उनका स्वागत किया था। कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मां लक्ष्मी समुद्र मंथन द्वारा धरती पर प्रकट हुई थीं। इस पर्व को मां लक्ष्मी के स्वागत के रूप में मनाया जाता है।

नरक चतुर्दशी को राक्षस नरकासुर पर विजय प्राप्त की थी। द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर का संहार किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से खुश होकर लोगों ने घी के दीए जलाए। पांडवों के 12 वर्ष के निष्कासन के साथ साथ 1 वर्ष के अज्ञातवास से वापस घर आने के उपलक्ष्य में भी दीवाली मनाई जाती है। अश्विन महीने के कृष्ण पक्ष का अन्तिम दिन यानि दीवाली पर मारवाडी अपना नया साल मनाते हैं।

गुजराती भी चन्द्र कैलेंडर (कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष के पहले दिन) के अनुसार दीवाली से एक दिन बाद अपना नया साल मनाते है। दीपावली को जैन धर्म में 527 ई.पू. महावीर स्वामी के मोक्ष या निर्वाण प्राप्ति के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। आर्य समाज के लोग इसे शारदीय नव-शयष्टी के रुप में मनाते है। दीप पर्व की देवी श्रीलक्ष्मी हैं। कहा जाता है कि उन्होंने इसी रात पति रूप में विष्णु का वरण किया। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। इसी दिन गुप्त वंशीय राजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने ह्लविक्रम संवतह्व की स्थापना की थी। अतः यह नए वर्ष का प्रथम दिन भी है।

छोटे भाई ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को मिली लोकप्रियता पर खुश हुए शाहिद कपूर

असिस्टेंट के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर ईशान खट्टर अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्मफेयर तक में सुर्खियां बटोर रहे हैं। ईशान और जान्हवी कपूर की फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म आज भी पीछे है, लेकिन इसी फिल्म को कान्स और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी कहानी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिली थी। अब शाहिद कपूर ने अपने छोटे भाई ईशान की खुलकर तारीफ की है। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है जिसमें शाहिद और ईशान एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। दोनों भाइयों के बीच अच्छा बॉन्ड देखा जा रहा है। उन्होंने कैप्शन में ईशान पर गर्व महसूस करने की बात कही और लिखा, ये लड़का एक कलाकार है जो घर से जुड़ा हुआ है। ईशान, मुझे आप पर गर्व है। तुम्हें एक एक्टर के तौर पर पहचान बनाते हुए और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते देखना खुशी की बात है। शाहिद अपनी पोस्ट में अपनी खुशी शब्दों से जाहिर नहीं कर पा रहे हैं और बार-बार ईशान पर गर्व करने की बात कर रहे हैं।

फिल्म होमबाउंड में ईशान की एक्टिंग की तारीफ हर तरफ हो रही है। उन्होंने फिल्म में एक गरीब और छोटी जाति के लड़के का रोल प्ले किया है, जो सरकारी नौकरी पाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलना चाहता है, लेकिन वर्क प्लेस पर भी छोटी जाति को लेकर ईशान को जातिसूचक शब्दों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर भी हैं। ये तीनों दोस्त ही सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में ट्विस्ट तब आता है जब विशाल और ईशान दोनों को ही जाह्नवी कपूर से प्यार हो जाता है। फिल्म संघर्ष, पहचान और प्यार तीनों भावों को दिखाती है। कमाई के मामले में फिल्म काफी पीछे है। फिल्म पहले दो दिन में मात्र 80 लाख का ही कलेक्शन करने में कामयाब रही। ये एक्टर की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्मों में आती है। ईशान की पहली फिल्म धड़क का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 8 करोड़ रुपये था और उनकी दूसरी फिल्म फोन भूत ने भी पहले दिन लगभग 2 करोड़ की कमाई थी। फिर भी ईशान के लिए होमबाउंड बहुत खास है, इस फिल्म से उन्हें ग्लोबल लेवल पर पहचान मिली है।

गोलू गुप्ता की वापसी

श्वेता त्रिपाठी ने शुरू की मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने 'मिर्जापुर' सीरीज में गोलू गुप्ता का रोल प्ले किया था। यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। अब इसी किरदार को वह मिर्जापुर फिल्म में दोहराती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। श्वेता त्रिपाठी ने एक इंटरव्यू में बताया कि गजगामिनी गुप्ता उनका पसंदीदा किरदार है और वह फिल्म की शूटिंग शुरू होने से बहुत खुश हैं। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, मैं इस समय बहुत खुश हूं क्योंकि मैं अपने दूसरे घर, बनारस में अपने सबसे पसंदीदा और दिल के सबसे करीब प्रोजेक्ट्स में से एक मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं। मैं अपने गजगामिनी गुप्ता के किरदार को बहुत प्यार करती हूं और इसे फिर से प्ले करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

श्वेता ने कहा, इसकी शूटिंग रात में हो रही है। इसके लिए बहुत खूबसूरत सेटअप किया गया है। हम पूरी रात बढ़िया कुल्हड़ में चाय भी पिएंगे। मिर्जापुर के कलाकार भी बहुत खास हैं और आज सभी लोग वहां मौजूद हैं, इसलिए बातचीत तो होगी ही। गंगा आरती भी बहुत अच्छी रही, तो मेरे लिए दीपावली शुरू हो चुकी है।

इस फिल्म में अली फजल एक पहलवान के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यत: मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है।

फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

पेन किलर्स के सहारे पूरा किया था कांतारा चैप्टर 1 का क्लाइमैक्स सीन

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इन दिनों सिनेमाघरों में जमकर कमाई कर रही है। फिल्म जल्द 500 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली है। फिल्म को थिएटर में रिलीज हुए अभी सिर्फ 11 दिन हुए हैं। इस फिल्म की शूटिंग के वक्त ऋषभ शेट्टी को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। हाल ही में ऋषभ एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें कुछ तस्वीरें भी थीं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट किया था। ऋषभ शेट्टी अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'क्लाइमेक्स की शूटिंग का वक्त, सूजा हुआ पैर, आराम से बैठा शरीर। आज करोड़ों लोगों ने इसे देखा और पसंद किया है। यह सिर्फ उन शक्तियों के आशीर्वाद से ही संभव है जिन पर हम विश्वास करते हैं। आप सभी का शुक्रिया जिन्होंने फिल्म देखी।' पोस्ट में ऋषभ ने अपने सूजे हुए पैरों की तस्वीर भी साझा की है। पैरों की हालत देखकर समझा जा सकता है कि ऋषभ के लिए यह सीन शूट करना कितना मुश्किल रहा होगा।

पिछले दिनों दिल्ली में 'कांतारा चैप्टर 1' की सक्सेस पार्टी में भी ऋषभ शेट्टी बताया था कि पेन किलर लेकर क्लाइमैक्स सीन पूरा किया था। वह कहते हैं, 'हमने रात और दिन, दोनों ही समय में फिल्म शूट की। 10-15 दिन तो मैंने मुश्किल से शूटिंग की, पेन किलर्स लेकर काम किया। मैं थोड़ा आराम करता, फिर सीन शूट करता था। ऋषभ ने अपनी टीम को पूरा क्रेडिट दिया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निर्देशक को सपोर्ट किया है।

'कांतारा चैप्टर 1' का कलेक्शन

'कांतारा चैप्टर 1' के कलेक्शन की बात करें तो अब तक भारत में यह फिल्म 478.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। जल्द ही यह फिल्म 500 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। फिल्म वर्ल्डवाइड भी अच्छा कमा रही है, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब तक 623 करोड़ रुपये हो चुका है।

9 टू 5 जॉब से एक्टिंग की तुलना वाले बयान पर काजोल ने तोड़ी चुप्पी

काजोल ने अपने टॉक शो 'टू मच' में पिछले दिनों कहा था कि एक्टर्स 9 से 5 की नौकरी करने वालों से ज्यादा मेहनत करते हैं। यह बात सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई, काजोल को इस बात के लिए ट्रोल किया गया। काजोल ने फिर इस बात को लेकर बयान दिया है, साथ ही अपनी पुरानी बातों को सही साबित करने के लिए कुछ बातों का जिक्र किया है।

हम पर बहुत दबाव होता है

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में काजोल कहती हैं, 'एक्टिंग बहुत एक्टिव रहने वाला काम है। जब हम शूटिंग पर होते हैं तो पूरा ध्यान उसी काम पर होता है। मैंने 35 से 40 दिनों तक सीरीज 'द ट्रायल 2' के लिए लगातार शूटिंग की। इस दौरान एक्सरसाइज पर, डाइट पर ध्यान दिया। हमारे लुक में जरा सा चेंज भी पूरे प्रोसेस को खराब कर सकता है। इस वजह से हम पर बहुत दबाव होता है।'

टी ब्रेक तक नहीं पाते एक्टर्स

काजोल आगे कहती हैं, 'जब आप 9 से 5 की नौकरी करते हैं, तो टी ब्रेक ले सकते हैं, थोड़ा आराम कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं कर सकते हैं। हम कैसे बैठते हैं? कैसे मुस्कुराते हैं? इन बातों पर भी नजर रखी जाती है। हम एक केतली की तरह हैं, जो हमेशा उबलती रहती है। हमें हमेशा अलर्ट रहना होता है, हम अक्सर टेंशन में रहते हैं और हम ऐसे ही जीते हैं।'

इस फिल्म में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह 'महारागिनी' में नजर आएंगी। इस साल वह 'मां' और 'सरजमीं' जैसी फिल्मों में दमदार किरदार निभाती दिखीं। साथ ही इन दिनों ट्विंकल खन्ना के साथ टॉक शो 'टू मच' कर रही हैं। इस शो पर बॉलीवुड सेलेब्स आते हैं और मजेदार किस्से साझा करते हैं।

कंगना रनौत ने खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना रनौत अकसर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना रनौत ने यह बात दिल्ली के एक इवेंट में कही। एक्ट्रेस ने कहा कि छोटे से गांव से किसी ने भी उनकी जैसी सफलता हासिल नहीं की है। इसके बाद उन्होंने अपनी जड़ों और बॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की।

खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना ने फिर कहा, हो सकता है कि अन्य लोग इससे असहमत हों, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं बेहद ईमानदार हूं, न केवल लोगों के साथ, बल्कि खुद के साथ भी। मैंने बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए बहुत मेहनत की है।

मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

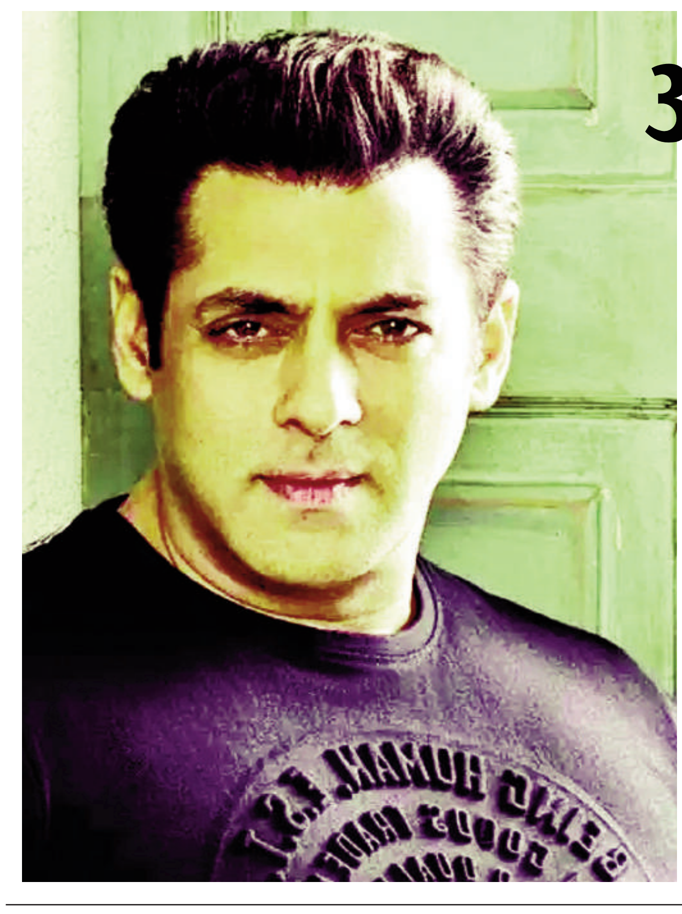

अरिजीत के साथ झगड़े पर सलमान ने तोड़ी चुप्पी

सलमान खान ने हाल ही में गायक अरिजीत सिंह के साथ अपने कथित झगड़े पर खुल कर बात की है। सुपरस्टार ने इसे गलतफहमी बताया है। बिग बॉस 19 के वीकेंड का वॉर एपिसोड में सलमान ने खुलासा किया कि दोनों के बीच कभी कोई असली दुश्मनी नहीं थी। वे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गलतफहमी अरिजीत की तरफ से नहीं, बल्कि उनकी तरफ से हुई थी।

अवॉर्ड लेने मंच पर गए अरिजीत

लगभग एक दशक से चली आ रही यह कहानी 2014 के स्टार गिल्ड अवॉर्ड्स की है। उस वक्त अरिजीत सिंह अपने बेहतरीन गाने तुम ही हो से मशहूर हुए थे। वह एक अवॉर्ड लेने के लिए मंच पर गए। लगातार दो शो के बाद थके हुए और साधारण से कपड़े पहने अरिजीत ने सलमान खान समेत मेजबानों का अभिवादन किया।

सलमान को अच्छी नहीं लगी टिप्पणी

अरिजीत सिंह जब मंच पर आए तो सलमान ने उन्हें चिढ़ाते हुए कहा क्या आप सो रहे थे। इस पर अरिजीत मुस्कुराए और जवाब दिया आप लोगों ने सुला दिया यार। इस पर दर्शक हंसने लगे। बताया जाता है कि कथित तौर पर सलमान खान को यह टिप्पणी अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे अपने अपमान के तौर पर लिया।

फिल्मों से गाने हटवाने की अफवाहें

इसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया कि अरिजीत ने बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक को नाराज कर दिया है। अगले कुछ वर्षों में, अफवाहें फैलीं कि सलमान ने अपनी कई फिल्मों से अरिजीत के गानों को हटा दिया, जिनमें किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। इनमें सबसे मशहूर गाना फिल्म सुल्तान का जग घुमेया था, जिसे बाद में अरिजीत की जगह राहत फतेह अली खान ने गाया।

सलमान खान ने दी सफाई

बिग बॉस 19 में आखिरकार सलमान ने इस मामले में पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने स्वीकार किया कि गलतफहमी उनकी अपनी थी, अरिजीत की नहीं। सलमान खान ने कहा अरिजीत और मैं बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह गलतफहमी थी और वह गलतफहमी मेरी तरफ से हुई थी। उसके बाद उसने मेरे लिए गाने भी गाए। टाइगर 3 में गाने गाए। आगे गलवां (बैटल ऑफ गलवां) में भी गाने गा रहे हैं। बैटल ऑफ गलवां सलमान खान की अपकमिंग फिल्म है।

अरिजीत ने मांगी माफी

जब मामला शांत नहीं हुआ, तो अरिजीत ने 2016 में सोशल मीडिया पर सलमान से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। एक भावुक पोस्ट में, गायक ने कहा कि उनका कभी भी उन्हें अपमानित करने का इरादा नहीं था और यह पूरी घटना गलतफहमी का नतीजा थी। यह पोस्ट रातोंरात वायरल हो गई और फैंस ने सलमान से माफी स्वीकार करने का अनुरोध किया। इस बारे में सार्वजनिक रूप से किसी ने बात नहीं की।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009